TarunMitra TarunMitra TarunMitra
www.youtube.com/@TarunmitraGroup

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
तरुणमित्र
श्रम ही आधार, सिर्फ खबरों से सरोकार

भोपाल
वर्षः 6 अंक 185
सोमवार 24 अगस्त, 2026

तापमान
अधिकतम 33°C
न्यूनतम 28°C

मूल्य 2 रुपए | पृष्ठ-8 | मध्य प्रदेश, बिहार, उत्तर प्रदेश एवं महाराष्ट्र से प्रकाशित | www.tarunmitra.in

22 फीट ऊंची गणेश प्रतिमा गिरने से मुंबई में दो की मौत

भुलेश्वर में हादसे के बाद मची अफरातफरी, पांच घायल

मुंबई, 23 अगस्त। गणेशोत्सव की तैयारियों के बीच शनिवार देर रात मुंबई के भुलेश्वर इलाके में बड़ा हादसा हो गया। 'भुलेश्वर चा राजा' के नाम से मशहूर भगवान गणेश की 22 फीट ऊंची प्रतिमा मंडप से करीब 50 से 60 मीटर पहले अचानक असंतुलित होकर गिर गई। प्रतिमा की चपेट में आने से सात लोग घायल हो गए। इनमें दो की अस्पताल में उपचार के दौरान मौत हो गई, जबकि पांच घायलों का उपचार चल रहा है।

हादसा रात करीब 10:30 बजे हुआ। विशाल प्रतिमा को भायखला से भुलेश्वर ले जाया जा रहा था।

मंडप के पास पहुंचने से पहले ही अचानक प्रतिमा का संतुलन बिगड़ा और वह वहां मौजूद लोगों पर जा गिरी। इससे मौके पर अफरातफरी मच गई। सूचना मिलते ही दमकल विभाग, बीएमसी और मुंबई पुलिस की टीमें मौके पर पहुंचीं। राहत एवं बचाव अभियान चलाकर सभी घायलों को नजदीकी अस्पताल पहुंचाया गया। अस्पताल में भुलेश्वर गणपति मंडल के अध्यक्ष समेत दो लोगों को मृत घोषित कर दिया गया। मृतकों की पहचान 33 वर्षीय संकेत नेवशे और 30 वर्षीय बृजेश हेमंत जोशी के रूप में हुई है। घायलों में 38 वर्षीय वैभव घेनांद, 25 वर्षीय पवन चौरसिया, पांच वर्षीय लावण्या गनेर, सात वर्षीय दिव्या गनेर और 26 वर्षीय कुणाल काशिद शामिल हैं।

गणेशोत्सव की तैयारियां तेजमुंबई समेत पूरे महाराष्ट्र में गणेशोत्सव बड़े स्तर पर मनाया जाता है। इस वर्ष गणेश चतुर्थी 14 सितंबर से शुरू होगी। त्योहार को लेकर सार्वजनिक गणेश मंडलों में तैयारियां शुरू हो चुकी हैं। मुंबई में प्रतिमाओं को पंडाल तक पहुंचाने और विसर्जन के दौरान बड़े जुलूस निकाले जाते हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार, मुंबई में करीब 10,600 सार्वजनिक गणेश मंडल हैं।

इनमें से करीब 2,500 मंडलों ने दस दिवसीय उत्सव के लिए अनुमति ली है। पूरे महाराष्ट्र में इस वर्ष करीब 28 लाख गणेश प्रतिमाएं स्थापित किए जाने का अनुमान है।

अंतरिक्ष में नई ताकत बनेगा भारतः मोदी

प्रधानमंत्री ने राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस पर स्टार्टअप संस्थापकों से संवाद कर गिनाई संभावनाएं और चुनौतियां

नई दिल्ली, 23 अगस्त। राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस के अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को देश के प्रमुख अंतरिक्ष स्टार्टअप के मुख्य कार्यकारी अधिकारियों और संस्थापकों से संवाद किया। उन्होंने अंतरिक्ष तकनीक के व्यापक इस्तेमाल से आम लोगों का जीवन बेहतर बनाने पर जोर देते हुए कहा कि भारत की अंतरिक्ष यात्रा अब नई ऊंचाइयों की ओर बढ़ रही है। उन्होंने देशवासियों से बड़े सपने देखने, नई चीजें बनाने और नई सीमाओं को पार करने का आह्वान किया। प्रधानमंत्री ने कहा कि हाथ में तिरंगा, सामने अंतरिक्ष और 140 करोड़ देशवासियों का सपना भारत के विकास का संकल्प है।

प्रधानमंत्री ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर संवाद का वीडियो साझा करते हुए कहा कि देश के सबसे होनहार अंतरिक्ष स्टार्टअप से मिलकर वह बेहद प्रभावित हुए। उन्होंने स्टार्टअप की ऊर्जा, महत्वाकांक्षा और सकारात्मक सोच की सराहना की। बातचीत में उन्होंने कहा कि नई दिशा में काम करने वाले उद्यमियों ने साहस दिखाया और सरकारी नीतियों पर भरोसा किया है। सरकार को अपने निर्णयों पर अडिग रहना चाहिए और बार-बार बदलाव नहीं करना चाहिए। इससे जोखिम उठाने वाले उद्यमियों का भरोसा मजबूत होता है। संवाद में भारत के पहले अंतरिक्ष तकनीक यूनिकॉर्न के प्रमुख ने बताया कि 18 जुलाई को देश का पहला निजी रॉकेट सफलतापूर्वक प्रक्षेपित किया गया। उन्होंने कहा कि यह केवल शुरूआत है। अगले वर्ष हर महीने एक रॉकेट प्रक्षेपित करने की योजना है। इसके लिए तीन कारखाने तैयार हैं और प्रत्येक में हर महीने एक रॉकेट बनाने की क्षमता है। लक्ष्य आगे हर सप्ताह और फिर हर दिन रॉकेट प्रक्षेपण तक पहुंचने का है। एक अन्य स्टार्टअप ने आधुनिक तकनीक वाला इंजन तैयार करने और उसकी जांच जारी होने की जानकारी दी। एक अन्य उद्यमी ने बताया कि अंतरिक्ष क्षेत्र खुलने के बाद अमेरिका और यूरोप में काम कर रहे भारतीय प्रतिभाशाली लोग देश लौटकर काम करना चाहते हैं। इस पर प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत को दुनिया भर की प्रतिभाओं को आकर्षित करना होगा और अंतरिक्ष स्टार्टअप की उपलब्धियां लोगों को भारत आने के लिए प्रेरित कर सकती हैं। एक कंपनी के प्रमुख ने बताया कि वह उपग्रह इंजन बना रही है और उसे वैश्विक स्तर पर अच्छा प्रतिसाद मिल रहा है। निर्यात में भी सरकार का सहयोग मिला है। प्रधानमंत्री ने कहा कि लागत के मामले में भारत प्रतिस्पर्धी है और प्रतिभा की कोई कमी नहीं है।

तकनीक
- हर सप्ताह से हर दिन रॉकेट प्रक्षेपण का लक्ष्य, तीन कारखानों में उत्पादन क्षमता तैयार
- प्रतिभा, कम लागत और नवाचार के बूते वैश्विक अंतरिक्ष बाजार में भारत की बढ़ती दावेदारी

एक दशक में 45 अरब डॉलर की होगी अंतरिक्ष अर्थव्यवस्था

नई दिल्ली, 23 अगस्त (आईएएनएस)। भारत की अंतरिक्ष अर्थव्यवस्था वर्तमान में करीब नौ अरब डॉलर की हो गई है और मजबूत स्टार्टअप पारिस्थितिकी तंत्र तथा नीतिगत सुधारों के चलते अगले एक दशक में इसके 40 से 45 अरब डॉलर तक पहुंचने का अनुमान है। राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस के अवसर पर जारी सरकारी आंकड़ों से अंतरिक्ष क्षेत्र में तेजी से बढ़ती निजी भागीदारी और व्यावसायीकरण की तस्वीर सामने आई है।

संक्षिप्त समाचार

भारतीय वायु सेना ने पूरे किये बहुराष्ट्रीय सैन्य अभ्यास

नई दिल्ली, 23 अगस्त। भारतीय वायु सेना ने दो महत्वपूर्ण अंतरराष्ट्रीय हवाई अभ्यासों में अपनी भागीदारी पूरी की। ऑस्ट्रेलिया में 'पिच ब्लैक' और मलेशिया में 'उदारा शक्ति' अभ्यासों में वायु सेना ने परिचालन, बेहतर सामरिक तालमेल और हिंद-प्रशांत क्षेत्र में रणनीतिक रक्षा साझेदारियों को मजबूत करने की प्रतिबद्धता को रेखांकित किया।

चार दिवसीय जापान यात्रा पर आज रवाना होंगे पीयूष गोयल

नई दिल्ली, 23 अगस्त। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल 24 से 27 अगस्त तक जापान के दौरे पर रहेंगे। इस दौरान वे टोक्यो, नागोया और ओसाका जाएंगे और भारत का अबतक का सबसे बड़ा व्यापारिक प्रतिनिधिमंडल जापान लेकर जाएंगे। इस प्रतिनिधिमंडल में 200 से अधिक कारोबारी शामिल हैं, जो विनिर्माण, सेमीकंडक्टर, स्वच्छ ऊर्जा, इस्पात, ऑटोमोबाइल, वित्तीय सेवाएं, स्वास्थ्य और स्टार्ट-अप जैसे क्षेत्रों से जुड़े हैं।

कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने हनुमानगढ़ी में पढ़ी हनुमान चालीसा

अयोध्या, 23 अगस्त। उत्तर प्रदेश कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने रविवार को अयोध्या पहुंचकर हनुमानगढ़ी में दर्शन-पूजन कर हनुमान चालीसा का पाठ किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि राम मंदिर को व्यापार का केंद्र नहीं बनने दिया जाएगा। उन्होंने बढ़ती महंगाई, चीनी और अन्य जरूरी सामानों की बढ़ी कीमतों को लेकर सरकार पर निशाना साधा। प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि कांग्रेस अपने कार्यक्रमों की शुरुआत भगवान के दर्शन से करती है।

सफदरजंग अस्पताल में पहली सफल रोबोटिक घुटना प्रत्यारोपण सर्जरी

नई दिल्ली, 23 अगस्त। सफदरजंग अस्पताल ने उन्नत हड्डी रोग उपचार में महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। केंद्रीय हड्डी रोग संस्थान ने 22 अगस्त को पहली रोबोट सहायता से पूर्ण घुटना प्रत्यारोपण सर्जरी सफलतापूर्वक की। यह सर्जरी आयुष्मान भारत योजना के तहत निःशुल्क की गई। मरीज 75 वर्षीय वरिष्ठ नागरिक थे। अस्पताल की ओर से रविवार को दी गई जानकारी के अनुसार नई रोबोटिक प्रणाली को भविष्य में उन्नत किया जा सकता है। इससे पूर्ण और आंशिक घुटना प्रत्यारोपण के साथ कूल्हे के जोड़ का प्रत्यारोपण भी किया जा सकेगा।

किसानों को मिल रहा आधुनिक खेती का ज्ञानः मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने हर जिले के बलराम कृषि महोत्सव में किसानों से की बातचीत

भोपाल, 23 अगस्त। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव प्रदेश के किसान भाइयों के प्रति विशेष रूप से संवेदनशील हैं। राज्य सरकार किसानों को आधुनिक तकनीक का लाभ दिलाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। इसी का परिणाम है कि बलराम कृषि महोत्सव में आधुनिक तकनीकों की जानकारी के साथ किसानों को प्राकृतिक खेती अपनाने के लिए भी प्रेरित किया जा रहा है।मुख्यमंत्री डॉ. यादव अपनी व्यस्तताओं के बावजूद किसानों से संवाद अवश्य करते हैं।

भले ही नई दिल्ली की व्यस्तता हो या प्रदेश के जिलों के अन्य प्रशासनिक दायित्व, मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने हर जिले के बलराम कृषि महोत्सव में किसानों से बातचीत की।जनसंपर्क अधिकारी संदीप कपूर ने रविवार को बताया कि मुख्यमंत्री डॉ. यादव की पहल पर ही कृषकों को कृषि की आधुनिक तकनीक, प्राकृतिक खेती, कृषि यंत्रीकरण और शासन की योजनाओं से जोड़ने के लिए जिलों में बलराम कृषि महोत्सव आयोजित किया जा रहे हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने गत दिवस नई दिल्ली से शिवपुरी के किसानों से वर्चुअली चर्चा की। इससे पहले वे अशोकनगर, गुना ,विदिशा, रायसेन, भोपाल राजगढ़ सीहोर, नर्मदापुरम, बैतूल, हरदा, बुरहानपुर, उज्जैन, खरगोन आदि स्थानों पर हुए बलराम कृषि महोत्सव में वर्चुअल सहभागिता कर चुके हैं। जनजातीय बाहुल्य अलीराजपुर के महोत्सव में मुख्यमंत्री डॉ. यादव स्वयं व्यक्तिगत रूप से सम्मिलित हुए थे।मुख्यमंत्री डॉ. यादव का मानना है कि किसान के समृद्ध और खुशहाल होने से ही संपूर्ण समाज अन्न और धन-धान्य से परिपूर्ण रहेगा। सीमा पर जवान और खेत में किसान की भूमिका समान है, दोनों ही देश के लिए समर्पित हैं।

उनकी इस प्रतिबद्धता के परिणामस्वरूप ही राज्य सरकार पूर्ण संवेदनशीलता और सक्रियता से किसान हित में कार्य कर रही है।

पूरा साल किसान कल्याण वर्ष के रूप में मनाया जा रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने अशोक नगर के बलराम कृषि महोत्सव में कहा था कि किसान का अर्थ ही स्वावलंबन है, अपने बलबूतों पर अपने परिवार के साथ संपूर्ण समाज के पालन पोषण के लिए अन्न का कटोरा भरने का सामर्थ्य किसानों में ही है।

भारत-अमेरिका व्यापार समझौते पर जल्द लग सकती है अंतिम मुहर

नई दिल्ली, 23 अगस्त। भारत और अमेरिका के बीच प्रस्तावित व्यापार समझौते को लेकर बड़ी प्रगति हुई है। भारत में अमेरिकी राजदूत सर्जियो गोर ने कहा है कि समझौते का सैद्धांतिक रूप से लगभग पूरा काम हो चुका है और अब दोनों पक्ष कानूनी तथा तकनीकी भाषा को अंतिम रूप देने में जुटे हैं।

राष्ट्रीय राजधानी में एक कार्यक्रम के दौरान गोर ने कहा कि समझौते की मुख्य बातें पहले ही तय हो चुकी हैं। अब शेष प्रक्रिया में दस्तावेज के कुछ हिस्सों को व्यवस्थित करने और अंतिम रूप देने का काम शामिल है।अमेरिकी राजदूत ने कहा कि समझौते को अंतिम रूप देने में देरी का मुख्य कारण कानूनी और तकनीकी भाषा से जुड़ी प्रक्रियाएं हैं। उन्होंने संकेत दिया कि दोनों देशों के बीच वार्ता अब उस चरण में पहुंच गई है, जहां नीतिगत मुद्दों के बजाय समझौते के अंतिम दस्तावेज को तैयार करने पर अधिक ध्यान है।

रूसी तेल पर शुल्क का मुद्दागोर ने अमेरिकी कांग्रेस में प्रस्तावित उस कानून को लेकर भारत की चिंताओं पर भी बात की, जिसमें रूस से तेल खरीदने वाले देशों पर 100 प्रतिशत तक अतिरिक्त शुल्क लगाने का प्रस्ताव है। उन्होंने कहा कि इस पहल को अमेरिकी कांग्रेस में दोनों राजनीतिक दलों के नेताओं का समर्थन मिल रहा है, लेकिन यह व्हाइट हाउस की ओर से शुरू की गई पहल नहीं है।

होर्मुज पर नए अमेरिकी नक्शे से बढ़ा तनाव, ईरान ने दी युद्ध की धमकी

नई दिल्ली, 23 अगस्त। अमेरिका और ईरान के बीच होर्मुज स्ट्रेट को लेकर तनाव एक बार फिर चरम पर पहुंच गया है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने रविवार को होर्मुज स्ट्रेट का नया नक्शा जारी कर इसे अमेरिका का क्षेत्र बताया। इसके जवाब में ईरान ने अमेरिका को सीधे तौर पर चेतावनी देते हुए कहा है कि नए आर्थिक प्रतिबंध लगाए गए तो इसे युद्ध का शंखनाद माना जाएगा। ईरान ने अमेरिका के साथ उसके सहयोगी देशों को भी गंभीर परिणाम भुगतने की धमकी दी है। ट्रंप ने अपने ट्रुथ सोशल अकाउंट पर होर्मुज स्ट्रेट का नक्शा साझा किया। इसमें इस महत्वपूर्ण समुद्री मार्ग के संकरे हिस्से को घेरकर अमेरिका का नया क्षेत्र बताया गया है।

पारादीप तट के पास जहाज डूबा, 22 नाविक लापता

लौह अयस्क लेकर सिंगापुर जा रहा था पनामा का मालवाहक जहाज

भुवनेश्वर/पारादीप, 23 अगस्त। ओडिशा के पारादीप तट से करीब 240 नॉटिकल मील (444 किलोमीटर) दूर बंगाल की खाड़ी में शनिवार को बड़ा समुद्री हादसा हो गया। पनामा के झंडे वाला मालवाहक जहाज 'ओसियन विनर' गहरे समुद्र में डूब गया।

जहाज पर सवार 24 सदस्यीय चालक दल में से दो लोगों को भारतीय तटरक्षक बल (क्ळ्रॠ) और नौसेना ने लाइफ राफ्ट से सुरक्षित निकाल लिया, जबकि 22 सदस्य अब भी लापता हैं।

प्राप्त जानकारी के अनुसार जहाज ओडिशा के एक बंदरगाह से लौह अयस्क लेकर सिंगापुर के लिए रवाना हुआ था। समुद्र में आगे बढ़ने के दौरान अचानक जहाज का संतुलन बिगड़ा और वह डूबने लगा। कुछ ही समय बाद जहाज से संपर्क टूट गया। हादसे के कारणों का अभी स्पष्ट पता नहीं चल सका है और तकनीकी पहलुओं की जांच की जा रही है। जहाज पर कुल 24 चालक दल के सदस्य सवार थे। इनमें 20 चीनी, तीन म्यांमार और एक बांग्लादेशी नागरिक शामिल था। हादसे की सूचना मिलते ही भारतीय एजेंसियों ने तत्काल बचाव अभियान शुरू किया। दो सदस्यों को लाइफ राफ्ट से सुरक्षित निकाल लिया गया है, जबकि बाकी सदस्यों की तलाश लगातार जारी है।

तटरक्षक बल के प्रवक्ता कमांडेंट अमित उनियाल के अनुसार, लापता चालक दल के सदस्यों की तलाश के लिए श्री विजयपुरम (पूर्व में पोर्ट ब्लेयर) से दो विशेष बचाव पोत घटनास्थल की ओर रवाना किए गए हैं। भारतीय नौसेना और तटरक्षक बल के टोही विमान तथा पोत समुद्र में व्यापक सर्च ऑपरेशन चला रहे हैं।

अधिकारियों के मुताबिक समुद्र में चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों के बावजूद अभियान को तेज किया गया है। राहत एवं बचाव दल लापता नाविकों का पता लगाने के लिए संभावित क्षेत्रों में लगातार तलाशी ले रहे हैं।

भाजपा की राष्ट्रीय संगठनात्मक बैठक में संगठन विस्तार पर जोर

नई दिल्ली, 23 अगस्त। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की नई राष्ट्रीय टीम की पहली बड़ी संगठनात्मक बैठक के दूसरे दिन भी रविवार को चुनावी राज्यों की तैयारियों, संगठनात्मक मजबूती, बूथ स्तर तक पार्टी के विस्तार और देश भर आयोजित होने वाले आगामी कार्यक्रमों पर विस्तृत चर्चा की गई।

पार्टी मुख्यालय में रविवार को आयोजित इस बैठक की अध्यक्षता भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने की। बैठक में महामंत्री बी एल संतोष, तरुण चुग, विनोद तावड़े, स्मृति ईरानी, सहित कई पदाधिकारियों के साथ राज्यों के प्रदेश अध्यक्ष, प्रदेश प्रभारी भी मौजूद रहे। बैठक में बिहार भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष संजय सरावगी और प्रदेश संगठन महामंत्री भीखूभाई दलसानिया ने भी सहभागिता की।

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने रविवार, 23 अगस्त 2026 को महाराष्ट्र के पुणे में छत्रपति शाहू महाराज को पुष्पांजलि अर्पित की। - छाया तरुणमित्र

स्थगन के 10 दिन बाद भी सत्रावसान नहीं, जयराम ने उठाए सवाल

नई दिल्ली, 23 अगस्त। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने लोकसभा के मानसून सत्र के अनिश्चितकाल के लिए स्थगित होने के 10 दिन बाद भी सदन का सत्रावसान नहीं किए जाने पर सवाल उठाया है। उन्होंने आरोप लगाया कि क्या केंद्रीय गृहमंत्री परिसीमन से जुड़े संविधान संशोधन विधेयक को विशेष सत्र में पारित कराने के लिए दो-तिहाई बहुमत जुटाने की कोशिश कर रहे हैं। रमेश ने रविवार को एक्स पोस्ट में कहा कि आम तौर पर लोकसभा के अनिश्चितकाल के लिए स्थगित होने और उसके सत्रावसान के बीच दो से चार दिन का अंतर होता है। हालांकि, कई मौकों पर दोनों प्रक्रिया एक ही दिन हुई हैं। उन्होंने कहा कि मौजूदा लोकसभा को अनिश्चितकाल के लिए स्थगित हुए 10 दिन बीत चुके हैं, लेकिन अभी तक इसके सत्रावसान की कोई जानकारी नहीं है।

छह लाख राइफलों की खेप से बदलेगी सेना की मारक क्षमता और रक्षा उत्पादन की तस्वीर

यूपी में गूंजी 'शेर' की दहाड़, आत्मनिर्भर हुआ सेना का हथियार

विवेक श्रीवास्तव

लखनऊ, 23 अगस्त। कभी रूस से तकनीक लेकर भारत में एके-203 बनाने की शुरुआत हुई थी। अब उसी सफर ने ऐसा पड़ाव हासिल किया है, जो देश के रक्षा उत्पादन के लिए कहीं ज्यादा महत्वपूर्ण है। उत्तर प्रदेश के अमेठी स्थित कोरवा में पहली बार पूरी तरह भारतीय पुर्जों और कच्चे माल से बनी एके-203 'शेर' असॉल्ट राइफल का सफल परीक्षण किया गया है। यानी जिस राइफल की शुरुआत भारत-रूस संयुक्त परियोजना के रूप में हुई थी, उसका उत्पादन अब पूर्ण स्वदेशीकरण की दिशा में पहुंच गया है।

मेक इन इंडिया
- रूस से तकनीक लेकर शुरू हुआ सफर अब पूरी तरह भारतीय पुर्जों तक पहुंचा
- हर 100 सेकंड में एक राइफल बनाने की तैयारी, सितंबर में सेना करेगी परीक्षण
- पुरानी इंसास की जगह लेगी 'शेर', 800 मीटर तक प्रभावी मारक क्षमता

यह उपलब्धि केवल एक नई राइफल के तैयार होने तक सीमित नहीं है। असली बदलाव उस उत्पादन व्यवस्था में है, जिसमें राइफल के हर हिस्से और उसमें इस्तेमाल होने वाली सामग्री को भारतीय उद्योग से हासिल करने का दावा किया गया है। इंडो-रशियन राइफल्स प्राइवेट लिमिटेड के मुख्य कार्यकारी अधिकारी एवं प्रबंध निदेशक मेजर जनरल एसके शर्मा के अनुसार, पहली पूरी तरह स्वदेशी 'शेर' का निर्माण और फायरिंग परीक्षण सफल रहा है। अब सितंबर में सेना के उपयोगकर्ता परीक्षण के लिए जरूरी संख्या में स्वदेशी प्रोटोटाइप तैयार किए जा रहे हैं। एके-203 परियोजना की शुरुआत भारत और रूस के संयुक्त प्रयास से हुई थी। कोरवा में स्थापित संयंत्र में इसका उत्पादन 2023 में शुरू हुआ। शुरुआती दौर में राइफल के कई महत्वपूर्ण हिस्सों के लिए विदेशी तकनीक और आपूर्ति पर निर्भरता थी। धीरे-धीरे भारतीय कंपनियों को उत्पादन श्रृंखला में जोड़ा गया और स्वदेशी हिस्सेदारी बढ़ाई गई।

खालिस्तानी आतंकवादी अर्श डल्ला से जुड़े चार आरोपित गिरफ्तार

नई दिल्ली, 23 अगस्त। दिल्ली पुलिस की अपराध शाखा ने कनाडा भेजी जा रही अफीम की खेप पकड़कर कथित अंतरराष्ट्रीय मादक पदार्थ-आतंकवाद नेटवर्क का भंडाफोड़ किया है। मामले में चार लोगों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस के अनुसार, जांच में खालिस्तानी आतंकवादी अर्शदीप सिंह गिल उर्फ अर्श डल्ला से जुड़े कथित आतंक वित्तपोषण नेटवर्क का भी पता चला है।

मामले की शुरुआत सात फरवरी को हुई, जब पुलिस को सूचना मिली कि मोती नगर स्थित एक कूरियर कंपनी से कनाडा भेजे जाने वाले पार्सल में आम और घरेलू सामान के नीचे नशीला पदार्थ छिपाया गया है। तलाशी में पार्सल के विशेष रूप से बनाए गए नकली निचले हिस्से से 2.998 किलोग्राम अफीम बरामद हुई। इसके बाद जांच का दायरा बढ़ाते हुए पंजाब, हरियाणा और राजस्थान में छापेमारी की गई। पुलिस ने दो अन्य निर्यात खेप भी पकड़ीं। एक पार्सल से 921 ग्राम और दूसरे से 1,196 ग्राम अफीम बरामद हुई। एक आरोपित के कब्जे से 23 ग्राम अफीम भी मिली। इस तरह कुल बरामदगी 5.138 किलोग्राम रही। पुलिस के मुताबिक कनाडा के अंतरराष्ट्रीय बाजार में इसकी अनुमानित कीमत करीब 3.5 करोड़ रुपये है।

अपराध शाखा ने बताया कि जांचकर्ताओं ने केवल बरामदगी तक सीमित न रहकर पूरी कूरियर श्रृंखला, आरोपितों के डिजिटल उपकरणों, वित्तीय लेनदेन और तकनीकी सुरागों की पड़ताल की।

रातभर चली धरपकड़ में लंबे समय से फरार 38 वारंटी गिरफ्तार कर न्यायालय में किया गया पेश

अनूपपुर। मध्य प्रदेश के अनूपपुर जिले में फरार वारंटियों की धरपकड़ के लिए पुलिस द्वारा चलाए गए कॉम्बिंग गश्त अभियान में शनिवार-रविवार को कोतवाली अनूपपुर, कोतमा, भालूमाड़ा और बिजुरी पुलिस ने कार्रवाई करते हुए 38 वारंटियों को गिरफ्तार किया। इनमें स्थाई गिरफ्तारी वारंटी, गिरफ्तारी वारंटी और वसूली वारंटी शामिल हैं। कार्रवाई के बाद सभी आरोपियों को नियमानुसार न्यायालय में पेश किया गया।

कोतवाली अनूपपुर में 11 वारंटी गिरफ्तार- कोतवाली अनूपपुर पुलिस ने रात्रि कॉम्बिंग गश्त के दौरान लंबे समय से फरार चल रहे 11 वारंटियों को गिरफ्तार किया। इनमें स्थाई गिरफ्तारी वारंटी बिहारी लाल गुप्ता उम्र 54 वर्ष निवासी सोनमौहरी, चंद्रिका रौतेल उम्र 26 वर्ष निवासी बरबसपुर, राधेलाल यादव उम्र 36 वर्ष निवासी ताराडाड़, शिवदास राठौर उम्र 29 वर्ष निवासी सामतपुर, राज वंशकार उम्र 22 वर्ष एवं राहुल वंशकार उम्र 28 वर्ष निवासी पटौराटोला, संतोष कुमार पटेल उम्र 31 वर्ष निवासी बस्ती रोड, नीरज उर्फ बिन्दा यादव उम्र 18 वर्ष निवासी औढेरा, विक्रम सिंह उम्र 26 वर्ष निवासी बरबसपुर तथा आशीष उर्फ सोनू केवट उम्र 26 वर्ष निवासी बरबसपुर शामिल हैं। पुलिस के अनुसार इनके विरुद्ध मारपीट, आबकारी अधिनियम, चोरी, माल बरामदगी, धारा 188, 223 बीएनएस सहित विभिन्न धाराओं में प्रकरण दर्ज हैं।

कोतमा पुलिस ने 9 वारंटियों को पकड़ा- कोतमा पुलिस ने 22 अगस्त की रात कॉम्बिंग गश्त के दौरान 6 स्थाई वारंट और 3 गिरफ्तारी वारंट, कुल 9 वारंट तामील किए। स्थाई वारंटियों में चाका निवासी नहेतराम जायसवाल उम्र 56 वर्ष, लक्ष्मीकांत जायसवाल उम्र 24 वर्ष, दुल्हीबांध निवासी समयलाल चौधरी उम्र 43 वर्ष, सारंगगढ़ निवासी विकास कुमार केवट उम्र 33 वर्ष, बनियाटोला निवासी मो. समीर उम्र 18 वर्ष तथा लहसुई गांव निवासी मो. ऐयाज उर्फ ऐजाज उम्र 28 वर्ष शामिल हैं। वहीं गिरफ्तारी वारंट के तहत ठोड़हा कोतमा निवासी प्रीतम कोल, जमुड़ी रामनगर निवासी मूलसिंह कंवर तथा गेट दफाई भालूमाड़ा निवासी प्रकाश केवट को गिरफ्तार किया गया। सभी को न्यायालय के समक्ष पेश किया गया।

भालूमाड़ा पुलिस ने 10 वारंट किए तामील- भालूमाड़ा पुलिस ने 22 अगस्त की रात कॉम्बिंग गश्त के दौरान विभिन्न मामलों में जारी 6 स्थाई गिरफ्तारी वारंट, 3 गिरफ्तारी वारंट और 1 वसूली वारंट, कुल 10 वारंट तामील किए। स्थाई वारंटियों में रोहित केवट, महेंद्र उर्फ रवि केवट, विनीता मिश्रा, विपिन कुमार मिश्रा, नरेंद्र कोल और रतनलाल चौधरी शामिल हैं। गिरफ्तारी वारंट के तहत विजय कुमार साहू, भारत लाल केवट और सुधेश कोल को गिरफ्तार किया गया। वहीं धारा 125(3) के तहत जारी वसूली वारंट में भारत चौधरी को भी गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया गया।

बिजुरी पुलिस की कार्रवाई में 8 वारंटी गिरफ्तार- बिजुरी पुलिस ने कॉम्बिंग गश्त के दौरान 8 वारंटियों को गिरफ्तार किया। इनमें 4 स्थाई वारंटी और 4 वसूली वारंटी शामिल हैं। स्थाई वारंटियों में राजकुमार बंसल पिता बुधई बंसल उम्र 52 वर्ष निवासी लोहसरा, नानबाबु कोल पिता लेहरू कोल निवासी गल्लैयाटोला, हीरालाल चक्रधारी पिता स्व. श्यामलाल चक्रधारी निवासी भगता तथा करण केवट पिता वासुदेव केवट उम्र 31 वर्ष निवासी लोहसरा शामिल हैं। वहीं वसूली वारंटियों में गंगाराम महरा पिता जीवनराम महरा निवासी गल्लैयाटोला, रामेश्वर पिता स्व. मंगी रजक निवासी केविन दफाई बिजुरी, कमलेश साहू पिता जयकरण साहू उम्र 35 वर्ष निवासी तरसिली तथा मनोज साहू पिता गोपाल साहू उम्र 35 वर्ष निवासी तरसिली को गिरफ्तार किया गया।

'नर्मदा संवाद' जिला स्तरीय प्रशिक्षण सह कार्यशाला आयोजित

जबलपुर। मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद् जिला जबलपुर एवं नर्मदा समग्र के संयुक्त तत्वावधान में रविवार को परिषद् की संवाद योजनांतर्गत रेवा सेवा समागम 'नर्मदा संवाद'(वक्ता उन्मुखीकरण) जिला स्तरीय प्रशिक्षण सह कार्यशाला का आयोजन कार्यालय जिला पंचायत सभागार में किया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथि डॉ वीरेंद्र व्यास निदेशक प्रशासन म.प्र.जन अभियान परिषद् भोपाल, शिव नारायण पटैल प्रदेश सलाहकार जन अभियान परिषद्, मनोज जोशी क्षेत्र समन्वयक नर्मदा समग्र, घनश्याम रायपुरिया जिला समन्वयक जन अभियान परिषद् द्वारा माँ नर्मदा एवं भारत माता के तैल चित्र पर पूजन एवं दीप प्रज्ज्वलन के साथ किया गया। डॉ वीरेंद्र व्यास द्वारा नर्मदा नदी के सदा नीरव, अविरलता के लिए नर्मदा एवं सहायक नदियों का संरक्षण विषय पर मार्गदर्शन के साथ इस हेतु जिला में करणीय कार्य (कब,कैसे,कहां,कौन) विषय पर परिचर्चा करते हुए कार्ययोजना पर संवाद किया गया।

परिषद् के सलाहकार शिव नारायण पटैल द्वारा नदी स्वास्थ्य विषय पर प्रकाश डालते हुए नदियों के संवर्धन हेतु वृक्षारोपण एवं नदी तटीय क्षेत्र में जल व पर्यावरण संरक्षण संवर्धन हेतु किए जा रहे छोटे छोटे प्रयासों को बहुत महत्वपूर्ण बताया, मनोज जोशी क्षेत्र समन्वयक नर्मदा समग्र द्वारा नर्मदा पथ एवं नर्मदा परिक्रमा वासी,नर्मदा जल ग्रहण क्षेत्र में प्राकृतिक एवं जैविक कृषि विषय पर विस्तार से संवाद कर समस्त प्रतिभागियों से समूह वार चर्चा की गई। साथ ही सहायक एवं मुख्य नदियों में नालों को नहीं मिलने देना नदी स्वास्थ्य के लिए अति आवश्यक कार्य बताया।

अमरकंटक में औसत से ज्यादा बारिश, बायपास में गायत्री सरोवर का पानी 3 फीट सड़क पर

अनूपपुर। मध्य प्रदेश के अनूपपुर जिले की नर्मदा नगरी अमरकंटक में लगातार बारिश से अपने औसत से ज्यादा बारिश हो गई हैं। गायत्री सरोवर का पानी बायपास सड़क पर करीब 3 फीट तक उपर है। माई की बगिया से गणेश धूना, होलीडे होम और जैन मंदिर जाने वाले रास्ते जलमग्न है। पानी भरने से इन रास्तों पर वाहनों की आवाजाही बंद हो गई है। वहींनगर पषिद ने अब तक कोई चेतावनी संकेत-बैरिकेडिंग नहीं लगाए हैं जिससे हादसे का खतरा बना हुआ हैं।

अमरकंटक निवासी धंनजय तिवारी ने बताया कि बायपास सड़क अमरकंटक का महत्वपूर्ण वैकल्पिक मार्ग है। इसका उपयोग नर्मदा परिक्रमा करने वाले श्रद्धालु और स्थानीय लोग करते हैं। फिलहाल सड़क पर पानी भरा होने से रास्ता दिखाई नहीं दे रहा है। मौके पर चेतावनी संकेत और बैरिकेडिंग नहीं होने से अनजान वाहन चालकों और राहगीरों के लिए परेशानी हो सकती है। लगातार बारिश से अमरकंटक के कई जलस्त्रोत भर चुके हैं। इनमें पुष्कर बांध, गायत्री सरोवर, सावित्री सरोवर, माधव सरोवर, लक्ष्मी सरोवर और विवेकानंद सरोवर शामिल हैं। इसके अलावा आरंडी संगम सरोवर और बराती नाला पर बना बांध भी भर चुका है। नर्मदा मंदिर के पास इंद्र दमन तालाब, मार्कंडेय आश्रम और बटे कृष्णा आश्रम के तालाब में भी पानी लबालब है। अधीक्षक भू-अभिलेख विभाग, अनूपपुर की जानकारी के अनुसार बीते 24 घंटे में अमरकंटक में 40 मिली मीटर वर्षा हुई हैं। अब तक 1317.1 मिमी बारिश दर्ज की गई है। जिले की सामान्य औसत वर्षा 1306.5 मिमी है। इस तरह अमरकंटक में सामान्य औसत से 10.6 मिमी ज्यादा बारिश हो चुकी है। बारिश के कारण जंगल, पहाड़ और नदी-नालों में भी पानी बढ़ गया है। मुख्य नगर पालिका अधिकारी अमरकंटक चैन सिंह परस्ते ने बताया कि लगातार बारिश के कारण बायपास मार्ग पर जलभराव हुआ है। सुरक्षा के लिए कर्मचारियों को तैनात कराया जा रहा है। उन्होंने बताया कि मार्ग पर सुरक्षा संकेतक लगाए जाएंगे, ताकि नर्मदा परिक्रमा करने वाले श्रद्धालुओं और अन्य लोगों को परेशानी न हो।

लगातार बारिश से दो मकान ढहे, परिवार सुरक्षित, मदद की गुहार

अनूपपुर। मध्य प्रदेश के अनूपपुर जिले में लगातार हो रही बारिश से जनजीवन प्रभावित हैं। अनूपपुर और जैतहरी जनपद पंचायत क्षेत्र की दो अलग-अलग ग्राम पंचायतों में रविवार को बारिश से दो मकान ढह गये हैं। धुरवासिन में एक किसान का मकान विशाल आम के पेड़ गिरने से ढह गया, जबकि देखल गांव में एक कच्चा मकान ध्वस्त हो गया। राहत की बात यह रही कि दोनों हादसों में कोई जनहानि नहीं हुई, लेकिन पीड़ित परिवार बेघर हो गए हैं और उन्होंने प्रशासन से मदद की गुहार लगाई है। अनूपपुर जनपद पंचायत के ग्राम पंचायत धुरवासिन के वार्ड क्रमांक 14 में शनिवार-रविवार की रात लगातार बारिश से जमीन नरम होने के कारण एक विशालकाय आम का पेड़ जड़ से उखड़ गया और किसान तिलकधारी प्रजापति के घर पर जा गिरा। पेड़ गिरते ही मकान पूरी तरह धराशायी हो गया। घटना के समय तिलकधारी प्रजापति घर के भीतर था, लेकिन वह सुरक्षित बाहर निकल आए। हादसे के बाद पीड़ित परिवार गहरे सदमे में है। उनका आशियाना पूरी तरह तबाह हो जाने के कारण रहने का संकट खड़ा हो गया है।

संत रविदास जी ने समरसता और भाईचारे के संदेश से समाज को नई दिशा दी: कुशवाह

ग्वालियर में संत शिरोमणि रविदास की 650वीं जयंती के उपलक्ष्य में निकली सामाजिक समरसता व कलश वंदन यात्रा

ग्वालियर। मध्य प्रदेश के सामाजिक न्याय एवं उद्यानिकी मंत्री नारायण सिंह कुशवाह ने कहा कि संत शिरोमणि रविदास जी ने समानता, समरसता और भाईचारे का संदेश देकर समाज को नई दिशा दी। उनकी शिक्षाएं आज भी सामाजिक भेदभाव को समाप्त कर समरस एवं सद्भावपूर्ण समाज के निर्माण की प्रेरणा देती हैं।

मंत्री कुशवाह रविवार को ग्वालियर में आयोजित सामाजिक समरसता एवं कलश वंदन यात्रा के कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। संत रविदास की 650वीं जन्म जयंती के उपलक्ष्य में निकाली गई इस यात्रा में विशेष रूप से शामिल हुए मंत्री कुशवाह ने संत रविदास जी के आदर्शों को आत्मसात करने का आान किया। सामाजिक समरसता एवं कलश वंदन यात्रा हनुमान चौराहे से प्रारंभ होकर 52 पायगा, सूबे की गोठ, पारदी मोहल्ला, रामबाग कॉलोनी, गेंडेवाली सड़क एवं शिंदे की छावनी होते हुए छप्परवाला पुल पहुंची। यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं एवं नागरिकों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। यात्रा का समापन छप्परवाला पुल के समीप स्थित संत रविदास जी की बगिया में हुआ। यहां संत रविदास जी की आरती की गई। यात्रा के समापन अवसर पर उपस्थित श्रद्धालुओं ने संत शिरोमणि रविदास जी के आदर्शों को आत्मसात करने तथा सामाजिक समरसता, समानता और भाईचारे की भावना को मजबूत बनाने का संकल्प लिया।

मंत्री नारायण सिंह कुशवाह ने कहा कि संत शिरोमणि रविदास जी ने अपने जीवन और विचारों के माध्यम से मानव मात्र की समानता तथा सम्मान का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि संत रविदास जी के विचार सामाजिक एकता और समरसता की मजबूत नींव हैं। उनका जीवन हमें समाज के प्रत्येक वर्ग के सम्मान और आपसी भाईचारे के साथ आगे बढ़ने की प्रेरणा देता है। रविवार को शहर में निकली इस सामाजिक समरसता एवं कलश वंदन यात्रा में पूर्व सांसद विवेक नारायण शेजवलकर, भाजपा जिला अध्यक्ष जयप्रकाश राजौरिया तथा अभय चौधरी, राजू पलैया, ओमप्रकाश धनोल, विनय जैन एवं केशव मांझी सहित अन्य जनप्रतिनिधिगण भी शामिल हुए।

खेलते-खेलते कुएं में गिरने से बालक की मौत

अनूपपुर। मध्य प्रदेश के अनूपपुर जिले के कोतवाली थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम कांसा में रविवार दोपहर एक दर्दनाक हादसे में दो वर्षीय अबोध बालक की कुएं में डूबने से मौत हो गई। बालक घर के पास खेलते-खेलते खेत में बने कुएं के समीप पहुंच गया और अचानक उसमें गिर गया।

जानकारी के अनुसार, जिला मुख्यालय अनूपपुर से करीब 8 किलोमीटर दूर ग्राम पंचायत कांसा के वार्ड क्रमांक 13 टिकरीटोला निवासी चोखेलाल सिंह का दो वर्षीय पुत्र वीर सिंह अपनी चार वर्षीय बहन सुनैना सिंह और दादी फूलबाई सिंह के साथ घर के पास खेल रहा था। इसी दौरान वह नंदलाल पिता रामस्वरूप यादव के खेत में बने कुएं के पास पहुंच गया और अचानक कुएं में गिर गया।

बालक के कुएं में गिरने की जानकारी मिलते ही मौके पर अफरा-तफरी मच गई। हो-हल्ला सुनकर आसपास के ग्रामीण मौके पर पहुंचे। संतोष, विकास, शंभू सहित अन्य ग्रामीण कुएं में उतरे और बाहर से भी बालक की तलाश शुरू की। काफी खोजबीन के बाद वीर सिंह पानी के अंदर मिला। उसे बाहर निकाला गया, लेकिन तब तक उसकी मौत हो चुकी थी। घटना की सूचना ग्रामीणों द्वारा कोतवाली थाना अनूपपुर के थाना प्रभारी को दी गई। पुलिस ने मामले की जानकारी लेकर आवश्यक कार्रवाई शुरू कर दी है।

इटली, स्पेन व इंग्लैंड के तीन जोड़ों ने हिंदू वैदिक परम्परा से किया विवाह

उज्जैन। विभिन्न देशों से भारत आने वाले विदेशी न केवल भारतीय जीवन पद्धति और संस्कारों से प्रभावित होते हैं, बल्कि अब तो वे इन्हें अपना भी रहे हैं। इसका ताजा प्रमाण मध्य प्रदेश के उज्जैन में देखने को मिला। यहां शनिवार की रात इटली, स्पेन और इंग्लैंड से आए तीन विदेशी जोड़ों ने हिंदू वैदिक परंपरा के अनुसार विवाह किया।

उज्जैन के निनोरा स्थित आनंदमय वेलनेस रिट्रीट में डॉ. ओमानंद गुरुजी के सान्निध्य में शनिवार शाम 6 बजे वैदिक परम्परा के अनुसार विवाह की रश्में प्रारंभ हुईं, जो देर रात चलीं। तीनों विदेशी जोड़ों ने वैदिक मंत्रोच्चार के बीच अग्नि को साक्षी मानकर सात फेरे लिए और जीवनभर साथ निभाने का संकल्प लिया। खास बात यह रही कि तीनों जोड़े डॉ. ओमानंद गुरुजी के शिष्य हैं। योग, ध्यान और भारतीय आध्यात्मिक परंपरा से प्रभावित इन विदेशी साधकों ने सनातन परंपरा को अपने जीवन में अपनाया है। उन्होंने भारतीय आध्यात्मिक नाम भी रखे हैं। डॉ. ओमानंद गुरुजी ने बताया कि समारोह में इटली की ईवा ने मां दर्पण आनंद और उनके साथी मास्सिमिलियानो ने बलराम आनंद नाम से विवाह संस्कार पूरा किया। इटली से आए दूसरे जोड़े जेसिका और लुका ने भी

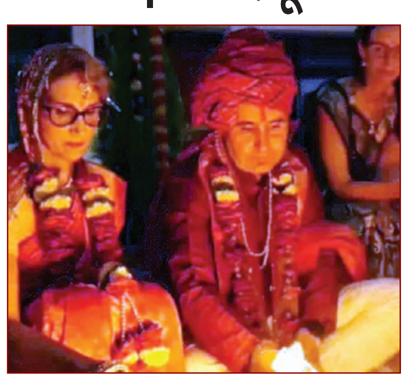

भारतीय रीति-रिवाजों के अनुसार सात फेरे लिए। जेसिका मां सीता आनंद, जबकि लुका राम आनंद नाम से आध्यात्मिक पहचान रखते हैं। वहीं स्पेन की इन्मा ने मां शांति आनंद और इंग्लैंड के मार्क ने प्रकाशानंद नाम के साथ वैदिक परंपरा के अनुसार विवाह किया।

गुरुजी के अनुसार, विदेशी साधकों के लिए भारतीय विवाह सिर्फ सामाजिक या कानूनी समझौता नहीं है। भारतीय परंपरा में विवाह को दो परिवारों और दो आत्माओं के बीच जीवनभर का संबंध माना जाता है। सात फेरों के दौरान लिए जाने वाले संकल्प, परिवार को महत्व देने और रिश्तों को जीवनभर निभाने की भारतीय सोच इन विदेशी साधकों को प्रभावित करती है। यही वजह है कि योग और अध्यात्म के लिए भारत आने वाले कई विदेशी अब भारतीय संस्कारों को भी अपने जीवन का हिस्सा बना रहे हैं।

गौरतलब है कि विश्व प्रसिद्ध ज्योतिर्लिंग भगवान महाकालेश्वर की नगरी उज्जैन लंबे समय से देश-विदेश के आध्यात्मिक साधकों के आकर्षण का केंद्र रही है। मंदिरों, योग, ध्यान और सनातन परंपराओं से जुड़े वातावरण के कारण विदेशी साधक यहां आते हैं। इसी आध्यात्मिक माहौल के बीच इन तीनों जोड़ों ने अपने देशों के बजाय उज्जैन में वैदिक विवाह करने का निर्णय लिया। उनके लिए यह सिर्फ विवाह समारोह नहीं, बल्कि भारतीय आध्यात्मिक परंपरा से जुड़ने का अनुभव भी रहा। उज्जैन में विदेशी नागरिकों द्वारा हिंदू रीति-रिवाज से विवाह करने का यह पहला मामला नहीं है। इससे पहले दिसंबर 2024 में भी इटली, अमेरिका और पेरू से आए तीन विदेशी जोड़ों ने निनोरा स्थित परमानंद योग आश्रम में वैदिक मंत्रोच्चार के बीच सात फेरे लिए थे। यह दूसरी बार है, जब उज्जैन के इस आश्रम में तीन विदेशी जोड़ों के भारतीय परंपरा के अनुसार विवाह किया है।

हाईकोर्ट में 'उल्लास-एक अभिनव प्रयोग' के अंतर्गत पर्यावरण संरक्षण विषय पर निबंध प्रतियोगिता संपन्न

इंदौर। मध्य प्रदेश के इंदौर में कार्यवाहक मुख्य न्यायाधिपति न्यायमूर्ति विवेक रुसिया के निदेर्शानुसार तथा न्यायमूर्ति आनंद पाठक द्वारा तैयार किए गए एडवाइजरी फ्रेमवर्क के अनुक्रम में प्रशासनिक न्यायाधिपति न्यायमूर्ति सुबोध अभ्यंकर के मार्गदर्शन में रविवार को ह्लउल्लास – एक अभिनव प्रयोगह्व कार्यक्रम के अंतर्गत उच्च न्यायालय खंडपीठ, इंदौर में ह्लपर्यावरण संरक्षणह्व विषय पर निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

प्रतियोगिता का उद्देश्य प्रतिभागियों में पर्यावरण के प्रति जागरूकता, संवेदनशीलता एवं उत्तरदायित्व की भावना विकसित करना तथा उनकी रचनात्मक प्रतिभा एवं लेखन कौशल को प्रोत्साहित करना था। प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता करते हुए पर्यावरण संरक्षण के विभिन्न पहलुओं, स्वच्छ एवं हरित वातावरण, प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण तथा भावी पीढ़ियों के लिए सुरक्षित पर्यावरण के संबंध में अपने विचार प्रस्तुत किए।

प्रतियोगिता का आयोजन 1 से 8 वर्ष, 9 से 14 वर्ष तथा 15 से 18 वर्ष के आयु वर्ग में विभक्त कर किया गया। आयु वर्ग 1 से 8 वर्ष में ममतेश पाल ने प्रथम, रियांशी यादव ने द्वितीय तथा तेजस्विनी त्रिपाठी ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। आयु वर्ग 9 से 14 वर्ष में रितिका निपाने ने प्रथम, आराध्या पाण्डेय ने द्वितीय तथा नेत्री शुक्ला ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। इसी प्रकार आयु वर्ग 15 से 18 वर्ष में नंदनी कुशवाह ने प्रथम, अक्षिता मिश्रा ने द्वितीय तथा कृष्णा ठाकुर ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। विजयी प्रतिभागियों को प्रिंसिपल रजिस्ट्रार अनूप त्रिपाठी एवं ओएसडी नीरज मालवीय द्वारा ट्रॉफी एवं प्रमाणपत्र प्रदान कर पुरस्कृत किया गया।

पुत्रदा एकादशी पर भस्म आरती में राजा स्वरूप में सजे भगवान महाकाल

उज्जैन। मध्य प्रदेश के उज्जैन में विश्व प्रसिद्ध ज्योतिर्लिंग भगवान श्री महाकालेश्वर का रविवार सुबह श्रावण शुक्ल पक्ष की पुत्रदा एकादशी तिथि पर भस्म आरती के दौरान मस्तक पर भांग, चंदन और त्रिपुंड अर्पित कर ड्रायफ्रूट, आभूषण और सुगंधित फूलों से राजा स्वरूप में आकर्षक श्रृंगार किया गया। बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने बाबा महाकाल के दिव्य दर्शनों का लाभ लिया। इस दौरान जय श्री महाकाल के उद्घोष से मंदिर परिसर गूंज उठा।

महाकालेश्वर मंदिर के पुजारी पंडित महेश शर्मा ने बताया कि श्रावण शुक्ल पक्ष की एकादशी तिथि पर रविवार तड़के 3 बजे भस्म आरती के लिए मंदिर के पट खोले गए। पट खुलते ही पंडे-पुजारियों ने गर्भगृह में स्थापित भगवान की प्रतिमाओं का पूजन किया। इसके बाद भगवान महाकाल का जलाभिषेक कर दूध, दही, घी, शक्कर और फलों के रस से बने पंचामृत से अभिषेक किया गया।

प्रथम घंटाल बजाकर बाबा को हरिओम का जल अर्पित किया गया।

कपूर आरती के बाद भगवान महाकाल के मस्तक पर भांग, चंदन और त्रिपुंड अर्पित कर विशेष श्रृंगार किया गया। श्रृंगार पूरा होने के बाद ज्योतिर्लिंग को वस्त्र से ढंककर भस्मी रमाई गई। महानिर्वाणी अखाड़े की ओर से भगवान महाकाल को भस्म अर्पित की गई। इसके बाद बाबा महाकाल का भांग, ड्रायफ्रूट, चंदन, आभूषण और सुगंधित फूलों से राजा स्वरूप में श्रृंगार किया गया। इसके बाद बाबा महाकाल को शेषनाग का रजत मुकुट, रजत मुंडमाल, रुद्राक्ष की माला और सुगंधित पुष्पों की माला अर्पित की गई। बाबा को मोगरे और गुलाब के फूल भी धारण कराए गए। इसके बाद फल और मिष्ठान का भोग लगाया गया। भस्म आरती में बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए और बाबा महाकाल के दर्शन कर आशीर्वाद लिया। मान्यता है कि भस्म अर्पित करने के बाद भगवान महाकाल निराकार से साकार स्वरूप में दर्शन देते हैं।

श्रावण महीने के शुक्ल पक्ष की एकादशी को श्रावण पुत्रदा एकादशी मनाई जाती है। धार्मिक मान्यता के अनुसार, यह एकादशी भगवान विष्णु को समर्पित मानी जाती है। इस दिन भगवान विष्णु के साथ भगवान शिव की पूजा का भी विशेष महत्व माना जाता है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, इस पवित्र तिथि पर सच्ची श्रद्धा और नियमपूर्वक व्रत-पूजन करने से भगवान श्रीहरि विष्णु की कृपा प्राप्त होती है। पुत्रदा एकादशी का व्रत संतान सुख, संतान की खुशहाली और परिवार की समृद्धि की कामना से रखा जाता है।

जालेश्वर महादेव के दर्शन से पूरी होती है हर मनोकामना

अनूपपुर। मध्य प्रदेश के अनूपपुर जिले की पवित्र नगरी अमरकंटक की सुरम्य पर्वत श्रृंखलाओं के बीच स्थित जलेश्वर महादेव धाम आस्था, अध्यात्म और पौराणिक मान्यताओं का अद्भुत संगम है। अमरकंटक से लगभग सात किलोमीटर की दूरी पर स्थित यह प्राचीन तीर्थस्थल भगवान शिव की आराधना का प्रमुख केंद्र माना जाता है। विशेषकर श्रावण मास में यहां श्रद्धालुओं की आस्था उमड़ पड़ती है। मान्यता है कि सच्चे मन से जलेश्वर महादेव के दर्शन और पूजन करने तथा मां नर्मदा के पवित्र जल से अभिषेक करने से भक्तों की मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं।

पंडित संदीप ज्योतिषी के अनुसार, जलेश्वर महादेव की महिमा का उल्लेख प्राचीन धार्मिक ग्रंथों और पुराणों में मिलता है। अमरकंटक क्षेत्र को आदिकाल से ही देवभूमि और ऋषि-मुनियों की तपस्थली के रूप में प्रतिष्ठा प्राप्त है। यही कारण है कि यहां के प्रत्येक पर्वत, सरोवर और जलधारा के साथ कोई न कोई धार्मिक एवं आध्यात्मिक कथा जुड़ी हुई है।

त्रिपुरासुर के संहार से जुड़ी है जलेश्वर धाम की कथा- पौराणिक मान्यता के अनुसार, तारकासुर के तीन पुत्रों ने भगवान ब्रह्मा की कठोर तपस्या कर त्रिपुर नामक तीन पुरियों की रचना कराई थी। तीनों के अत्याचारों से देवता और ऋषि-मुनि अत्यंत पीड़ित हुए और उन्होंने भगवान शिव से रक्षा की प्रार्थना की। देवताओं

की प्रार्थना पर भगवान शिव ने त्रिपुरासुर का संहार किया। मान्यता है कि उस समय तीनों पुरियां जलकर भस्म हो गईं। इसी दिव्य घटना से अमरकंटक क्षेत्र में जलेश्वर महादेव की महिमा जुड़ी हुई मानी जाती है। धार्मिक परंपरा में यह भी कहा जाता है–तत्र जलेश्वर नाम पर्वते अमरकंटके, अर्थात अमरकंटक के पर्वत पर जलेश्वर नामक पवित्र तीर्थ का प्राकट्य हुआ।

जोहिला नदी के उद्गम से भी जुड़ा है यह पवित्र क्षेत्र- अमरकंटक को तीन पवित्र नदिया नर्मदा, सोन और जोहिला की उद्गमभूमि होने का गौरव प्राप्त है। जलेश्वर महादेव मंदिर के निकट ही जोहिला नदी का उद्गम स्थल माना जाता है। पंडित संदीप ज्योतिषी बताते हैं कि पौराणिक कथा के अनुसार त्रिपुरासुर के संहार के पश्चात एक प्रचंड ज्वाला धरती पर आ गिरी। उसकी भयावहता से देवताओं को लगा कि कहीं सृष्टि का विनाश न हो जाए। उन्होंने भगवान शिव से उस ज्वाला को शांत करने की प्रार्थना की। तब भगवान शिव ने उस ज्वाला को जलधारा में परिवर्तित कर दिया, जो आगे चलकर जोहिला नदी के रूप में प्रवाहित हुई। इसी कारण इस नदी को भगवान शिव की कृपा से उत्पन्न पवित्र जलधारा के रूप में श्रद्धा से देखा जाता है।

नर्मदा जल से अभिषेक का विशेष महत्व- जलेश्वर महादेव की आराधना में मां नर्मदा के जल का विशेष महत्व माना गया है। श्रद्धालु नर्मदा उद्गम कुंड से पवित्र जल लेकर जलेश्वर महादेव को अर्पित करते हैं। धार्मिक मान्यता है कि नर्मदा जल से भगवान शिव का अभिषेक करने से भक्त को विशेष पुण्य की प्राप्ति होती है। पंडित संदीप ज्योतिषी के अनुसार, मां नर्मदा कुंड का जल लाकर जलेश्वर महादेव को अर्पित करने की परंपरा अत्यंत श्रद्धापूर्ण मानी जाती है। भक्त अपनी मनोकामनाएं लेकर यहां आते हैं और भगवान शिव से सुख, शांति एवं समृद्धि का आशीर्वाद मांगते हैं। श्रावण मास में तो इस आस्था का स्वरूप और भी विराट हो जाता है। दूर-दूर से श्रद्धालु नर्मदा जल लेकर जलेश्वर महादेव के दर्शन करने पहुंचते हैं और शिवलिंग पर जल, दूध एवं अन्य पूजन सामग्री अर्पित कर भगवान भोलेनाथ का अभिषेक करते हैं।

बाणलिंग और महा रुद्र मेरु की धार्मिक मान्यता- जलेश्वर महादेव में प्रतिष्ठित शिवलिंग को लेकर भी अनेक धार्मिक मान्यताएं प्रचलित हैं। कहा जाता है कि यहां स्थापित बाणलिंग अत्यंत प्राचीन और दिव्य है। स्कंद पुराण सहित विभिन्न धार्मिक परंपराओं में अमरकंटक क्षेत्र की महिमा का वर्णन मिलता है। श्रद्धालुओं का विश्वास है कि जलेश्वर महादेव पर श्रद्धापूर्वक जल एवं दुग्ध अर्पित करने से जीवन के कष्ट दूर होते हैं तथा भगवान शिव की कृपा प्राप्त होती है। पुराणों में इस पवित्र क्षेत्र को महा रुद्र मेरु के रूप में भी संबोधित किए जाने की धार्मिक मान्यता है।

श्रावण के अंतिम सोमवार पर उमड़ती है आस्था- श्रावण मास भगवान शिव की आराधना के लिए विशेष माना जाता है। मास के अंतिम सोमवार को जलेश्वर महादेव धाम में श्रद्धालुओं की आस्था चरम पर पहुंच जाती है। भक्त प्रातःकाल से ही भगवान शिव के दर्शन, जलाभिषेक और पूजन के लिए पहुंचते हैं। मंदिर परिसर और आसपास का क्षेत्र हर-हर महादेव और नर्मदे हर के जयघोष से गुंजायमान हो उठता है।

जलेश्वर धाम केवल एक मंदिर नहीं, बल्कि अमरकंटक की आध्यात्मिक चेतना का महत्वपूर्ण केंद्र है। यहां प्रकृति, नदी, पर्वत और शिव आराधना एक-दूसरे में ऐसे समाहित दिखाई देते हैं, मानो स्वयं प्रकृति भगवान शिव की आराधना कर रही हो। श्रावण के अंतिम सोमवार के इस पावन अवसर पर जलेश्वर महादेव के चरणों में पहुंचने वाला प्रत्येक श्रद्धालु अपने मन की कामना लेकर आता है और विश्वास के साथ लौटता है कि भोलेनाथ उसकी प्रार्थना अवश्य स्वीकार करेंगे।

फर्जी आयएएस महिला और भाई गिरफ्तार नौकरी के नाम ऐंठे 9.80 लाख!

अशोकनगर। मध्य प्रदेश के अशोकनगर जिले में ऊंची पहुंच, बड़े-बड़े दावे और फर्जी अफसरशाह का रुतबा दिखा कर बेरोजगार युवाओं से लाखों रुपये ऐंठने वाले एक हाई-प्रोफाइल गिरोह का पुलिस ने रविवार को भंडाफोड़ किया है। खुद को टूरिज्म विभाग की एडिशनल डायरेक्टर और एचआरडी मिनिस्ट्री की हेड बताने वाली फर्जी आयएएस महिला अफसर और उसके सगे भाई को पुलिस ने सलाखों के पीछे पहुंचा दिया है। चंदेरी के किला कोठी में बिछाया था ठगी का जालःमामला अप्रैल 2025 का है, जब भोपाल के संत आशाराम नगर निवासी शातिर बहन तृप्ति सिंह राजपूत (30) और उसका भाई सुधांशु सिंह (23) अपने अन्य साथियों (तनुज बैश्य व अंजली सिंह) के साथ चंदेरी घूमने आए थे। शाही होटल किला कोठी में ठहरे इन जालसाजों ने स्थानीय युवाओं–जयकुमार कोली, विजय कुमार दुबे, ऋतिक शर्मा और राघव सोनी को झांसे में लिया। तृप्ति सिंह ने भारी-भरकम रसूख दिखाकर दावा किया कि वह मानव संसाधन विकास मंत्रालय में मनचाही सरकारी नौकरी लगवा सकती है। बताया गया कि 3 लाख रुपये प्रति व्यक्ति की दर से सौदा तय हुआ और पीड़ित युवाओं ने झांसे में आकर 9 लाख 80 हजार रुपये नगद और अपने मूल दस्तावेज होटल में ही सौंप दिए। बकाया बाकी 2 लाख रुपये नौकरी का जॉइनिंग लेटर मिलने के बाद देना तय हुआ था। जब पैसे लेने के बाद भी नौकरी का अतापता नहीं चला, तो पीड़ितों को ठगी का अहसास हुआ और उन्होंने पुलिस अधीक्षक राजीव कुमार मिश्रा से शिकायत की। मामले की संवेदनशीलता को देखते हुए एसपी के निर्देश पर विशेष टीम बनाई गई।

साइबर सेल और मुखबिर की सटीक लोकेशन पर पुलिस टीम ने किला कोठी में दबिश देकर फर्जी आएएएस तृप्ति सिंह और उसके भाई सुधांशु को महिला पुलिस की मौजूदगी में कस्टडी में ले लिया। कड़ी पूछताछ में दोनों भाई-बहन ने फर्जी अफसर बनकर 9.80 लाख रुपये ऐंठने का जुर्म कबूल कर लिया है। बीएनएस की संगीन धाराओं में केस दर्जथाना चंदेरी में आरोपियों के खिलाफ क्व्रहस्- की धारा 318(4), 336(3), 338 एवं 340(2) के तहत गंभीर अपराध दर्ज किए गए हैं।

पुलिस ने गिरफ्तार आरोपियों को न्यायालय में पेश कर जेल भेजने की तैयारी कर ली है, जबकि गिरोह के दो अन्य फरार सदस्य तनुज बैश्य और अंजली सिंह की तलाश में पुलिस की टीमें दबिश दे रही हैं।

मप्र के सांची उप डाकघर का आज केन्द्रीय मंत्री शिवराज और सिंधिया करेंगे वर्चुअली लोकार्पण

रायसेन। मप्र के सांची उप डाकघर का केन्द्रीय मंत्री शिवराज और सिंधिया सोमवार को वर्चुअली लोकार्पण करेंगे।भारत सरकार की डाकघर आधुनिकीकरण की महत्वकांक्षी पहल के अंतर्गत स्कूल ऑफ प्लॉनिंग एण्ड आर्किटेक्चर नई दिल्ली के डिजाइन संबंधी दिशा-निर्देशों के अनुरूप मध्य प्रदेश के सांची उपडाकघर के कायाकल्प एवं लुक एण्ड फील इम्प्रूवमेंट का कार्य पूर्ण कर लिया गया है। सांची की ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक पहचान को ध्यान में रखते हुए डाकघर भवन को आधुनिक, आकर्षक एवं नागरिक केन्द्रित स्वरूप प्रदान किया गया है।

जनसम्पर्क अधिकारी अनुभा सिंह ने रविवार को बताया कि सोमवार, 24 अगस्त को केन्द्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान, केन्द्रीय संचार एवं पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया, केन्द्रीय संचार राज्यमंत्री चन्द्र शेखर और डाक विभाग के सचिव सुब्रत दास द्वारा शाम लगभग 05 बजे वर्चुअल माध्यम से इस अत्याधुनिक उप डाकघर का लोकार्पण किया जाएगा। स्थानीय स्तर पर सांची में आयोजित कार्यक्रम में सांची विधायक डॉ प्रभुराम चौधरी, नगर परिषद अध्यक्ष पप्पू रेवाराम अहिरवार, डाक विभाग के वरिष्ठ अधिकारी आरएस रघुवंशी निदेशक डाक भोपाल सहित डाक विभाग के वरिष्ठ अधिकारी, जनप्रतिनिधि और नागरिक शामिल होंगे।बताया गया है कि एसपीए के डिजाइन संबंधी दिशा-निर्देशों के अनुरूप डाकघर भवन के बाहरी एवं आंतरिक स्वरूप को आधुनिक एवं आकर्षक बनाया गया है। इसमें नागरिकों की सुविधा, सुगम आवागमन, बेहतर कार्यप्रवाह तथा आधुनिक सेवा अनुभव को विशेष प्राथमिकता दी गई है। सांची उपडाकघर का आधुनिकीकरण केवल भवन के सौंदर्यीकरण तक सीमित नहीं है, बल्कि डाकघरों को आधुनिक एवं नागरिक केन्द्रित जनसेवा केन्द्र के रूप में विकसित किया गया है।आधुनिक सुविधाओं एवं बेहतर सेवा वातावरण के माध्यम से नागरिकों को स्पीड पोस्ट, डाक बचत बैंक, डाक जीवन बीमा, आधार, पार्सल तथा अन्य डाक एवं वित्तीय सेवाएं अधिक सुविधाजनक ढंग से उपलब्ध कराने का प्रयास किया गया है। विश्व की ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक पहचान के साथ आधुनिक डाक सेवाओं का यह समन्वय डाक विभाग की विरासत, आधुनिकता एवं जनसेवा के प्रति प्रतिबद्धता को प्रदर्शित करता है।

भोपाल के बड़े तालाब से जलकुंभी हटाने में लापरवाही, मशीनों के इस्तेमाल से पक्षियों के घोंसले, कछुए-मछलियों पर संकट

भोपाल । बड़ा तालाब में जलीय जीवन को बचाने के लिए राष्ट्रीय हरित अधिकरण (एनजीटी) ने कीटनाशक के इस्तेमाल पर चिंता जताई है, लेकिन अब उसी तालाब में जलकुंभी हटाने के लिए नगर निगम की तेज कार्रवाई पर सवाल खड़े हो रहे हैं। एनजीटी में कार्रवाई रिपोर्ट (एटीआर) पेश करने से पहले निगम ने जलकुंभी हटाने का अभियान तेज कर दिया है। भारी मशीनों से की जा रही सफाई के दौरान मछली, कछुए, मेंढक और पक्षियों के घोंसलों को नुकसान पहुंचने की आशंका जताई जा रही है। एनजीटी ने बड़े तालाब में करीब 60 हेक्टेयर क्षेत्र में सिंघाड़े की खेती पर कीटनाशक के छिड़काव को लेकर स्वतः संज्ञान लिया था। अधिकरण ने तालाब में जलकुंभी के तेजी से फैलने, घुलित ऑक्सीजन (डीओ) के स्तर में कमी और मछलियों की मौत को लेकर भी चिंता जताई थी। जांच के लिए तीन सदस्यीय समिति गठित कर छह सप्ताह में तथ्यात्मक रिपोर्ट और कार्रवाई रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। एनजीटी की सुनवाई के बाद नगर निगम के झील संरक्षण प्रकोष्ठ ने बड़े तालाब में जलकुंभी हटाने का अभियान तेज कर दिया।

वीआईपी रोड पर सोलर पैनल के नीचे करीब 100 मीटर हिस्से से बड़ी मात्रा में जलकुंभी हटाई गई। वहीं, राजा भोज सेतु के नीचे भी जलकुंभी हटाने का काम जारी है। जलकुंभी की मोटी परत कई जलीय और पक्षी प्रजातियों के लिए आवास बन गई है।

कुछ हिस्सों में पक्षियों ने घोंसले बनाए हैं, जिनमें अंडे और बच्चे भी बताए जा रहे हैं। मशीनों से जलकुंभी हटाने के दौरान इन हिस्सों के भी उठ जाने से घोंसलों और पक्षियों के बच्चों को नुकसान का खतरा है। वहीं, मशीनों में मछली, कछुए और मेंढक फंसने की आशंका भी जताई जा रही है।

मुख्यमंत्री आज वन विभाग के पदोन्नत शासकीय सेवक करेंगे आभार व्यक्त

भोपाल। मध्य प्रदेश वन विभाग में शासकीय सेवकों की पदोन्नति के लिये मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के प्रति आभार प्रदर्शन समारोह सोमवार, 24 अगस्त को आयोजित किया जाएगा। समारोह में वन एवं पर्यावरण राज्यमंत्री दिलीप अहिरवार विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे। आयोजन सुबह 11 बजे भारतीय वन प्रबंधन संस्थान (आईआईएफएम), नेहरू नगर, भोपाल में किया जाएगा। जनसंपर्क अधिकारी के.के. जोशी ने रविवार को बताया कि पदोन्नति प्राप्त शासकीय सेवक इस समारोह में वर्षों से लंबित पदोन्नतियों की प्रक्रिया को पूरा किये जाने के लिये मुख्यमंत्री डॉ. यादव का आभार व्यक्त करेंगे। कार्यक्रम में वन विभाग के वरिष्ठ अधिकारी एवं पदोन्नत शासकीय सेवक उपस्थित रहेंगे। समारोह में वन विभाग में मानव संसाधन को और अधिक सशक्त बनाने तथा शासकीय सेवकों को नई जिम्मेदारियों के साथ बेहतर कार्य निष्पादन के लिए प्रोत्साहित किया जायेगा।

शासकीय नर्सिंग कॉलेजों की मान्यता और फैकल्टी व्यवस्था पर एनएसयूआई ने उठाए सवाल

भोपाल। मध्य प्रदेश के शासकीय नर्सिंग कॉलेजों में प्राचार्य, उप प्राचार्य और आवश्यक शैक्षणिक स्टाफ की उपलब्धता को लेकर एनएसयूआई ने सवाल उठाए हैं। संगठन ने सत्र 2026-27 की मान्यता प्रक्रिया में कथित अनियमितताओं, अनुभव प्रमाण-पत्रों की सत्यता और फैकल्टी की कमी की उच्चस्तरीय जांच की मांग की है। एनएसयूआई की ओर से इस संबंध में हाईकोर्ट में याचिका दायर किए जाने की भी जानकारी दी गई। रविवार को आयोजित पत्रकारवार्ता में कांग्रेस प्रवक्ता विवेक त्रिपाठी, एनएसयूआई प्रदेश उपाध्यक्ष रवि परमार, अधिवक्ता अभिषेक पांडेय और अधिवक्ता अंशुल तिवारी मौजूद रहे। एनएसयूआई प्रदेश उपाध्यक्ष रवि परमार ने दावा किया कि सत्र 2026-27 की मान्यता के लिए 22 शासकीय नर्सिंग कॉलेजों ने आवेदन किया था, जिनमें से तीन कॉलेजों को मान्यता नहीं मिली। इनमें भोपाल का बीएमएचआरसी नर्सिंग कॉलेज, अमरकंटक विश्वविद्यालय, अनूपपुर का शासकीय नर्सिंग कॉलेज और दतिया का शासकीय नर्सिंग कॉलेज शामिल हैं।परमार के अनुसार, छह शासकीय नर्सिंग कॉलेजों में प्राचार्य और 10 कॉलेजों में उप प्राचार्य का पद रिक्त है। उन्होंने दावा किया कि करीब 15 कॉलेजों में प्रोफेसर, एसोसिएट प्रोफेसर, असिस्टेंट प्रोफेसर और ट्यूटर सहित आवश्यक फैकल्टी की संख्या निर्धारित मानकों के अनुरूप नहीं है।

उन्होंने मान्यता प्रक्रिया में प्रस्तुत कुछ दस्तावेजों पर भी सवाल उठाए। परमार का आरोप है कि कुछ कॉलेजों द्वारा प्राचार्य, उप प्राचार्य और एसोसिएट प्रोफेसर के अनुभव संबंधी प्रमाण-पत्रों में कथित गड़बड़ियां की गई हैं। उन्होंने भोपाल स्थित बीएमएचआरसी नर्सिंग कॉलेज का उदाहरण देते हुए कहा कि वहां पदों और अनुभव से संबंधित विवरण में विसंगतियां सामने आई हैं। इसी तरह अनूपपुर के अमरकंटक विश्वविद्यालय के नर्सिंग कॉलेज के संबंध में भी अनुभव प्रमाण-पत्रों को लेकर सवाल उठाए गए हैं।अधिवक्ता अंशुल तिवारी ने कहा कि मध्य प्रदेश नर्सेस रजिस्ट्रेशन काउंसिल की मान्यता प्रक्रिया में निर्धारित नियमों के अनुसार नर्सिंग कॉलेज में प्राचार्य, उप प्राचार्य और निर्धारित संख्या में एसोसिएट प्रोफेसर, असिस्टेंट प्रोफेसर अथवा ट्यूटर होना आवश्यक है। विद्यार्थियों की सीटों की संख्या बढ़ने पर फैकल्टी की आवश्यकता भी उसी अनुपात में बढ़ती है।अधिवक्ता अभिषेक पांडेय ने कहा कि प्रदेश में नर्सिंग कॉलेजों से संबंधित पूर्व की जांचों में भी कई संस्थानों में कमियां सामने आई थीं। उनके अनुसार, शासकीय नर्सिंग कॉलेजों में आवश्यक शैक्षणिक स्टाफ की कमी दूर किए बिना विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण प्रशिक्षण उपलब्ध कराना चुनौतीपूर्ण होगा। उन्होंने कहा कि हाईकोर्ट में दायर याचिका के माध्यम से जिम्मेदार अधिकारियों की भूमिका की जांच और आवश्यक कार्रवाई की मांग की गई है।कांग्रेस प्रवक्ता विवेक त्रिपाठी ने सरकारी उच्च शिक्षण संस्थानों की स्थिति और निजी विश्वविद्यालयों की बढ़ती संख्या को लेकर भी सरकार पर सवाल उठाए। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकारी संस्थानों को कमजोर करने की बजाय उनकी व्यवस्थाओं को मजबूत किया जाना चाहिए।एनएसयूआई नेताओं ने कहा कि नर्सिंग शिक्षा सीधे स्वास्थ्य सेवाओं से जुड़ी है। ऐसे में शासकीय नर्सिंग कॉलेजों में पर्याप्त शैक्षणिक स्टाफ और सक्षम प्रशासनिक व्यवस्था सुनिश्चित करना जरूरी है। संगठन ने मान्यता प्रक्रिया में प्रस्तुत दस्तावेजों की निष्पक्ष जांच, फैकल्टी की उपलब्धता का सत्यापन और नियमों के उल्लंघन की स्थिति में जिम्मेदारी तय करने की मांग की है।

मध्य प्रदेश को जैव विविधता संरक्षण के लिए मोदी सरकार की अतिरिक्त मदद, दिए 32.73 लाख रुपये

भोपाल। मध्य प्रदेश में जैव विविधता संरक्षण, स्थानीय जैव संसाधनों के दस्तावेजीकरण और उनसे जुड़े समुदायों की आजीविका को मजबूती देने की दिशा में केंद्र सरकार ने महत्वपूर्ण कदम उठाया है। राष्ट्रीय जैव विविधता प्राधिकरण ने पहुंच एवं लाभ-साझाकरण तंत्र के तहत मध्य प्रदेश को 32.73 लाख रुपये आवंटित किए हैं। उल्लेखनीय है कि देशभर में जारी 2.80 करोड़ रुपये की राशि में मध्य प्रदेश को मिलने वाला यह हिस्सा उसे प्रमुख प्राप्तकर्ता राज्यों में शामिल करता है। यह राशि राज्य में जैव विविधता संरक्षण और उससे जुड़े स्थानीय समुदायों के हित में विभिन्न गतिविधियों पर खर्च की जाएगी।

राष्ट्रीय जैव विविधता प्राधिकरण ने भारत के जैविक संसाधनों के उपयोग से उत्पन्न होने वाले लाभों को साझा करने के उद्देश्य से पहुंच एवं लाभ-साझाकरण यानी एबीएस तंत्र के तहत कुल 2.82 करोड़ रुपये वितरित किए हैं। इसमें से 2.80 करोड़ रुपये 27 राज्य जैव विविधता बोर्डों तथा तीन केंद्र शासित प्रदेश जैव विविधता परिषदों को जारी किए गए हैं। इसके अतिरिक्त 2.01 लाख रुपये भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के भारतीय बागवानी अनुसंधान संस्थान, कर्नाटक को दिए जा रहे हैं। मध्य प्रदेश को आवंटित 32.73 लाख रुपये इस पूरी राशि में तीसरा सबसे बड़ा राज्यवार हिस्सा है। गुजरात को 44.59 लाख रुपये और पश्चिम बंगाल को 41.24 लाख रुपये मिले हैं। मध्य प्रदेश के बाद ओडिशा को 32.57 लाख रुपये, बिहार को 30.86 लाख रुपये और छत्तीसगढ़ को 16.54 लाख रुपये आवंटित किए गए हैं। इससे स्पष्ट है कि जैविक संसाधनों और बागवानी फसलों की विविधता के लिहाज से मध्य प्रदेश का महत्व राष्ट्रीय स्तर पर भी रेखांकित हुआ है।इस संबंध में राष्ट्रीय जैव विविधता प्राधिकरण (एनबीए) की ओर से अधिकारिक तौर पर कहा गया है कि यह राज्य की जैव विविधता को संरक्षित करने और स्थानीय स्तर पर उसके सतत उपयोग की दिशा में संसाधन उपलब्ध कराने की पहल है।राष्ट्रीय जैव विविधता प्राधिकरण को मेसर्स एडवांटा एंटरप्राइजेज लिमिटेड, पूर्व में मेसर्स यूपीएल लिमिटेड, से एबीएस के तहत 2.94 करोड़ रुपये प्राप्त हुए। यह राशि फूलगोभी की आठ संकर किस्मों, मिर्च की पांच संकर किस्मों, भिंडी की पांच संकर किस्मों और टमाटर की छह संकर किस्मों से जुड़े आनुवंशिक संसाधनों के उपयोग से संबंधित है।

इस मामले में जैविक संसाधनों तक पहुंच किसी अन्य कंपनी के अधिग्रहण के माध्यम से हुई थी। ऐसे में किसानों, समुदायों अथवा किसी एक पहचान योग्य भौगोलिक स्रोत को प्रत्यक्ष लाभार्थी के रूप में चिन्हित करना संभव नहीं था। इसी कारण राष्ट्रीय जैव विविधता प्राधिकरण ने ऐसे मामलों में लाभ-साझाकरण राशि के वितरण और उपयोग के लिए विशेषज्ञ समिति की सिफारिश के आधार पर एक कार्यप्रणाली विकसित की। प्राधिकरण द्वारा इसे अनुमोदित किए जाने के बाद संबंधित राज्यों में बागवानी फसलों की खेती को ध्यान में रखते हुए राशि का वितरण किया गया। राज्य जैव विविधता बोर्डों और केंद्र शासित प्रदेशों को जारी राशि का उपयोग जन जैव विविधता रजिस्टरों के दस्तावेजीकरण एवं अद्यतन, जैव विविधता के इन-सीटू और एक्स-सीटू संरक्षण, खराब हो चुके पारिस्थितिक तंत्रों के पुनर्स्थापन तथा जैव विविधता विरासत स्थलों को मजबूत करने जैसे कार्यों में किया जाना है।इसके साथ ही जैव विविधता प्रबंधन समितियों की क्षमता बढ़ाने और स्थानीय समुदायों की आजीविका के संवर्धन पर भी राशि खर्च की जाएगी। मध्य प्रदेश जैसे बड़े और जैव विविधता की दृष्टि से समृद्ध राज्य के लिए यह राशि स्थानीय स्तर पर जैव संसाधनों के संरक्षण और उनके वैज्ञानिक दस्तावेजीकरण को गति देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है।

प्राप्त राशि का उपयोग करने के बाद संबंधित संस्थाओं को एक वर्ष के भीतर उपयोग प्रमाण पत्र और व्यय विवरण प्रस्तुत करना होगा। इससे यह सुनिश्चित करने का प्रयास किया गया है कि जैविक संसाधनों के व्यावसायिक उपयोग से प्राप्त आर्थिक लाभ संरक्षण कार्यों तक पहुंचे और उसका उपयोग निर्धारित उद्देश्यों के लिए ही हो। राष्ट्रीय जैव विविधता प्राधिकरण को सुमितोमो केमिकल इंडिया लिमिटेड, मुंबई, पूर्व में एक्सेल क्रॉप केयर, से दो सूक्ष्मजीव उपभेदों के अनुसंधान और व्यावसायिक उपयोग के लिए 7.15 लाख रुपये एबीएस राशि के रूप में प्राप्त हुए।

ओरछा में 30-31 अगस्त को होगी बीजेपी मप्र कार्यसमिति की बैठक, 400 कमरे बुक, रणनीति पर होगा मंथन

भोपाल। मध्य प्रदेश भारतीय जनता पार्टी की प्रदेश कार्यसमिति की महत्वपूर्ण बैठक इस बार ऐतिहासिक नगरी ओरछा में आयोजित होने जा रही है। यह दो दिवसीय बैठक 30 और 31 अगस्त को ओरछा के प्रतिष्ठित राजमहल पैलेस होटल और राजविलास होटल में होगी।बैठक की तैयारियों को अंतिम रूप देने के लिए नेताओं का ओरछा पहुंचने का सिलसिला 29 अगस्त से ही शुरू हो जाएगा, जबकि मुख्य बैठक से पहले 25 अगस्त को एक अहम 'टोली बैठक' भी आयोजित की जाएगी।शनिवार को ओरछा में संगठन के बड़े पदाधिकारियों ने तैयारियों का जायजा लेने के लिए एक विशेष बैठक की। इस बैठक में प्रदेश उपाध्यक्ष शैलेन्द्र बरूआ, प्रदेश कार्यालय मंत्री श्याम महाजन, प्रदेश मंत्री अर्चना सिंह और उपाध्यक्ष सुरेन्द्र शर्मा प्रमुख रूप से मौजूद रहे।पूरी बैठक की व्यवस्थाओं की मुख्य जिम्मेदारी गौरव रणदिवे और शैलेन्द्र बरूआ को सौंपी गई है, जो सभी इंतजामों की खुद निगरानी कर रहे हैं।इस कार्यसमिति बैठक के दौरान केंद्र और राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं और सरकार के ऐतिहासिक कामों पर आधारित एक भव्य प्रदर्शनी भी लगाई जाएगी।

भाजपा की 'टीम इंडिया' में मध्य प्रदेश सबसे आगे

राष्ट्रीय संगठन में 12.31 प्रतिशत हिस्सेदारी ने बढ़ाया एमपी का कद चुनावी प्रदर्शन से लेकर बूथ प्रबंधन तक बना राष्ट्रीय मॉडल

भोपाल। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय संगठन में मध्य प्रदेश का बढ़ता कद अब राष्ट्रीय टीम में मिले प्रतिनिधित्व के आंकड़े बोल रहे हैं। नई दिल्ली स्थित भाजपा मुख्यालय में शनिवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन और राष्ट्रीय संगठन महामंत्री बी.एल. संतोष के नेतृत्व में आयोजित राष्ट्रीय पदाधिकारी बैठक में प्रदेश की उपस्थिति ने यह संकेत और मजबूत किया।

पार्टी के केंद्रीय नेतृत्व के लिए राज्य राष्ट्रीय संगठन की रणनीति और चुनावी प्रबंधन का प्रमुख केंद्र बन चुका है। यहां आगामी विधानसभा चुनावों की रणनीति, संगठन को नई ऊर्जा देने और कार्यकताओं को राष्ट्रसेवा के संकल्प के साथ आगे बढ़ाने के बीच मध्य प्रदेश की भूमिका विशेष रूप से रेखांकित होती दिखाई दी है।

वर्ष 2027 के शुरूआती महीनों में देश के सात राज्यों में विधानसभा चुनाव प्रस्तावित हैं। इनमें उत्तर प्रदेश की 403 विधानसभा सीटें राष्ट्रीय राजनीति की दृष्टि से सबसे महत्वपूर्ण मानी जाती हैं। इसके अलावा पंजाब में 117, उत्तराखंड में 70, गोवा में 40 और मणिपुर में 60 सीटों पर चुनाव होना है। ऐसे समय में भाजपा का केंद्रीय संगठन चुनावी राज्यों के साथ-साथ अपने संगठनात्मक ढांचे को भी मजबूत करने में जुटा है।

इसी व्यापक रणनीति के बीच मध्य प्रदेश का प्रतिनिधित्व खास तौर पर ध्यान खींचता है। भाजपा की 65 सदस्यीय केंद्रीय टीम में मध्य प्रदेश के आठ नेताओं को स्थान मिला है। यानी राष्ट्रीय टीम में मध्य प्रदेश की हिस्सेदारी 12.31 प्रतिशत है। राष्ट्रीय पदाधिकारी बैठक में मध्य प्रदेश की शत-प्रतिशत उपस्थिति ने भी संगठन के प्रति उसकी सक्रियता और प्रतिबद्धता को सामने रखा।

मध्य प्रदेश के प्रतिनिधित्व की सबसे महत्वपूर्ण तस्वीर तब सामने आती है, जब इसे देश के भौगोलिक अनुपात से जोड़कर देखा जाए। देश के 28 राज्यों और आठ केंद्र शासित प्रदेशों को मिलाकर कुल 36 प्रशासनिक इकाइयों में मध्य प्रदेश की भौगोलिक हिस्सेदारी लगभग 2.78 प्रतिशत है। सामान्य परिस्थितियों में किसी राजनीतिक दल की राष्ट्रीय टीम में किसी राज्य का प्रतिनिधित्व उसके राजनीतिक, जनसंख्या और भौगोलिक महत्व के आसपास ही दिखाई देता है, लेकिन भाजपा की मौजूदा 65 सदस्यीय केंद्रीय टीम में मध्य प्रदेश को मिले आठ पद इस सामान्य अनुपात से कहीं आगे हैं। 12.31 प्रतिशत का यह प्रतिनिधित्व राज्य के भौगोलिक हिस्से की तुलना में 9.53 प्रतिशत अधिक है। यही अंतर मध्य प्रदेश के संगठनात्मक प्रभाव को रेखांकित करता है।

मध्य प्रदेश के बढ़ते संगठनात्मक कद की तुलना जब देश के सबसे बड़े राज्य उत्तर प्रदेश से की जाती है तो तस्वीर और अधिक स्पष्ट हो जाती है। भारतीय राजनीति में लंबे समय से यह धारणा रही है कि केंद्र की सत्ता का रास्ता उत्तर प्रदेश की 80 लोकसभा सीटों से होकर गुजरता है। जनसंख्या और राजनीतिक प्रभाव के लिहाज से उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश से कहीं अधिक बड़ा है। इसके बावजूद भाजपा की नई राष्ट्रीय टीम में उत्तर प्रदेश को छह पद मिले हैं, जो लगभग 9.23 प्रतिशत प्रतिनिधित्व के बराबर है। इसके मुकाबले मध्य प्रदेश आठ पदों के साथ 12.31 प्रतिशत हिस्सेदारी हासिल कर राष्ट्रीय संगठनात्मक प्रतिनिधित्व में आगे दिखाई देता है।

मप्र पुलिस की संवेदनशील पहल से लौटी मासूमों की मुस्कान, भटके बच्चों को मिला परिवार का सहारा

भोपाल। किसी मासूम बच्चे का घर से बिछड़ जाना केवल एक परिवार के लिए चिंता और पीड़ा का विषय नहीं, बल्कि पूरे समाज के लिए संवेदनशील चुनौती है। डर, घबराहट, नासमझी अथवा किसी परिस्थिति के कारण घर से भटके बच्चों की आंखों में अपनों से बिछड़ने का दर्द होता है। ऐसे समय में मध्य प्रदेश पुलिस और एसओएस बाल ग्राम जैसी बाल संरक्षण संस्थाओं के समन्वित एवं संवेदनशील प्रयास इन बच्चों के लिए उम्मीद की किरण बन रहे हैं। इसी दिशा में पुलिस महानिदेशक कैलाश मकवाणा के मार्गदर्शन में पुलिस उप महानिरीक्षक डॉ. विनीत कपूर के नेतृ?व में सामुदायिक पुलिसिंग के प्रयासों के माध्यम से पुलिस, स्वयंसेवी संस्थाओं और सामाजिक संगठनों को साथ जोड़कर समाज के कमजोर एवं जरूरतमंद वर्गों के लिए विभिन्न गतिविधियां संचालित की जा रही हैं। पुलिस मुख्यालय द्वारा शनिवार को जानकारी दी गई कि बाल संरक्षण के क्षेत्र में पुलिस और एसओएस बाल ग्राम जैसी संस्थाएं आपसी समन्वय से ऐसे बच्चों की सुरक्षा, देखभाल, काउंसलिंग, पहचान और परिवार से पुनर्मिलन के लिए निरंतर कार्य कर रही हैं। पुलिस की त्वरित कार्रवाई और संस्थाओं की संवेदनशील भूमिका के इस समन्वय से न केवल भटके हुए बच्चों को सुरक्षित संरक्षण मिल रहा है, बल्कि पुलिस की मानवीय एवं जनसरोकार वाली भूमिका भी समाज के सामने प्रभावी रूप से सामने आ रही है।

एशियाई खेल-2026 में मध्य प्रदेश के 32 खिलाड़ी करेंगे भारत का प्रतिनिधित्व, 10 खेल विधाओं में दिखाएंगे दमखम

19 सितंबर से 4 अक्टूबर तक जापान के आइची-नागोया में होगा एशिया का सबसे बड़ा खेल महाकुंभ

भोपाल। मध्य प्रदेश की खेल प्रतिभाएं एक बार फिर अंतरराष्ट्रीय खेल मंच पर प्रदेश का गौरव बढ़ाने के लिए तैयार हैं। जापान के आइची प्रांत और नागोया शहर में 19 सितंबर से 4 अक्टूबर 2026 तक आयोजित होने वाले 20वें एशियाई खेल-2026 में मध्य प्रदेश के 32 खिलाड़ी भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे। प्रदेश के खिलाड़ियों का चयन एथलेटिक्स, क्रिकेट, कैनो स्लालम, कैनो स्प्रिंट, हॉकी, जूडो, रोइंग, सेलिंग, शूटिंग और सॉफ्ट टेनिस सहित 10 खेल विधाओं में हुआ है।खेल एवं युवा कल्याण विभाग द्वारा रविवार की जानकारी दी गई कि चयनित खिलाड़ियों में 25 खिलाड़ी खेल अकादमी एवं पूर्व अकादमी से तथा सात खिलाड़ी गैर-अकादमी श्रेणी से हैं। यह उपलब्धि मध्य प्रदेश में खिलाड़ियों को उपलब्ध कराई जा रही उच्चस्तरीय प्रशिक्षण व्यवस्था, खेल सुविधाओं और प्रतिभा विकास के निरंतर प्रयासों से मिली है।बताया गया है कि 20वें एशियाई खेल 19 सितंबर से 4 अक्टूबर 2026 तक जापान के आइची प्रांत और नागोया में आयोजित होंगे। प्रतियोगिताओं का आयोजन जापान के विभिन्न स्थानों पर बनाए गए 53 खेल स्थलों पर किया जाएगा।

एशिया के विभिन्न देशों के शीर्ष खिलाड़ी इन खेलों में पदकों के लिए मुकाबला करेंगे। इस बार एशियाई खेलों में 43 खेलों की 71 स्पर्धा श्रेणियों में 469 मुकाबले आयोजित किए जाएंगे। हजारों खिलाड़ी एशिया के इस सबसे बड़े खेल मंच पर अपने देश के लिए पदक जीतने के लक्ष्य के साथ उतरेंगे।एथलेटिक्स में मध्य प्रदेश के कुलदीप कुमार और देव कुमार मीणा का चयन पोल वॉल्ट स्पर्धा के लिए हुआ है। दोनों खिलाड़ी राष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रतिभा साबित करने के बाद अब एशियाई खेलों के अंतरराष्ट्रीय मंच पर भारत की चुनौती पेश करेंगे। मध्य प्रदेश के लिए यह गौरव की बात है कि प्रदेश के दो खिलाड़ी एक ही स्पर्धा में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगेमहिला क्रिकेट में मध्य प्रदेश की क्रांति गौड भारतीय टीम के साथ एशियाई खेलों में हिस्सा लेंगी। एशियाई खेलों में क्रिकेट को टी-20 प्रारूप में शामिल किया गया है। एशिया में क्रिकेट की लोकप्रियता को देखते हुए इस स्पर्धा पर देशभर के खेलप्रेमियों की विशेष नजर रहेगी।कैनो स्लालम में मध्य प्रदेश के शिखा चौहान, पल्लवी जगताप, हितेश केवट, रीना सेन और प्रधुम्न सिंह चयनित हुए हैं।

शिखा चौहान और हितेश केवट कयाक क्रॉस स्पर्धा में, जबकि पल्लवी जगताप, रीना सेन और प्रधुम्न सिंह कैनो एकल स्पर्धा में भारत की चुनौती पेश करेंगे। मध्य प्रदेश के खिलाड़ियों की कैनो और जल खेलों में लगातार मजबूत होती मौजूदगी प्रदेश की खेल अकादमियों में उपलब्ध प्रशिक्षण सुविधाओं और खिलाड़ियों की मेहनत का परिणाम है। कैनो स्प्रिंट में पुरोहित बारोयी का चयन कयाक युगल 500 मीटर टीम स्पर्धा के लिए हुआ है।

वे टीम के साथ भारत के लिए पदक की चुनौती पेश करेंगे। जल खेलों में मध्य प्रदेश की लगातार बढ़ती उपलब्धियां प्रदेश की खेल प्रतिभाओं के लिए नई संभावनाएं खोल रही हैं।भारतीय हॉकी में मध्य प्रदेश की प्रतिभाओं की मजबूत मौजूदगी एक बार फिर देखने को मिलेगी।पुरुष हॉकी टीम में विवेक सागर प्रसाद और नीलकांता शर्मा का चयन हुआ है। वहीं महिला हॉकी टीम में ईशिका चौधरी, बिच्छू देवी और सुशीला चानू भारत का प्रतिनिधित्व करेंगी।

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
तरुणमित्र
श्रम ही आधार, सिर्फ खबरों से सरोकार
सोमवार, 24 अगस्त 2026
विक्रम संवत्- 2083, श्रावण शुक्ल पक्ष, द्वादशी

न्यायालयों की घटती गरिमा!

भारतीय लोकतंत्र की तीन स्तंभों में न्यायपालिका सबसे महत्वपूर्ण और संवेदनशील स्तंभ है। संविधान ने इसे स्वतंत्र, निष्पक्ष और गरिमामय बनाने का प्रावधान किया है ताकि नागरिकों को न्याय मिल सके और शासन की मनमानी पर अंकुश रहे। किंतु विगत कुछ वर्षों में न्यायालयों की गरिमा लगातार घटी हुई प्रतीत होती है। यह स्थिति न केवल न्याय व्यवस्था के लिए चिंताजनक है, बल्कि पूरे लोकतांत्रिक ढांचे के लिए खतरा बन रही है। न्यायालयों की गरिमा में कमी के कई कारण हैं। सबसे प्रमुख है न्याय में देरी। लाखों मुकदमे वर्षों से लंबित पड़े हैं। आम आदमी को न्याय मिलने में इतना समय लगता है कि कई बार न्याय मिलना भी न्याय न मिलने के समान हो जाता है। 'जस्टिस डिलेड इज जस्टिस डिनाइड' की कहावत आज भारतीय अदालतों पर सटीक बैठती है। इससे जनता का विश्वास टूटता है और अदालतों की साख गिरती है। दूसरा बड़ा कारण है राजनीतिक हस्तक्षेप और विवादों में न्यायाधीशों का नाम आना। कभी-कभी उच्च पदों पर नियुक्तियों को लेकर विवाद, सेवानिवृत्ति के बाद राजनीतिक पद स्वीकार करने की प्रवृत्ति, तथा कुछ मामलों में खुलेआम आलोचना और टिप्पणियां अदालतों की निष्पक्ष छवि को धूमिल करती हैं। मीडिया ट्रायल और सोशल मीडिया पर अफवाहों का बाढ़ आना भी गरिमा को चोट पहुंचाता है। जब कोई विवादास्पद फैसला आता है तो बिना पूरी कार्यवाही समझे जनमत बना लिया जाता है। इससे न्यायाधीशों पर अनावश्यक दबाव पड़ता है। भ्रष्टाचार के आरोप, चाहे वे कितने भी कम हों, पूरे संस्थान की छवि खराब करते हैं। कुछ निचली अदालतों में रिश्वतखोरी की शिकायतें समय-समय पर सामने आती रही हैं। उच्चतर न्यायालयों में भी पारदर्शिता की मांग जोर पकड़ रही है। जब जनता को लगता है कि पैसा या पहुंच वाले लोग आसानी से राहत पा लेते हैं, तो सामान्य नागरिक न्याय व्यवस्था से दूर होता चला जाता है। न्यायालयों की गरिमा बनाए रखना स्वयं न्यायपालिका, कार्यपालिका और विधायिका तीनों की सामूहिक जिम्मेदारी है। न्यायाधीशों को अपनी आचरण संहिता का कठोरता से पालन करना चाहिए। सेवानिवृत्ति के बाद राजनीतिक पदों से दूरी बनाए रखना, सार्वजनिक टिप्पणियों में संयम बरतना और मामलों के निपटारे में तेजी लाना आवश्यक है। रिक्त पदों की शीघ्र भर्ती, आधुनिक तकनीक का उपयोग, वैकल्पिक विवाद समाधान तंत्र को बढ़ावा देना और मुकदमों की संख्या कम करने के लिए कानूनी सुधार जरूरी हैं। सरकार को भी न्यायपालिका की स्वतंत्रता का सम्मान करना चाहिए। बजट आवंटन, बुनियादी सुविधाओं में सुधार और नियुक्ति प्रक्रिया में पारदर्शिता से विश्वास बढ़ेगा। मीडिया और नागरिक समाज को भी जिम्मेदारी से व्यवहार करना होगा। आलोचना का अधिकार है, लेकिन सम्मानहीन भाषा और आधारहीन आरोपों से बचना चाहिए। न्यायालय केवल इमारत या कुर्सी नहीं हैं। वे संविधान के संरक्षक और आम आदमी की आखिरी उम्मीद हैं। यदि उनकी गरिमा गिरती रही तो लोकतंत्र की नींव कमजोर पड़ जाएगी। समय आ गया है कि सभी हितधारक मिलकर इस संस्था को उसकी पुरानी प्रतिष्ठा और गरिमा वापस दिलाएं। केवल तभी 'न्याय सबके लिए' का सपना साकार हो सकेगा और नागरिकों का विश्वास फिर से मजबूत होगा।

हो गया अब खेल !

कृष्णेन्द्र राय

धरना और प्रदर्शन पर ।
हो गया अब खेल ।।
हुई चाल असफल ।
लगता होंगे फेल ।।
सेकनी थी जिसको ।
गया वो रोटी सेंक ।।
आए करने मदद ।
कार्य हो गया नेक ।।
फेर दिए वो पानी ।
है मेहनत बेकार ।।
शांत न होगी लगता ।
आगे भी तकरार ।।
रुक रूक कर बह रही ।
हवा ये सुहानी ।।
विषय जांच का है अभी ।
हुई कहां मनमानी ।।

सूडोकु नवताल- 7896

★☆☆☆☆ सरल

7	8				2	6		3
			4					
1	3	5		8				
	2			1			7	8
6	7			9			2	
				6		5	9	2
					3			
2		8	5				6	1

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -7895 का हल

4	3	2	9	5	6	1	7	8
6	8	5	7	1	4	9	2	3
9	1	7	3	8	2	4	5	6
3	4	8	6	2	7	5	1	9
5	6	1	8	4	9	2	3	7
2	7	9	5	3	1	6	8	4
1	9	3	4	7	5	8	6	2
8	2	4	1	6	3	7	9	5
7	5	6	2	9	8	3	4	1

जिनके घर शीशे के हों, वो दूसरों के घरों पर पत्थर नहीं फेंकते

तनवीर जाफरी

देश में इन दिनों छात्रों और युवा पीढ़ी अर्थात Gen Z के छिड़े घमासान के बीच Gen Z को ही केंद्र में रखकर कुछ ऐसे बयान सुनने में आ रहे हैं जिनकी न तो भाषा शालीन है न ही बयान देने वालों का व्यक्तित्व ही ऐसा है जिसे देश में शिक्षा, रोजगार, पारदर्शिता, जवाबदेही, भ्रष्टाचार, लोकतंत्र तथा संवैधानिक मूल्यों को लेकर संघर्षरत युवा पीढ़ी व छात्रों से जोड़ा जा सके।

इस संबंध में सबसे दिलचस्प वाकयुद्ध बाबा रामदेव व फिल्म अभिनेत्री व भारतीय जनता पार्टी सांसद कंगना रनौत के बीच छिड़ा। इस वाक्युद्ध ने एक दूसरे की पोल पट्टी खोलकर रख दी। गौरतलब है कि बीजेपी सांसद कंगना रनौत ने दिल्ली के जंतर-मंतर पर नीट पेपर लीक मामले के विरोध में प्रदर्शन कर रही युवा पीढ़ी पर तीखी टिप्पणियां की थीं।

कंगना ने प्रदर्शनकारी युवाओं को 'गटर जनरेशन' कहकर संबोधित किया था। उन्होंने इंस्टाग्राम पर लिखा था कि Gen Z के आंदोलनों के वीडियो देखकर मुझे झटका लगा। मैंने अपनी जिंदिगी में इतना अजीब और इतना बुरा कुछ नहीं देखा है। इन्हें (युवा पीढ़ी को) किसने जन्म दिया है? कौन इनका पालन-पोषण कर रहा है? यह गटर की पीढ़ी है। कंगना ने प्रदर्शन के दौरान युवाओं द्वारा इस्तेमाल की जा रही भाषा को बेहद असभ्य और अमर्यादित बताया था। उन्होंने इसे 'उल्टी आने जैसा' व्यवहार करार दिया था। प्रदर्शनकारी छात्राओं और युवतियों पर निशाना साधते हुए कंगना ने कहा था कि इन लड़कियों का आचरण बेहद निराशाजनक है। उन्होंने कहा कि 'यह लड़कियां भविष्य में अच्छी गृहिणी भी नहीं बन सकतीं।' कंगना ने केवल छात्रों को ही नहीं बल्कि उनके माता-पिता को भी कटघरे में खड़ा किया। उन्होंने सवाल उठाया कि माता-पिता अपने बच्चों को ऐसे संस्कार कैसे दे सकते हैं, जो उन्हें सार्वजनिक रूप से इस तरह के अभद्र व्यवहार की अनुमति देते हैं?

कंगना रनौत के इस बयान की खासकर इसकी शब्दावली की चारों ओर घोर आलोचना की गयी। परन्तु सबसे तीखी प्रतिक्रिया योग गुरु एवं व्यवसायी बाबा रामदेव द्वारा एक टी वी चैनल पर इसी संबंध में पूछे गये एक सवाल पर दी गयी। जब बाबा रामदेव से कंगना के 'गटर जेनरेशन' वाले बयान पर सवाल पूछा गया, तो उन्होंने कंगना की मानसिक स्थिति, उनकी योग्यता और उनके अतीत पर ही गंभीर सवाल उठा दिये। रामदेव ने कहा कि 'उनकी क्वालिफिकेशन (शिक्षा) क्या है? उनका बचपन कैसा रहा है? उनकी जवानी कैसी रही है? उनके पहले के कारनामे कैसे रहे हैं? मैं ऐसे लोगों के बारे में बात नहीं करना चाहता। किसी भी देश के जवानों को और जेन-जी को 'गटर' बोलना यह बिगड़े हुए दिमाग की निशानी है। यह गलत बात है और उनकी पार्टी (बीजेपी) को इस पर संज्ञान लेना चाहिए।' हमेशा भाजपा सरकार की पैरवी करने वाले बाबा रामदेव के इस बयान को लेकर वैसे भी लोग आश्चर्यचकित हैं कि आखिर उन्होंने किस तरह सत्ता के विरोध में आवाज उठाने की हिम्मत जुटाई ? कुछ लोग तो उनके इस बयान की वजह से उन्हें राजनीति का 'मौसम विज्ञानी ' भी कहने लगे हैं। बहरहाल सवाल यह है कि रामदेव ने कंगना रानौत को लेकर इतने सारे सवाल एक साथ कैसे और किस आधार पर खड़े किये ? और क्या वजह थी कि रामदेव के इन सवालों से तिलमिलाकर कंगना को भी रामदेव पर तीखे जवाबी बाण छोड़ने पड़े?

दरअसल कंगना रनौत ने स्वयं अपने अनेक इंटरव्यू में अपने शुरूआती जीवन, चरित्र, नशे और संघर्षों को लेकर बेहद चौंकाने वाले और बेबाक बयान दिए थे। उनके ये बयान समय-समय पर सोशल मीडिया और मीडिया गलियारों में बड़े विवाद की वजह बने हैं। कंगना रनौत ने साल 2020 में अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक वीडियो पोस्ट किया था। इस वीडियो में उन्होंने खुलकर स्वीकार किया था कि वह एक समय पर ड्रग्स की लत का शिकार हो चुकी थीं। उन्होंने कहा था कि 'जब मैं घर से भागी थी, उसके डेढ़-दो साल के अंदर ही मैं एक फिल्म स्टार भी थी और एक 'ड्रग एडिक्ट' भी थी।' उन्होंने यह भी आरोप लगाया था कि शुरूआती दिनों में उनके एक 'मेंटॉर' जो बाद में प्रताड़ित करने वाले बन गए, उनकी ड्रिंक्स में नशीली चीजें मिलाकर देते थे ताकि वह पुलिस के पास न जा सकें। बाद में एक इंटरव्यू में उन्होंने स्पष्ट किया कि वे योग और स्वामी विवेकानंद की शिक्षाओं की मदद से नशे की इस लत से बाहर आ पाईं। उसी 2020 के वीडियो में अपने संघर्ष के दिनों को याद करते हुए कंगना ने खुद को 'खतरनाक' बताया था। उन्होंने कहा था कि जब वह कम उम्र में घर से भागकर मुंबई आई थीं, तो बहुत गलत लोगों के चंगुल में फंस गई थीं। उन्होंने कहा था कि 'मेरी जिंदिगी में इतने स्कैंडल चल रहे थे और मैं ऐसे लोगों के हाथों में पड़ गई थी, जहां से सिर्फ मौत ही मुझे बचा सकती थी। यह सब मेरी जिंदिगी में तब हो रहा था जब मैं सिर्फ एक टीनेजर (किशोरी) थी। सोच लो, मैं कितनी खतरनाक हूँ!' कंगना ने यह भी बताया था कि उनके पिता उन्हें डॉक्टर बनाना चाहते थे, लेकिन जब उन्होंने मना किया तो उनके पिता ने उन्हें थप्पड़ मारा था, जिसके बाद उन्होंने घर छोड़ दिया। वह महज 15-16 साल की उम्र में बिना पैसों के घर से भागकर दिल्ली और फिर मुंबई आ गई थीं। वास्तव में कंगना की इस तरह की स्वीकारोक्ति को ही आधार बनाकर रामदेव ने उन्हें लेकर अनेक प्रश्न खड़े कर दिये। और प्रश्नों की उसी शब्दावली के अनुरूप ही कंगना ने भी रामदेव पर सीधा व्यक्तिगत प्रहार करते हुये कहा कि 'बाबा जी, मेरी जवानी या बेडरूम के बारे में आप दिन में सपने मत देखिए। कोई सिर्फ अफवाहों और गॉसिप के आधार पर ही ऐसा अंदाजा लगा सकता है।' कंगना ने पतंजलि के भ्रामक विज्ञापनों वाले मामले की ओर इशारा करते हुये कहा कि 'कम से कम मुझे कभी झूठे या फर्जी मेडिकल दावों के लिए सुप्रीम कोर्ट से फटकार नहीं लगी है। मेरे दावे हमेशा ठोस तथ्यों पर आधारित होते हैं, न कि किसी अफवाह पर।' कंगना ने बाबा रामदेव को करारा जवाब देते हुए कहा, इसलिए आप मुझे चरित्र का पाठ मत पढ़ाइए। मेरा चरित्र आपसे कहीं ज्यादा बेहतर है, यहां कोई धोखाधड़ी/फ्रॉड नहीं पकड़ी गई है। कंगना द्वारा रामदेव इसतरह के शब्द बाण भी अकारण नहीं छोड़े गये। इसके पीछे रामदेव और उनकी कंपनी पतंजलि आयुर्वेद के खिलाफ विभिन्न अदालतों विशेषकर सुप्रीम कोर्ट और सरकारी प्राधिकरणों द्वारा की गई कई गंभीर कानूनी और प्रशासनिक कार्रवाइयां शामिल हैं। कभी सुप्रीम कोर्ट ने पतंजलि आयुर्वेद को उन सभी दवाओं और उत्पादों के विज्ञापन और ब्रांडिंग करने से पूरी तरह रोक दिया, जो 'ड्रग्स एंड मैजिक रेमेडीज (आपत्तिजनक विज्ञापन) अधिनियम, 1954' के तहत प्रतिबंधित बीमारियों को पूरी तरह ठीक करने का दावा करते थे कभी कोर्ट में लिखित आश्वासन देने के बावजूद भ्रामक विज्ञापन जारी रखने पर कोर्ट ने उन्हें कारण बताओ नोटिस जारी किया। कभी कोर्ट ने उन्हें व्यक्तिगत रूप से अदालत में हाजिर होने का आदेश दिया और उनकी कानूनी टीम को कड़ी फटकार लगाई। तो कभी उन्होंने अदालत में बिना शर्त माफी मांगी अदालत ने महज दिखावा कहकर खारिज कर दिया था। यहाँ तक कि कड़े अदालती रुख के बाद पतंजलि को देश के प्रमुख राष्ट्रीय और क्षेत्रीय समाचार पत्रों में बड़े आकार में सार्वजनिक माफीनामा प्रकाशित करना पड़ा। इस तरह के अनेक उदाहरण हैं जिनसे यह साबित होता है कि रामदेव व उनका व्यवसाय भी दूध का धुला नहीं।

कुल मिलाकर कंगना रानौत हों या रामदेव दोनों ही अपने उज्जवल भविष्य के लिये चिंतित व संघर्षरत देश की युवा पीढ़ी के लिये आदर्श नहीं हो सकते न ही इनकी नसीहत या आलोचना युवाओं के पतन या उत्थान का कारण बन सकती है। हाँ युवा पीढ़ी के बहाने इनके बीच चले वाक्युद्ध से यह जरूर साफ हो गया है कि जिनके अपने घर शीशे के हों उन्हें दूसरों के घरों पत्थर हरगिज नहीं फेंकना चाहिये।

ये लेखक के अपने विचार हैं तरुणमित्र का इससे सहमत होना आवश्यक नहीं है।

साइलेंट हेल्थ क्राइसिस बन चुकी है नींद की कमी

बाल मुकुन्द ओझा

भारत में नींद की कमी एक गंभीर समस्या बनती जा रही है। एक ऑनलाइन वैश्विक सर्वे की माने तो देश पर्याप्त नींद नहीं लेने के कारण स्वास्थ्य सम्बन्धी विकारों से जूझ रहा है। देश के लगभग 60 प्रतिशत लोग छह घंटे की नींद नहीं लेने के कारण विभिन्न बीमारियों की चपेट में आ रहे है। इनमें बड़ी संख्या में युवा भी शामिल है।

सर्वे में भारत के 348 जिलों के 43 हजार लोगों को शामिल किया गया जिनमें 61 प्रतिशत पुरुष और 39 प्रतिशत महिलाएं थी। नींद की कमी धीरे-धीरे एक साइलेंट हेल्थ क्राइसिस बन चुकी है। पहले नींद को आराम या आदत माना जाता था, लेकिन अब शोध यह दिखाते हैं कि कम नींद का सीधा असर दिमाग, दिल, इम्यून सिस्टम और मानसिक स्वास्थ्य पर पड़ता है।

अमेरिका के सेंटर्स फॉर डिजीज कंट्रोल (सीडीसी) ने इसे सार्वजनिक स्वास्थ्य की उभरती हुई समस्या बताया है। उनकी रिपोर्ट के अनुसार लगभग हर तीन में से एक वयस्क रोजाना पर्याप्त नींद नहीं ले पा रहा। भारत में किए गए एक बड़े सर्वे में पाया गया कि युवा वर्ग में यह समस्या सबसे अधिक बढ़ी है, जहां रात देर तक फोन का इस्तेमाल, ओवरवर्क, तनाव और अनियमित दिनचर्या नींद का सबसे बड़ा दुश्मन बन चुके हैं। आजकल की खराब लाइफ स्टाइल, वर्क फ्रॉम होम, स्क्रीन से चिपटे रहने और काम के बढ़ते दबाव के कारण लोगों की दिनचर्या पूरी तरह बदल चुकी है।

बदलते वर्किंग स्टाइल के कारण लोगों के पास पर्याप्त नींद लेने का समय भी नहीं बचता है। हार्वर्ड मेडिकल स्कूल की रिसर्च बताती है कि जो लोग 5 घंटे से कम सोते हैं, उनमें हार्ट अटैक और स्ट्रोक का खतरा 30-40 फीसदी बढ़ जाता है। नींद की कमी शरीर में सूजन बढ़ा देती है, जिससे ब्लड प्रेशर और शुगर लेवल गड़बड़ा सकते हैं। कई डॉक्टर बताते हैं कि नींद की कमी मोटापे को भी बढ़ाती है, क्योंकि देर से सोने पर भूख बढ़ाने वाला हार्मोन 'घ्रेलिन' बढ़ जाता है और शरीर को गलती से कैलोरी की जरूरत महसूस होने लगती है। यही कारण है कि कम सोने वाले लोग रात में जंक फूड ज्यादा खाते हैं। नींद की कमी का सामना कर रहे लोगों में 72 प्रतिशत वाशरूम का बार बार उपयोग करने सहित खराब लाइफ स्टाइल, स्क्रीन देखने, शराब सेवन और रात्रि में देर तक काम करने आदि बड़े कारण बताये गए है। सर्वे में बताया गया है पर्याप्त नींद नहीं लेने के कारण आँखों और हृदय से जुड़ी बीमारियां आम बात है। डायबिटीज और मोटापा की चपेट में भी लोग आ रहे है। सड़क दुर्घटनाओं को भी नींद का एक कारण बताया गया है। नींद का असर न केवल शारीरिक स्वास्थ्य पर बल्कि मानसिक स्वास्थ्य पर भी पड़ता है। जहाँ तक युवा भारत की बात है, आजकल युवाओं में तनाव की समस्या को लेकर देशवासी बेहद चिंतित है। तनाव की वजह से कम उम्र में ही युवा डिप्रेशन के शिकार होने लगे हैं। खासतौर से काम करने वाले युवा यानि को नौकरी कर रहे हैं उनके अंदर ठहराव, लगन और काम के लिए पैशन बहुत कम है। जरा-जरा सी बातों पर स्ट्रेस लेने लगते हैं। हाल की में हुई एक स्टडी में भी ऐसे ही आंकड़े सामने आए हैं। जिसमें 25 साल के युवा कर्मचारियों में से 90 प्रतिशत का मन और दिमाग बेचैन पाया गया है। जिसकी वजह से कई बार अपने आप को हानि पहुंचाने तक के ख्याल इनके मन में आने लगते हैं। तनाव और डिप्रेशन से बचना है तो सबसे पहले हेल्दी लाइफस्टाइल अपनाएं। नींद की कमी के चलते कर्मचारियों की कार्य क्षमता भी प्रभावित हो रही है। रिसर्च से पता चला है कि नींद की कमी वाले कर्मचारी गलतियां करने की ज्यादा संभावना रखते हैं, उनकी एकाग्रता घट जाती है और उनकी समस्या सुलझाने की क्षमता भी कम हो जाती है।

मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं से बचने के लिए अच्छी नींद लेना बहुत जरूरी है। रात में 6-8 घंटे की नींद से कई विकारों को दूर किया जा सकता है। आज की भागदौड़ भरी लाइफ स्टाइल में काम का दबाव और समय का प्रबंधन हम पर इस कदर हावी हो चुके हैं कि हमारा मानसिक स्वास्थ्य गड़बड़ा रहा है। सोशल मीडिया के बारे में यह कहा जाता है विशेषज्ञों ने अच्छी नींद के लिए कैफीन का कम सेवन करने, सोने का निश्चित समय तय करने, सोने से पहले मोबाइल, लैपटॉप और टीवी जैसी स्क्रीन का इस्तेमाल न करने की सलाह दी है। स्वास्थ्य विशेषज्ञों का कहना है एक्सपर्ट्स का कहना है कि अपनी दिनचर्या में छोटे-छोटे बदलावों को अपनाकर लोग अपनी नींद की क्वालिटी सुधार सकते हैं और इससे उनकी तबीयत और उत्पादकता बेहतर हो सकती है।

ये लेखक के अपने विचार हैं तरुणमित्र का इससे सहमत होना आवश्यक नहीं है।

समष्टि चेतना से विश्व शांति

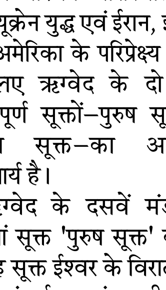
राजू बाबू सिंह

वैदिक दर्शन में समष्टि चेतना और सृष्टि की सर्वव्यापी एकता तथा विश्व-कल्याण का विचार सबसे प्रमुख आधार स्तंभ है। इस उदात्त भावना को गहराई से समझने तथा वर्तमान वैश्विक परिस्थितियों जैसे रूस-यूक्रेन युद्ध एवं ईरान, इजरायल तथा अमेरिका के परिप्रेक्ष्य में देखने के लिए ऋग्वेद के दो अत्यंत महत्वपूर्ण सूक्तों—पुरुष सूक्त और संज्ञान सूक्त—का अनुशीलन अनिवार्य है।

ऋग्वेद के दसवें मंडल का नब्बेवां सूक्त 'पुरुष सूक्त' कहलाता है। यह सूक्त ईश्वर के विराट स्वरूप और संपूर्ण ब्रह्मांड की परस्पर सम्बद्धता का वर्णन करता है। इसमें बताया गया है कि यह संपूर्ण जगत—चाहे मानव हो, प्रकृति हो या भिन्न-भिन्न राष्ट्र—उस एक ही परम पुरुष अर्थात ब्रह्म का प्रकटीकरण है। पुरुष सूक्त में एक विराट पुरुष की कल्पना और उसके समस्त अंगों का परस्पर सह-अस्तित्व के साथ रहना इस बात का प्रत्यक्ष प्रमाण है कि बिना सह-अस्तित्व के जिस प्रकार से एक पुरुष के शरीर को निरापद नहीं रखा जा सकता है, इस प्रकार से समस्त ब्रह्मांड को एक पुरुष मान करके उसके अस्तित्व के लिए उसके समस्त अंगों, समस्त भूभाग, समस्त सीमा से संबंध राष्ट्र, समस्त जगत में उत्पन्न प्राकृतिक तत्व, वनस्पतियां, पहाड़, नदियां, झरने, खनिज आदि उस परम पुरुष के समस्त अंग हैं। इनमें आपस में संतुलन बना रहना आवश्यक है। संतुलन बिगड़ने पर ही विध्वंसकारी स्थिति उत्पन्न होती है। जिस प्रकार पुरुष के एक अंग में हुआ संक्रमण समस्त शरीर को प्रभावित करता है, उसी प्रकार विश्व के अलग-अलग भूभाग में उसके संसाधनों में यदि कोई संक्रमण होता है तो उसका असर संपूर्ण विश्व की शांति व्यवस्था, अर्थव्यवस्था, स्वास्थ्य व्यवस्था और विकास की व्यवस्था पर पड़ता है। इस प्रकार पुरुष का यह मंत्र व्यष्टि में समष्टि और समष्टि में व्यष्टि के सह-अस्तित्व का प्रतिपादन है।

सहस्त्रशीर्षा पुरुषः सहस्त्राक्षः सहस्त्रापात्। स भूमिं विश्वतो वृत्वात्यतिष्ठद्दशांगुलम्॥ ऋग्वेद १०.९०.१

भावार्थ : वह परम पुरुष अनंत शीश, अनंत आंखें और अनंत पैरों वाला है। वह इस संपूर्ण पृथ्वी और ब्रह्मांड को सब ओर से व्याप्त करके भी दसों दिशाओं से परे विद्यमान है।

पुरुष एवेदं सर्वं यद्भूतं यच्च भाव्यम्। उतामृतत्वस्येशानो यदन्नेनातिरोहति॥ ऋग्वेद १०.९०.२

भावार्थ : जो कुछ बीत चुका है और जो कुछ भविष्य में होने वाला है, वह सब केवल वही विराट पुरुष है। वही अमरत्व का स्वामी है। वर्तमान में विश्व में चल रहे कई देशों के बीच युद्ध के परिप्रेक्ष्य में पुरुष सूक्त का दर्शन एकात्मता का बोध कराता है। पुरुष सूक्त का मूल सिद्धांत है कि संपूर्ण संसार एक ही शरीर के समान है। यदि शरीर के एक अंग में चोट लगती है, तो उसकी पीड़ा पूरे शरीर को भुगतनी पड़ती है। रूस और यूक्रेन, अमेरिका, ईरान और इजरायल—युद्धरत सभी देश और वहां के नागरिक इसी एक विराट पुरुष के अभिन्न अंग हैं। जब रूस और यूक्रेन आदि देशों के बीच युद्ध होता है, तो यह केवल दो देशों का संघर्ष नहीं रहता, बल्कि यह उस विराट पुरुष के अपने ही अंगों का आपस में टकराने जैसा है। इस युद्ध से उत्पन्न खाद्यान्न संकट, ऊर्जा संकट, वैश्विक आर्थिक मंदी और मानवीय पीड़ा यह सिद्ध करती है कि एक राष्ट्र की अशांति संपूर्ण विश्व को प्रभावित करती है। यह उसी प्रकार है जैसे एक अंग के संक्रमित होने का असर न केवल दूसरे अंगों में पड़ता है बल्कि संपूर्ण शरीर में संक्रमण शुरू हो जाता है, फलतः शरीर व्याधि से पीड़ित और विनाशकारी दशा को प्राप्त होता है। इस प्रकार से यदि एक देश दूसरे देश से टकराता है तो इसका असर संपूर्ण विश्व पर पड़ने लगता है।

यदि वैश्विक नेता और मानव जाति पुरुष सूक्त के इस दर्शन को समझें कि हम सब एक ही चेतना से जुड़े हैं, तो अज्ञान, अहंकार और भू-राजनीतिक स्वार्थों के कारण होने वाली हिंसा समाप्त हो सकती है। किसी दूसरे राष्ट्र को हानि पहुंचाना वास्तव में स्वयं को ही हानि पहुंचाना है। सर्व-कल्याण की भावना और ऋग्वेद के संज्ञान सूक्त में भी ऋषियों की मीमांसा इस तथ्य का समर्थन करती है और इसी विचारधारा के तहत विषयों की मीमांसा इस निष्कर्ष पर पहुंचती है कि हम सभी सुखी रहें, निरापद रहें, सभी का कल्याण हो, संसार में कोई भी दुखी नहीं रहे। लोकप्रिय श्लोक 'सर्वे भवन्तु सुखिनः सर्वे सन्तु निरामयाः' वैदिक परंपरा की मूल आत्मा को दशार्ता है। ऋग्वेद में इसी 'विश्व-बंधुत्व' और 'सर्व-कल्याण' की भावना को संज्ञान सूक्त, ऋग्वेद १०.१९१ के रूप में अमर वाणी दी गई है, जो समाज और वैश्विक समुदाय में एकता, समानता और संवाद का महान संदेश देता है।

संगच्छध्वं संवदध्वं सं वो मनांसि जानताम्। देवा भागं यथा पूर्वे सञ्जानाना उपासते॥ ऋग्वेद १०.१९१.२

भावार्थ : तुम सब एक साथ मिलकर चलो, एक स्वर में बोलो, संवाद करो और तुम्हारे मन एक समान, एकजुट होकर विचार करें। जिस प्रकार प्राचीन काल में ज्ञानी देवजन एकमत होकर अपना-अपना कर्तव्य निभाते थे, उसी प्रकार तुम भी मिल-जुलकर रहो।

समानी व आकूतिः समाना हृदयानि वः। समानमस्तु वो मनो यथा वः सुसहासति॥ ऋग्वेद १०.१९१.४

भावार्थ : तुम्हारे संकल्प एक समान हों, तुम्हारे हृदय समान भाव वाले हों और तुम्हारा मन एक हो ताकि तुम्हारे बीच सुदृढ़ एकता और सहकारिता बनी रहे।

विश्व में चल रहे देशों के बीच युद्ध जैसी विनाशकारी, विप्लवकारी स्थितियों का समाधान शस्त्रों से नहीं, बल्कि ऋग्वेद के 'संवदध्वम' अर्थात आपस में संवाद करो के सिद्धांत से ही संभव है। संज्ञान सूक्त स्पष्ट करता है कि शांति केवल युद्धविराम से नहीं आती, बल्कि मन और संकल्पों के मिलन से आती है, जहां दोनों पक्ष एक-दूसरे के अस्तित्व और अधिकारों का सम्मान करें। वैदिक ऋषियों ने हजारों वर्ष पूर्व जिस वैश्विक दृष्टि का निर्माण किया था, वह आज के आधुनिक युग में और भी अधिक प्रासंगिक हो गई है। पुरुष सूक्त हमें आध्यात्मिक एवं पारिस्थितिक दृष्टि देता है। यह सिखाता है कि रूस, यूक्रेन या विश्व का कोई भी कोना हो—सब एक ही परम चेतना का विस्तार हैं। जब हम दूसरों में भी अपना ही स्वरूप देखते हैं, तो हिंसा और युद्ध का आधार ही समाप्त हो जाता है। संज्ञान सूक्त हमें व्यावहारिक एवं कूटनीतिक मार्ग दिखाता है। यह बल देता है कि विवादों का निपटारा युद्ध से नहीं, बल्कि मेज पर बैठकर संवाद और सह-अस्तित्व की भावना से होना चाहिए। जब मानव जाति पुरुष सूक्त के 'एकत्व' और संज्ञान सूक्त के 'सद्भाव व संवाद' को अपनाएगी, तभी 'सर्वे भवन्तु सुखिनः' अर्थात सभी सुखी हों का स्वप्न व्यावहारिक रूप में साकार हो सकेगा।

ये लेखक के अपने विचार हैं तरुणमित्र का इससे सहमत होना आवश्यक नहीं है।

आज का राशिफल

मेष- आपके पूंजीगत निवेशों से भी लाभ होगा। पारिवारिक उत्तरदायित्व अधिक रहेंगे। पदोन्नति मिलने का योग हैं। आमदनी में वृद्धि होगी। यात्रा में सावधानी बरतें।

वृष- संतान की ओर से हर्ष के प्रसंग बनेंगे। समय को देखकर कार्य करना ज्यादा हितकर रहेगा। परिश्रम अधिक करना पड़ेगा तभी आप लाभ की आशा कर सकते हैं। कार्य क्षेत्र में पदोन्नति के योग बनेंगे।

मिथुन- पुरूषार्थ और कर्म बल पर आपको सफलता मिलेगी। व्यवसायिक क्षेत्र में आप वर्तमान क्षमता को बढ़ाएंगे। उपक्रम का विस्तार करने का प्रयास सफल होगा। आप अच्छी सफलताएं प्राप्त करेंगे।

कर्क- मित्तव्यता रखें क्योंकि रुपये-पैसों की सुविधा आगे मिले न मिले। व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। संतोष से सफलता मिलेगी। कार्यक्षेत्र में स्थिति सामान्य ही रहेगी। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा।

सिंह- निकटस्त व्यक्ति का सहयोग काम को गति दिला देगा। यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। कामकाज में बाधा को दूर करेंगे। सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बन जाएगी।

कन्या - कार्यारम्भ से पहले उचित मूल्याकंन कर लें। मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। पर-प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए।

तुला- ज्ञानीजनों का सानिध्य प्राप्त होगा। आध्यात्मिक वातावरण बनेगा। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा।

वृश्चिक- विवादों व मुकदमेबाजी से राहत मिलेगी। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा।

धनु- अवरुद्ध कार्य सम्पन्न होंगे। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। आय-व्यय की स्थिति समान्य रहेगी। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी।

मकर- ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। खान-पान में सावधानी रखें। व्यापार में प्रगति होगी। भ्रातृपक्ष में विरोध की संभावना है।

कुम्भ- हरि करे सो खरी। अतः हानि का कोई भय नहीं, यथावत कार्य जारी रखें। व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। आलस्य का त्याग करें। पुरुषार्थ का सहारा लें। कार्यसिद्धि होने में देर नहीं लगेगी। आर्थिक लाभ उत्तम रहेगा।

मीन- मुंह मांगी मुराद मिलेगी यानि इच्छित फल की प्राप्ति होगी। मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने के प्रयास सफल होंग। धार्मिक कार्य में समय व धन व्यय होगा।

पं0 सुभाष पाण्डेयः हस्तरेखा विशेषज्ञ, मो. 8808052918

बिलासपुर के घोंघा नदी में बहने से तीन बच्चों की मौत

स्कूल से लौटते समय हुआ हादसा, घटना के बाद पूरे गांव में पसरा मातम

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ के बिलासपुर जिले के तखतपुर थाना क्षेत्र के ग्राम पंचायत समडील में घोंघा नदी पार करते समय तेज बहाव की चपेट में आए तीन बच्चों की मौत हो गई। हादसे के बाद जिला प्रशासन और एसडीआरएफ की रेस्क्यू टीम ने तलाश अभियान चलाकर तीनों बच्चों के शव नदी से बरामद कर लिए हैं। घटना के बाद पूरे गांव में मातम पसरा हुआ है।

जानकारी के अनुसार, गांव के तीन बच्चे शनिवार को स्कूल गए थे। स्कूल से छुट्टी होने के बाद तीनों बच्चे घर लौट रहे थे। रास्ते में घोंघा नदी पड़ती है। नदी पार करते समय अचानक तेज बहाव की चपेट में आने से तीनों बच्चे बह गए।

परिजनों के मुताबिक, बच्चे रोजाना स्कूल आने-जाने के लिए दूसरे रास्ते का इस्तेमाल करते थे। हादसे वाले दिन स्कूल पहुंचने में देरी हो रही थी, इसलिए बच्चों ने नदी वाले रास्ते से जाने का फैसला किया। छुट्टी के बाद घर लौटते समय भी वे इसी रास्ते से नदी पार कर रहे थे, तभी हादसा हो गया।

ग्रामीणों ने बताया कि शनिवार सुबह जब बच्चे स्कूल गए थे, तब घोंघा नदी में पानी का स्तर काफी कम था। लेकिन दिनभर लगातार बारिश होने के कारण दोपहर बाद नदी का जलस्तर तेजी से बढ़ गया और बहाव भी काफी तेज हो गया। बच्चों को पानी के बढ़े हुए स्तर और तेज बहाव का अंदाजा नहीं हो सका और वे हादसे का शिकार हो गए।

हादसे की जानकारी मिलते ही बड़ी संख्या में ग्रामीण नदी के पास पहुंच गए। लोगों ने पहले अपने स्तर पर बच्चों की तलाश शुरू की और पुलिस को सूचना दी। इसके बाद प्रशासन और रेस्क्यू टीम मौके पर पहुंची और सर्च ऑपरेशन शुरू किया गया। जांच अधिकारी अविनाश पासवान ने रविवार को बताया कि तीनों बच्चे स्कूल से घर लौटते समय घोंघा नदी के तेज बहाव में बह गए थे। लापता बच्चों की तलाश के लिए एसडीआरएफ की टीम को लगाया गया था। रेस्क्यू अभियान के दौरान आज तीनों बच्चों के शव नदी से बरामद कर लिए गए हैं।

हादसे के बाद समडील गांव में शोक का माहौल है। बच्चों के परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। लगातार बारिश के कारण क्षेत्र की नदी-नालियों में बढ़ते जलस्तर को देखते हुए प्रशासन ने लोगों से अपील की है कि वे जान जोखिम में डालकर नदी, नाले या तेज बहाव वाले रास्तों को पार न करें।

पुलिस ने हथियार व कारतूस जब्त कर आरोपी को दबोचा

कोरबा। जिले में कबाड़ के अवैध कारोबार के बीच हथियारों का कनेक्शन सामने आया है। कोतवाली पुलिस ने कबाड़ी प्रहलाद साहू के पास से पांच जिंदा कारतूस और एक पुरानी जंग लगी पिस्टल बरामद की है। पुलिस ने हथियार और कारतूस जब्त कर आरोपी के खिलाफ आर्म्स एक्ट के तहत मामला दर्ज किया है। कार्रवाई के बाद कबाड़ कारोबार से जुड़े लोगों में हड़कंप मच गया है।

मामले की जानकारी देते हुए कोरबा सीएसपी प्रतीक चतुर्वेदी ने बताया कि पुलिस को सूचना मिली थी कि कबाड़ी प्रहलाद साहू की कबाड़ से भरी गाड़ी में जिंदा कारतूस और पिस्टल रखी हुई है। सूचना मिलते ही कोतवाली पुलिस टीम मौके पर पहुंची और संदिग्ध वाहन की तलाशी ली। तलाशी के दौरान पुलिस को कबाड़ के सामान के बीच पांच जिंदा राउंड और एक पुरानी जंग लगी पिस्टल मिली। पुलिस ने तत्काल हथियार और कारतूस को जब्त कर लिया। आरोपी से पूछताछ की जा रही है कि ये हथियार और कारतूस कबाड़ में कहां से पहुंचे और इन्हें किस उद्देश्य से रखा गया था। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ आर्म्स एक्ट के तहत अपराध दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी है। वहीं, कबाड़ से संबंधित सामान को लेकर बीएनएसएस की धारा 106 के तहत भी कार्रवाई की गई है। पुलिस अब हथियारों के स्रोत और आरोपी के संभावित नेटवर्क की जांच कर रही है। इस कार्रवाई के बाद जिले में संचालित कबाड़ कारोबार को लेकर एक बार फिर सवाल उठने लगे हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि औद्योगिक क्षेत्रों के आसपास संचालित कबाड़ दुकानों की नियमित जांच की जरूरत है।

डिजिटल दौर में नेटवर्क ही विकास की कुंजी: ज्योत्स्ना महंत

कोरबा। कोरबा लोकसभा क्षेत्र के शहरी अंचलों से लेकर दूरस्थ ग्रामीण इलाकों में बदहाल मोबाइल नेटवर्क की समस्या को दूर करने के लिए क्षेत्रीय सांसद श्रीमती ज्योत्स्ना चरणदास महंत ने कड़ा रुख अपनाया है। सांसद महंत ने अपने कोरबा स्थित निवास पर दूरसंचार विभाग और भारत संचार निगम लिमिटेड (बीएसएनएल) के उच्च अधिकारियों की आपात समीक्षा बैठक बुलाई और नेटवर्क कनेक्टिविटी के मुद्दे पर अफसरों की क्लास ली। इस समीक्षा बैठक में रामपुर, पाली-तानाखार, कटघोरा, मरवाही और कोरिया जिले के वनांचल तथा अति-दूरस्थ (इंटीरियर) क्षेत्रों में कनेक्टिविटी की वर्तमान स्थिति पर विस्तार से चर्चा की गई।

सांसद ज्योत्स्ना महंत ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि जिन ग्रामीण व शहरी इलाकों में नेटवर्क कमजोर है या पूरी तरह ठप है, वहां तत्काल प्रभाव से तकनीकी सर्वे कराया जाए। उन्होंने स्पष्ट किया कि जरूरत के अनुसार नए मोबाइल टावर स्थापित किए जाएं और वर्तमान में स्थापित टावरों की क्षमता बढ़ाने की दिशा में तुरंत कार्रवाई हो। सांसद ने दूरस्थ क्षेत्रों में लगे बीएसएनएल टावरों के सुचारु संचालन और नियमित रखरखाव को सुनिश्चित करने के कड़े निर्देश दिए। बैठक में नेटवर्क को आज के दौर की अनिवार्य आवश्यकता बताते हुए, सांसद ने कहा कि डिजिटल युग में बेहतर नेटवर्क ग्रामीण विकास का मुख्य स्तंभ है। आज ग्रामीणों की पढ़ाई, स्वास्थ्य सेवाएं, ऑनलाइन बैंकिंग, रोजगार और सरकारी जनकल्याणकारी योजनाओं तक पहुंच पूरी तरह नेटवर्क पर निर्भर है। उन्होंने चिंता जताई कि नेटवर्क न होने के कारण आपातकालीन स्थितियों में ग्रामीणों को चिकित्सा और प्रशासनिक मदद पाने में भारी मशक्कत करनी पड़ती है।

संक्षिप्त समाचार

करंट की चपेट में आने से महिला की मौत

बिलासपुर। बिलासपुर जिले में करंट की चपेट में आने से महिला की मौत हो गई। मृतिका की पहचान धनेश्वरी यादव के रूप में हुई है। घटना पचपेड़ी थाना क्षेत्र के कुकुदीकेंरा गांव की है। जानकारी के अनुसार, धनेश्वरी यादव अपने घर में थी, शनिवार की रात करीब 10 बजे वह करंट की चपेट में आई। परिजनों की सूचना पर महिला को गंभीर हालत में एंबुलेंस की मदद से अस्पताल पहुंचाया गया, जहां जांच के बाद डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। घटना की सूचना मिलने पर पचपेड़ी पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है। महिला घर में किस विद्युत उपकरण या खुले तार के संपर्क में आईं, यह फिलहाल स्पष्ट नहीं है। पुलिस जांच के बाद हादसे की वजह सामने आने की बात कही जा रही है।

नगरीय निकायों को एल्डरमैन निधि के 9.44 करोड़ जारी

रायपुर। राज्य शासन के नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग ने नगरीय निकायों हेतु कुल 9 करोड़ 44 लाख 25 हजार रुपए की एल्डरमैन निधि जारी की है। चालू वित्तीय वर्ष 2026-27 के अंतर्गत एल्डरमैन निधि की प्रथम किस्त की 50 प्रतिशत राशि विभाग द्वारा जारी की गई है। इस मद से मनोनीत पार्षदों (एल्डरमैन) की अनुशंसा पर विकास कार्य किए जाते हैं । उप मुख्यमंत्री तथा नगरीय प्रशासन मंत्री श्री अरुण साव के अनुमोदन के बाद विभाग ने नगरीय निकायों को ये राशि जारी कर दी है। श्री साव ने नगरीय निकायों को इस निधि का सदुपयोग करते हुए राज्य की शहरी आबादी तक योजनाओं का समुचित लाभ पहुंचाने के निर्देश दिए हैं। नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग द्वारा राज्य के 10 नगर निगमों में एल्डरमैन निधि के कुल 2 करोड़ 7 लाख रुपए जारी किए गए हैं। 53 नगर पालिकाओं में कुल 3 करोड़ 93 लाख रुपए और 102 नगर पंचायतों में कुल 3 करोड़ 44 लाख 25 हजार रुपए की एल्डरमैन निधि विभाग द्वारा जारी की गई है।

फिर उठा मजदूरों के हक का मुद्दा

कोरबा। कोयला उद्योग में मजदूरों के हित और उनके लंबित मामलों को लेकर एक बार फिर श्रमिक राजनीति तेज होती नजर आ रही है। कोयला मजदूर पंचायत एवं एचएमएस से जुड़े पदाधिकारियों की ओर से एसईसीएल प्रबंधन के समक्ष मजदूरों की मांगों और भत्तों से जुड़े मुद्दों को उठाया गया है। संगठन ने इन मामलों में प्रबंधन से आवश्यक कार्रवाई की मांग की है। पत्र में संगठन की ओर से श्रमिक हितों से जुड़े मुद्दों को लेकर प्रबंधन का ध्यान आकर्षित किया गया है। प्रतिनिधित्व के जरिए मजदूरों से संबंधित मांगों पर निर्णय और कार्रवाई की अपेक्षा जताई गई है।

स्वाइन फ्लू का पहला मामला, दो साल की बच्ची में एच वन एन वन वायरस की पुष्टि

दुर्ग। छत्तीसगढ़ के दुर्ग जिले में बरसाती सीजन में स्वाइन फ्लू का पहला मामला सामने आया है। जिले के एक निजी अस्पताल में भर्ती 2 साल 11 माह की बच्ची में एच वन एन वन वायरस की पुष्टि हुई है। इस संक्रमण की पुष्टि होने के बाद स्वास्थ्य विभाग अलर्ट मोड पर है।

डॉक्टरो के अनुसार, बच्ची को दो दिनों तक तेज बुखार और फ्लू जैसे लक्षणों के बाद अस्पताल में भर्ती कराया गया था, लेकिन डॉक्टरो की जांच और टेस्ट रिपोर्ट में बच्ची एच वन एन वन से संक्रमित पाई गई। फिलहाल निजी अस्पताल में बच्चे का इलाज विशेषज्ञ डॉक्टरों की देखरेख में किया जा रहा है।

दुर्ग के सिविल सर्जन डॉ. आशीष कुमार मिंज ने रविवार को बताया कि बच्ची को करीब दो दिन पहले तेज बुखार और दूसरे फ्लू जैसे लक्षणों के बाद अस्पताल लाया गया था। लक्षणों को देखते हुए डॉक्टरों को स्वाइन फ्लू होने की आशंका जताई। इसके बाद बच्ची की आरटी-पीसीआर जांच कराई गई। जांच रिपोर्ट में एच वन एन वन वायरस की पुष्टि हुई। रिपोर्ट मिलते ही घर पहुंची स्वास्थ्य विभाग की टीम बच्ची की जांच रिपोर्ट आने के बाद स्वास्थ्य विभाग ने उसके घर और आसपास के इलाके में निगरानी बढ़ा दी है। टीम घर-घर जाकर लोगों के स्वास्थ्य के बारे में जानकारी ले रही है। बच्ची के परिवार के दूसरे सदस्यों के भी सैंपल लिए गए हैं, जिससे यह पता लगाया जा सके कि परिवार में कोई संक्रमित तो नही है। स्वास्थ्य विभाग अब बच्ची के संपर्क में आए लोगों की जानकारी भी जुटा रहा है। ताकि संक्रमण के संभावित फैलाव को शुरूआती स्तर पर ही रोका जा सके। विभाग का कहना है कि फिलहाल स्थिति पर लगातार नजर रखी जा रही है। डॉक्टरों के अनुसार, 5 साल से कम उम्र के बच्चे फ्लू की वजह से गंभीर बीमारी के ज्यादा खतरे वाले समूह में आते हैं। फ्लू का संक्रमण खांसने, छींकने और बात करने के दौरान निकलने वाले छोटे कणों से एक व्यक्ति से दूसरे तक पहुंच सकता है। बंद और भीड़ वाली जगहों पर इसके फैलने का खतरा बढ़ सकता है।

नाबालिग ने दिया जुड़वा बच्चों को जन्म

एक की इलाज के दौरान मौत, दुष्कर्म के आरोप में युवक गिरफ्तार

सूरजपुर। सूरजपुर जिले के प्रतापपुर थाना क्षेत्र में नाबालिग से दुष्कर्म और उसके बाद जुड़वा बच्चों के जन्म का मामला सामने आया है। नाबालिग को कुछ समय बाद पेट में दर्द की शिकायत हुई थी। अस्पताल में जांच के दौरान उसके गर्भवती होने का पता चला। इसके बाद उपचार के लिए भर्ती कराया गया, जहां उसने जुड़वा बच्चों को जन्म दिया। जन्म के बाद दोनों की तबीयत खराब होने पर उन्हें चिकित्सकीय निगरानी में रखा गया। इलाज के दौरान एक बच्चे की मौत हो गई, जबकि दूसरे का उपचार जारी है।

बताया जा रहा है कि घटना के कुछ महीने बाद नाबालिग को पेट में दर्द की शिकायत हुई। परिजन उसे उपचार के लिए अस्पताल लेकर पहुंचे। जांच के दौरान चिकित्सकों को उसके गर्भवती होने की जानकारी मिली।इसके बाद अस्पताल प्रबंधन और परिजनों को मामले की जानकारी दी गई। नाबालिग को अस्पताल में भर्ती कर उपचार शुरू किया गया, जहां उसने जुड़वा बच्चों को जन्म दिया। जन्म के बाद दोनों बच्चों की तबीयत खराब होने लगी। चिकित्सकों ने उनकी स्थिति को देखते हुए उन्हें निगरानी में रखा। इसी दौरान एक बच्चे की हालत अधिक गंभीर हो गई। उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। वहीं दूसरे बच्चे का अस्पताल में इलाज जारी बताया जा रहा है। मामले की जानकारी सामने आने के बाद पुलिस ने जांच शुरू की। पुलिस के अनुसार अस्पताल से मिली सूचना के आधार पर आरोपित युवक के खिलाफ मामला दर्ज किया गया। नाबालिग से बहला-फुसलाकर दुष्कर्म करने के आरोप में पुलिस ने युवक को गिरफ्तार कर लिया है।पुलिस ने आरोपित को बीते शाम न्यायिक रिमांड पर भेज दिया है। फिलहाल मामले की जांच जारी है। पुलिस नाबालिग के बयान सहित उपलब्ध अन्य साक्ष्यों के आधार पर घटना से जुड़े तथ्यों को जुटा रही है।

सूरजपुर एसडीओपी अभिषेक पैकरा ने बताया कि, नाबालिग पीड़िता को बहला फुसलाकर आरोपित के द्वारा उससे शारीरिक संबंध बनाया गया था। इसके बाद नाबालिग प्रेगनेंट हो गई थी। पेट में जब दर्द बढ़ा तब उसे जिला अस्पताल अंबिकापुर में भर्ती कराया गया। जहां उसने दो जुड़वा बच्चियों को जन्म दिया, जहां एक बच्ची का तबियत खराब हो गया और इलाज के लिए रायपुर मेकाहारा रेफर कर दिया था। जहां नवजात बच्ची की मौत हो गई थी। डॉक्टरों के द्वारा मेमोरंडम थाना प्रतापपुर में दिया गया था। जिसके आधार पर अपराध पंजीबद्ध किया गया। और मामले में आरोपित को बीते शाम गिरफ्तार कर लिया गया । घटना ने एक बार फिर नाबालिगों की सुरक्षा और उनके खिलाफ होने वाले अपराधों को लेकर गंभीर सवाल खड़े किए हैं। पुलिस का कहना है कि जांच में सामने आने वाले तथ्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

सूने मकान में लाखों की चोरी

कोरबा। जिले के उरगा थाना क्षेत्र के खरवानी गांव में बीती रात चोरों ने एक सूने मकान को निशाना बनाकर नगदी समेत लाखों रुपये का सामान चोरी कर लिया। चोरी की वारदात के बाद चोरों ने घर के किचन में लगे गैस सिलेंडर का रेगुलेटर खुला छोड़ दिया। घर लौटने पर परिजनों को गैस की तेज बदबू आई, जिसके बाद उन्होंने तत्काल खिड़की-दरवाजे खोलकर गैस बंद की। समय रहते सतर्कता बरतने से बड़ी अनहोनी टल गई। जानकारी के अनुसार, पीड़ित परिवार पारिवारिक कार्यक्रम में शामिल होने के लिए घर से बाहर गया हुआ था। इसी दौरान अज्ञात चोरों ने मकान का ताला तोड़ा और अंदर प्रवेश कर दिया।

नौ लाख रुपये ठगी करने वाले पांच आरोपी गिरफ्तार

सूरजपुर। जेल में हुई पहचान के बाद दोस्ती और फिर ठगी की साजिश रचने का मामला सूरजपुर में सामने आया है। पुलिस ने रकम दोगुनी करने का झांसा देकर एक युवक से 9 लाख रुपये ठगने वाले पांच आरोपितों को शनिवार की देर शाम गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपितों के कब्जे से मोबाइल फोन और सिम कार्ड भी जब्त किए हैं।

मामला रामानुजनगर थाना क्षेत्र के ग्राम मांजा का है। यहां रहने वाले अमन साहू ने पुलिस को शिकायत दी कि गांव के मनधुज साहू उर्फ पिंटू साहू ने उसे पैसे दोगुने करने वाली योजना के बारे में बताया था। शुरूआत में अमन ने इसमें पैसा लगाने से इनकार कर दिया, लेकिन आरोप है कि मनधुज लगातार मोबाइल फोन के जरिए उससे संपर्क करता रहा और रकम दोगुनी होने का लालच देता रहा। आखिरकार अमन आरोपित के झांसे में आ गया। उसने अपने व्यवसाय में जमा 5.50 लाख रुपये निकाले और परिचितों से 3.50 लाख रुपये जुटाए। इस तरह उसने कुल 9 लाख रुपये तैयार किए।

शिकायत के मुताबिक 3 जून को अमन साहू, पंकज साहू के साथ आरोपितों के बताए स्थान पर पहुंचा। दोनों मानपुर चौक से आगे बाइपास रोड पर पहुंचे, जहां अमन ने आरोपियों को 9 लाख रुपये सौंप दिए। रकम देने के बाद जब उसे न तो पैसे वापस मिले और न ही रकम दोगुनी हुई, तब उसे ठगी का एहसास हुआ। इसके बाद उसने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई।

सूरजपुर एसडीओपी अभिषेक पैकरा ने आज रविवार को बताया कि मामले की जांच के दौरान पुलिस ने तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर मनधुज साहू उर्फ पिंटू को हिरासत में लेकर पूछताछ की। पुलिस के अनुसार पूछताछ में मनधुज ने बताया कि, वर्ष 2023 में जेल में रहने के दौरान उसकी पहचान उत्तर प्रदेश के वाराणसी निवासी राजेश सिंह पटेल से हुई थी। जेल से बाहर आने के बाद दोनों के बीच संपर्क बना रहा। इसके बाद राजेश और उसके साथियों के साथ मिलकर रकम दोगुनी करने के नाम पर लोगों से ठगी करने की योजना बनाई गई।

पुलिस ने मामले में मुख्य आरोपित मनधुज साहू उर्फ पिंटू सहित कुल पांच आरोपितों को बीते शाम गिरफ्तार किया है। आरोपितों के पास से मोबाइल फोन और सिम कार्ड जब्त किए गए हैं। पुलिस अब आरोपितों से जुड़े अन्य लोगों और इस तरह की ठगी के दूसरे मामलों के संबंध में भी जानकारी जुटा रही है। पुलिस का कहना है कि मामले में तकनीकी साक्ष्यों और आरोपितों से मिली जानकारी के आधार पर आगे की जांच की जा रही है।

उबका बांध के नीचे से लगातार निकल रहा पानी, घरों पर मंडरा रहा संकट

बलरामपुर। छत्तीसगढ़ के बलरामपुर जिले में लगातार हो रही बारिश के बीच रामचन्द्रपुर विकासखंड के ग्राम पंचायत नीलकंठपुर स्थित उबका बांध से पानी का रिसाव शुरू होने के बाद ग्रामीणों की चिंता बढ़ गई है। बांध के निचले हिस्से से लगातार पानी बाहर निकल रहा है। बारिश का दौर जारी रहने के कारण ग्रामीणों को आशंका है कि यदि रिसाव बढ़ा तो बांध की संरचना पर दबाव बढ़ सकता है और स्थिति गंभीर हो सकती है।

ग्रामीणों का कहना है कि समय रहते बांध की मरम्मत नहीं की गई तो करीब 100 एकड़ में लगी फसल को नुकसान पहुंच सकता है। इसके अलावा बांध के नीचे किनारे बसे करीब 10 से 15 घर भी संभावित खतरे की चपेट में आ सकते हैं। उबका बांध का निर्माण वर्ष 2008 में कराया गया था। आसपास के किसानों के लिए यह बांध सिंचाई का महत्वपूर्ण स्त्रोत है और क्षेत्र की खेती काफी हद तक इसी जलस्त्रोत पर निर्भर है।

ग्रामीणों के अनुसार, इस वर्ष बारिश के दौरान बांध के निचले हिस्से से पानी रिसना शुरू हुआ है। पानी लगातार बांध के नीचे से रास्ता बनाकर बाहर निकल रहा है। बारिश जारी रहने के कारण ग्रामीणों को डर है कि रिसाव और बढ़ सकता है। ग्रामीणों के मुताबिक उबका बांध वर्ष 2017 में भी क्षतिग्रस्त हुआ था। उस समय इसकी जानकारी शासन-प्रशासन को दी गई थी, लेकिन तत्काल सहायता नहीं मिलने के बाद ग्रामीणों ने आपस में चंदा जुटाकर वर्ष 2018 में इसकी मरम्मत कराई थी। ग्रामीणों का कहना है कि इस बार जिस स्थान से पानी का रिसाव हो रहा है, वह 2017 में क्षतिग्रस्त हुए हिस्से से कुछ आगे है। ऐसे में पुरानी घटना को याद कर ग्रामीणों की चिंता और बढ़ गई है। ग्रामीण सुरेंद्र यादव ने आज रविवार को बताया कि बारिश शुरू होने के बाद से बांध के नीचे से लगातार पानी निकल रहा है। उन्होंने कहा कि यदि समय रहते इसकी मरम्मत नहीं की गई तो बांध टूटने का खतरा पैदा हो सकता है। ग्रामीणों के मुताबिक बांध में रिसाव की जानकारी कलेक्टर और संबंधित विभागों को दी गई। शिकायत के बाद एसडीएम, तहसीलदार, वन विभाग के कर्मचारियों सहित अन्य अधिकारी-कर्मचारी मौके पर पहुंचे और बांध की स्थिति का निरीक्षण किया। ग्रामीणों का कहना है कि बांध टूटने की स्थिति में करीब 100 एकड़ फसल प्रभावित होने के साथ किनारे बसे घरों को खतरा है और जनहानि की भी संभावना है। रामचन्द्रपुर कांग्रेस मंडल अध्यक्ष राजेंद्र श्रीवास ने कहा कि उबका बांध नीलकंठपुर और आसपास के किसानों के लिए बेहद महत्वपूर्ण है। बांध के पानी से बड़ी संख्या में किसान अपनी खेती की सिंचाई करते हैं। उन्होंने कहा कि बांध में रिसाव की जानकारी प्रशासन और संबंधित विभागों को दी गई है। अब जरूरी है कि इसकी तत्काल मरम्मत कराई जाए, ताकि किसानों की फसल और ग्रामीणों की सुरक्षा सुनिश्चित हो सके।

उन्होंने आरोप लगाया कि बांध की मरम्मत के लिए ग्राम पंचायत के सरपंच और सचिव से मदद मांगी गई थी, लेकिन फंड उपलब्ध नहीं होने की बात कही गई। ग्रामीणों ने जेसीबी लगाकर मरम्मत का प्रयास भी किया। इस दौरान सरपंच की ओर से दो हजार रुपये दिए जाने की बात कही गई है। ग्रामीण उबका बांध की मौजूदा स्थिति को लेकर इसलिए भी चिंतित हैं क्योंकि पिछले वर्ष बलरामपुर विकासखंड के ग्राम लुत्ती में 2 और 3 सितंबर की दरमियानी रात भारी बारिश के दौरान करीब 40 साल पुराना लुत्ती बांध टूट गया था। इस घटना में पानी में डूबने से कई लोगों की मौत हुई थी और बड़ी संख्या में मवेशी भी बह गए थे। यही वजह है कि ग्रामीण उबका बांध में हो रहे रिसाव को गंभीरता से लेने की मांग कर रहे हैं।

ग्रामीणों का कहना है कि बांध में रिसाव अभी छोटा दिखाई दे रहा है, लेकिन लगातार बारिश के बीच इसे नजरअंदाज करना भारी पड़ सकता है। लोगों ने बांध की तकनीकी जांच कराने और जरूरत के मुताबिक तत्काल मरम्मत कराने की मांग की है। फिलहाल ग्रामीणों की नजर प्रशासन की अगली कार्रवाई पर है। सबसे बड़ा सवाल यही है कि बारिश और जलस्तर बढ़ने से पहले बांध को सुरक्षित करने के लिए कितनी जल्दी ठोस कदम उठाए जाते हैं।

कम लागत में राखियां बनाकर आत्मनिर्भरता की राह पर बढ़ रहीं बिहान की महिलाएं

रायपुर। छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन बिहान से जुड़कर ग्रामीण महिलाएं समूह के माध्यम से विभिन्न आजीविका गतिविधियों को अपनाते हुए आर्थिक रूप से सशक्त और आत्मनिर्भर बन रही हैं। छत्तीसगढ़ के सरगुजा जिले के अम्बिकापुर विकासखंड के ग्राम पंचायत किशुन नगर की जय मां दुर्गा स्वयं सहायता समूह की महिलाएं भी इसी बदलाव की प्रेरक मिसाल बनकर उभरी हैं। समूह की महिलाएं मौसम और त्योहारों के अनुरूप सीजनल गतिविधियों का चयन कर अपनी आय के नए अवसर तैयार कर रही हैं।

रक्षाबंधन पर्व को देखते हुए इन दिनों समूह की महिलाएं घर में उपलब्ध सामग्री और स्थानीय संसाधनों से आकर्षक राखियां तैयार कर रही हैं। चावल, गेहूं, मक्का और कोहड़े के बीज सहित अन्य सामग्री को रंगकर और सजाकर सुंदर राखियां बनाई जा रही हैं। वहीं रेशमी धागे, ऊन और अन्य सजावटी सामग्री आवश्यकतानुसार बाजार से खरीदी जाती है। इससे राखियों की उत्पादन लागत कम रहती है और महिलाओं को बेहतर आय अर्जित करने का अवसर मिलता है। समूह की सदस्य सुश्री सोनाली सिंह ने रविवार को बताया कि जय मां दुर्गा स्वयं सहायता समूह में कुल 12 महिलाएं हैं। सभी सदस्य मिलकर अलग-अलग मौसम और त्योहारों के अनुरूप आजीविका गतिविधियों का संचालन करती हैं। वर्तमान में राखी निर्माण का कार्य किया जा रहा है। तैयार राखियों को विभिन्न स्थानों पर स्टॉल लगाकर तथा घर से भी बेचा जा रहा है।

राखी का रिश्ता, भरोसे का साथ-विष्णु भैया संग विकास की बात

उन्होंने बताया कि बिहान योजना से जुड़ने से पहले महिलाओं के पास आय के सीमित साधन थे। स्वयं सहायता समूह से जुड़ने के बाद उन्हें प्रशिक्षण, योजनाओं और विभिन्न आजीविका गतिविधियों से जुड़ने का अवसर मिला। इससे महिलाओं में आत्मविश्वास बढ़ा और वे आर्थिक गतिविधियों में सक्रिय भागीदारी करने लगीं।

समूह की सदस्य सुश्री दीप्ति चौधरी बताती हैं कि राखी निर्माण में घरेलू सामग्री का उपयोग किया जा रहा है। पुराने बीज, चावल, गेहूं और मक्के के दानों को आकर्षक रंग देकर उनसे अलग-अलग डिजाइन तैयार किए जाते हैं। इसके साथ रेशमी धागे, ऊन और अन्य सजावटी सामग्री का उपयोग कर राखियों को आकर्षक रूप दिया जाता है।

समूह की महिलाएं अपने खाली समय में एक साथ बैठकर राखियां तैयार करती हैं। त्योहार के दौरान मांग बढ़ने पर उत्पादन भी बढ़ा दिया जाता है। तैयार राखियों की बिक्री बाजार में लगाए गए छोटे-छोटे स्टॉल और घर से की जा रही है। इस तरह महिलाएं पारिवारिक जिम्मेदारियों के साथ अपने हुनर को आय के साधन में बदल रही हैं।

समूह की सदस्य आशा रवि ने बताया कि समूह की महिलाएं पिछले लगभग तीन वर्षों से कम लागत में घरेलू सामग्री से राखियां तैयार कर रही हैं। समूह की सभी महिलाएं मिलकर इस कार्य में भागीदारी करती हैं। उन्होंने कहा कि बिहान योजना से जुड़ने के बाद उन्हें रोजगार और आजीविका की विभिन्न गतिविधियों से जुड़ने का अवसर मिला है। उन्होंने बताया कि समूह से जुड़ने से महिलाओं को नई गतिविधियां सीखने, घर से बाहर निकलकर आर्थिक कार्यों में भागीदारी करने और अपनी अलग पहचान बनाने का अवसर मिला है। इससे महिलाओं के आत्मविश्वास के साथ-साथ परिवार की आर्थिक स्थिति को मजबूत करने में भी मदद मिल रही है।

जय मां दुर्गा स्वयं सहायता समूह की महिलाएं वर्षभर मौसम और त्योहारों के अनुरूप अलग-अलग गतिविधियों का चयन करती हैं। इससे उन्हें एक ही व्यवसाय पर निर्भर रहने के बजाय आय के अनेक अवसर मिलते हैं। समूह के माध्यम से सामूहिक रूप से कार्य करने से उत्पादन, प्रशिक्षण, बाजार और बिक्री में भी एक-दूसरे का सहयोग मिलता है। राखी निर्माण जैसी गतिविधियों ने महिलाओं को यह अवसर दिया है कि वे घर और आसपास उपलब्ध संसाधनों का उपयोग कर कम लागत में उत्पाद तैयार करें और उन्हें बाजार तक पहुंचाकर आय अर्जित करें। यह पहल स्थानीय संसाधनों के बेहतर उपयोग के साथ महिला उद्यमिता को भी बढ़ावा दे रही है। जय मां दुर्गा स्वयं सहायता समूह की महिलाओं ने बिहान योजना के माध्यम से आजीविका के अवसर उपलब्ध कराने के लिए मुख्यमंत्री विष्णु देव साय एवं प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के प्रति आभार व्यक्त किया। महिलाओं ने कहा कि समूह से जुड़ने के बाद उन्हें आर्थिक रूप से सशक्त होने, अपने हुनर को पहचान देने और आत्मनिर्भर बनने का अवसर मिला है।

स्वामी, तरुणमित्र मीडिया प्रा. लिमिटेड, प्रकाशक : योगेन्द्र विश्वकर्मा द्वारा प्रदेश वॉच मीडिया ग्रुप 11- प्रेस काम्प्लेक्स जोन-1 एमपी भोपाल से मुद्रित व एमपी-1 से प्रकाशित संपादक : योगेन्द्र विश्वकर्मा, स्थानीय संपादक- आर पी सिंह Mobile-91-9893982060,
Email-mptmnp@gmail.com, website. www.tarunmitra.in RNI NO-MPHIN/2021/79825* इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के तहत उत्तरदायी। समस्त विवाद भोपाल न्यायालय के अधीन होंगे।

रसोइया सम्मान समारोह: पीएम पोषण योजना के तहत मानदेय बढ़ोत्तरी एवं चिकित्सा कैशलेस कार्डों का हुआ वितरण

बांदा, 23 अगस्त (तरुणमित्र)। परिषदीय विद्यालयों में पीएम पोषण योजना के अर्न्तगत कार्यरत रसोईयों का सम्मान कार्यक्रम एवं चिकित्सीय कैशलेस कार्ड वितरण समारोह कार्यक्रम का आयोजन लखनऊ के जुपिटर हॉल इन्दिरा गाँधी प्रतिष्ठान गोमती नगर लखनऊ में मुख्यमंत्री उ0प्र0 द्वारा किया गया गया। लखनऊ में आयोजित मुख्यमंत्री के कार्यक्रम का सजीव प्रसारण जनपद बाँदा के रानी दुर्गावती सभागार विकास भवन में दिखाया गया। कार्यक्रम में जनपद के प्रत्येक विकास खण्ड से चिन्हित रसोईयों द्वारा प्रतिभाग किया गया।

प्रतिभागित रसोईयों को मुख्य अतिथि श्रीमती मालती गुप्ता बासू नगर पालिका अध्यक्षा, बाँदा द्वारा चिकित्सीय कैशलेस कार्ड के प्रतीकात्मक कार्ड एवं बढ़े हुये मानदेय के प्रतीकात्मक चेक के वितरण के साथ सम्मानित भी किया गया। सीधे प्रसारण में मुख्यमंत्री द्वारा अपने उद्बोधन में कहा गया कि पहले रसोईयों को दो हजार रुपए प्रतिमाह मानदेय प्राप्त होता था। सरकार ने रसोईयों के हितों को ध्यान में रखते हुये दो हजार प्रतिमाह के मानदेय में वृद्वि करते हुये प्रतिमाह तीन हजार रुपए प्रदान किया गया है। बढ़े हुये मानदेय को सीधे डीबीटी के माध्यम से रसोईयों के बैंक खातों में हस्तान्तरित होगा। मानदेय में वृद्वि के साथ ही रसोईयों को सामाजिक सुरक्षा देते हुये दो लाख रुपए का दुर्घटना बीमा, पाँच लाख रुपए प्रतिवर्ष के हिसाब से कैशलेस चिकित्सा व्यवस्था के साथ ही रसोईयों के साड़ी हेतु मिलने वाली धनराशि को दुगुना करते हुये एक हजार रुपए प्रतिवर्ष किया गया है। चूंकि रसोईयों के द्वारा परिषदीय विद्यालयों के बच्चों को पौष्टिक भोजन पकाकर उनके स्वास्थ्य के साथ ही देश के भविष्य को सराहा जा रहा है। दो लाख रुपए के दुर्घटना बीमा से विशेष परिस्थिति उत्पन्न होने पर आश्रितों को तत्काल लाभ प्राप्त होगा। बीमारी के चलते अब किसी भी रसोईया को इलाज हेतु भटकना नहीं पडेगा अब वे अपने साथ अपने परिवार को भी चिकित्सा का लाभ दे पायेंगी। बच्चों के अभिभावकों के खातों में डीबीटी के माध्यम से प्राप्त होने वाली रुपए 1200/- की धनराशि को बच्चों की दो जोड़ी यूनीफॉर्म, जूता-मोजा, स्वेटर, बैग इत्यादि में ही व्यय किये जाने हेतु अभिभावकों को शिक्षकों द्वारा जागरूक किया जाये। प्रत्येक जनपद में उच्चीकृत केजीबीवी (कक्षा 6 से 12), पी0एम0 विद्यालयों, अटल आवासीय विद्यालयों एवं सीएम अभ्युदय कम्पोजिट विद्यालयों की स्थापना की जा रही है।

मुख्य अतिथि नगर पालिका अध्यक्षा जी द्वारा भी अपने उद्बोधन में कहा गया कि सरकार द्वारा रसोईयों के हित में निर्णय लेकर मानदेय में बढ़ोत्तरी के साथ ही पाँच लाख का चिकित्सा कैशलेस कार्ड, सामाजिक सुरक्षा की गारंटी एवं परिधान हेतु धनराशि को दोगुना किया गया है।

कमीशन खोरी की भेट चढ़ा नगर पालिका राठ जलभराव ने खोली विकास कार्यों के दावों की पोल

हमीरपुर , 23 अगस्त (तरुणमित्र)। राठ नगर में बारिश ने नगर पालिका प्रशासन की जल निकासी व्यवस्था की एक बार फिर पोल खोल दी है। बड़े-बड़े विकास के दावों के बीच कस्बे के कई मोहल्ले जलभराव की समस्या से जूझते नजर आ रहे हैं। बारिश होते ही गलियां पानी से लबालब हो जाती हैं, जिससे लोगों को आवागमन में भारी परेशानी उठानी पड़ती है। हालांकि जलभराव वाले स्थानों पर मशीनों के जरिए पानी निकालने के प्रयास भी किए जा रहे हैं और नगर पालिका के कर्मचारी भी मौके पर जुटे हैं। लेकिन सवाल यह है कि जब हर साल बरसात में यही समस्या दोहराती है, तो इसका स्थायी समाधान अब तक क्यों नहीं हो सका? नगरवासियों का कहना है कि बारिश के दिनों में जलभराव की समस्या नई नहीं है। हर साल शिकायतें होती हैं, जिम्मेदारों की ओर से समाधान का भरोसा मिलता है, लेकिन बारिश थमते ही मामला फिर ठंडे बस्ते में चला जाता है। अब सवाल यह है कि आखिर नगर पालिका परिषद राठ जलभराव की इस पुरानी समस्या का स्थायी समाधान कब करेगी? क्या हर साल मशीन लगाकर पानी निकालना ही व्यवस्था का स्थायी विकल्प रहेगा, या नगर को बेहतर जल निकासी व्यवस्था भी मिलेगी?

कक्षा में सीलिंग फैन गिरने से तीन छात्र घायल,बड़ा हादसा टला

हमीरपुर, 23 अगस्त (तरुणमित्र)। सरीला कस्बा स्थित पीएम श्री राजकीय इंटर कॉलेज में आज बुधवार की दोपहर कक्षा 12-ए में पढ़ाई के दौरान अचानक छत पर लगा पंखा नीचे गिर गया। पंखे की चपेट में आने से तीन छात्र घायल हो गए। हादसे के बाद विद्यालय में अफरा-तफरी मच गई। प्रधानाचार्य ने तत्काल घायल छात्रों को सीएचसी सरीला पहुंचाया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद उनकी हालत सामान्य बताई गई।

जानकारी के अनुसार कक्षा 12-ए में सामान्य दिनों की तरह पढ़ाई चल रही थी। इसी दौरान छत पर लगे पंखे का हुक/नट-बोल्ट टूट गया और घूमता हुआ पंखा नीचे बैठे छात्रों पर जा गिरा। पंखे की पंखुड़ियों और लोहे की बॉडी की चपेट में आने से तीन छात्र ममना गाँव निवासी नागेंद्र (19) व अंश (19) तथा मनकहरी गाँव निवासी अनमोल (19)चोटिल हो गए। घटना की जानकारी मिलते ही विद्यालय के प्रधानाचार्य अभय गुप्ता तत्काल कक्षा में पहुंचे। उन्होंने घायल छात्रों को अपनी देखरेख में सीएचसी सरीला पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने उनका प्राथमिक उपचार किया।प्रधानाचार्य अभय गुप्ता ने बताया कि पंखे का हुक/नट कटने के कारण हादसा हुआ। गनीमत रही कि किसी छात्र को गंभीर चोट नहीं आई। उपचार के बाद सभी छात्रों की स्थिति सामान्य पाए जाने पर उन्हें सुरक्षित घर भेज दिया गया। हादसे में पंखा सीधे किसी छात्र के सिर पर नहीं लगा, जिससे बड़ा हादसा टल गया।

घटना के बाद विद्यालय में छात्रों की सुरक्षा को लेकर चिंता जताई जा रही है। विद्यालय प्रशासन के अनुसार कुछ कक्षाओं में नए पंखे लगाए जा चुके हैं, जबकि शेष कक्षाओं के पंखे भी बदले जाएंगे।

सम्मान समारोह आयोजित, बढ़े मानदेय और स्वास्थ्य सुविधाओं से रसोइयों में खुशी

ललितपुर, 23 अगस्त (तरुणमित्र)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा लखनऊ के इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान, गोमती नगर में आयोजित रसोइया सम्मान समारोह के सजीव प्रसारण के क्रम में रविवार को जनपद ललितपुर के कल्याण सिंह सभागार में रसोइया सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में जनपद के विभिन्न विकासखंडों से आए रसोइयों को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि श्रम एवं सेवायोजन राज्यमंत्री, उत्तर प्रदेश सरकार मनोहर लाल पंथ, नगर पालिका परिषद अध्यक्ष सोनाली जैन, मुख्य विकास अधिकारी शेषनाथ चौहान एवं अन्य अतिथियों द्वारा मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्ज्वलन कर किया गया। इसके बाद कम्पोजिट विद्यालय बुढ़वार की छात्राओं ने सरस्वती वंदना एवं स्वागत गीत प्रस्तुत किया। छात्राओं द्वारा पर्यावरण संरक्षण पर दी गई शानदार प्रस्तुति की अतिथियों ने सराहना की। विद्यालय की प्रधानाध्यापिका शकुन्तला कुशवाहा एवं उनकी टीम की भी प्रशंसा की गई। इसके पश्चात मुख्यमंत्री द्वारा लखनऊ में आयोजित रसोइया सम्मान समारोह का सजीव प्रसारण उपस्थित लोगों को दिखाया गया। कार्यक्रम के दौरान विभिन्न विकासखंडों से आईं 21 रसोइयों को बढ़े हुए मानदेय का प्रतीकात्मक चेक एवं कैशलेस चिकित्सा कार्ड प्रदान कर सम्मानित किया गया। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी रत्नेश कुमार ने कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत करते हुए रसोइयों के योगदान को महत्वपूर्ण बताया। मुख्य अतिथि राज्यमंत्री मनोहर लाल पंथ ने कहा कि मुख्यमंत्री

द्वारा रसोइयों का मानदेय ?2,000 से बढ़ाकर ?3,000 किया गया है। साथ ही रसोइया वस्त्र परिधान के लिए ?1,000 की धनराशि तथा ?5 लाख तक का कैशलेस चिकित्सा कार्ड उपलब्ध कराने की व्यवस्था की गई है। उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा रसोइयों के हित में उठाए गए इन कदमों से उनके सम्मान और सामाजिक सुरक्षा में वृद्धि होगी। नगर पालिका परिषद अध्यक्ष सोनाली जैन ने कहा कि मुख्यमंत्री द्वारा रसोइयों का मानदेय बढ़ाने के साथ उनका सम्मान भी बढ़ाया गया है। उन्होंने कहा कि नारी शक्ति की ओर से मुख्यमंत्री का आभार व्यक्त किया जाना चाहिए। उन्होंने रसोइयों के लिए ?2 लाख तक के दुर्घटना बीमा की घोषणा का भी स्वागत किया।मुख्य विकास अधिकारी शेषनाग चौहान ने कहा कि सरकार द्वारा संचालित योजनाओं का लाभ पात्र लोगों तक पहुंचाना सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों की जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि योजनाओं का धरातल पर प्रभावी एवं पूर्ण मनोयोग से क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जाना चाहिए, ताकि आमजन को सरकारी योजनाओं का अधिकतम लाभ मिल सके। कार्यक्रम का संचालन अध्यापिका अभिलाषा चौधरी एवं निओमी लाल ने संयुक्त रूप से किया।

रसोइयों का सम्मान कर वितरित किए कैशलेस चिकित्सा कार्ड

खखरेरू / जहानाबाद/ फतेहपुर, 23 अगस्त (तरुणमित्र)। पीएम पोषण योजना के अंतर्गत विद्यालयों में कार्यरत विजयीपुर और धाता विकासखंड की रसोइयों का सम्मान समारोह नगर पंचायत खखरेरू के सभागार कक्ष में आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि हसवा ब्लॉक प्रमुख विकास पासवान तथा विशिष्ट अतिथि नगर पंचायत खखरेरू के चेयरमैन ज्ञान चंद्र केसरवानी रहे।

कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के लाइव प्रसारण के माध्यम से रसोइयों को चार बड़ी सौगातों की जानकारी दी गई। इसमें रसोइयों का मानदेय 2,000 रुपये से बढ़ाकर 3,000 रुपये किए जाने, दुर्घटना की स्थिति में परिवार को दो लाख रुपये की सहायता, पांच लाख रुपये तक के मुफ्त इलाज के लिए कैशलेस चिकित्सा कार्ड तथा साड़ी के लिए मिलने वाली राशि 500 रुपये से बढ़ाकर 2,000 रुपये किए जाने की घोषणा शामिल रही।

स्वास्थ्य विभाग की ओर से चिकित्साधीक्षक डॉ. राजू राव के नेतृत्व में स्वास्थ्य जांच शिविर भी लगाया गया। इसमें रसोइयों का स्वास्थ्य परीक्षण कर आवश्यक दवाइयां वितरित की गईं। साथ ही पात्र रसोइयों को कैशलेस चिकित्सा कार्ड वितरित किए गए।

कार्यक्रम में विजयीपुर खंड शिक्षा अधिकारी रजनीश श्रीवास्तव, धाता खंड शिक्षा अधिकारी संजय कुमार सिंह, विकास अधिकारी राजेंद्र कुमार यादव समेत दोनों विकासखंडों के शिक्षक एवं कर्मचारी मौजूद रहे। अधिकारियों ने रसोइयों द्वारा विद्यालयों में बच्चों के लिए किए जा रहे कार्यों की सराहना की। वहीं जहानाबाद संवाददाता के अनुसार प्रधानमंत्री पोषण योजना के तहत कार्यरत रसोइयों के सम्मान में रविवार को अमौली रोड स्थित गेस्ट हाउस में समारोह आयोजित हुआ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के लाइव प्रसारण के बाद विधायक राजेंद्र सिंह पटेल ने रसोइयों को सम्मानित कर कैशलेस चिकित्सा कार्ड वितरित किए।

विधायक ने कहा कि सरकार ने रसोइयों का मानदेय दो हजार से बढ़ाकर तीन हजार रुपये प्रतिमाह कर दिया है। पोशाक की राशि भी बढ़ाकर एक हजार रुपये की गई है। कार्यक्रम में बीडीओ राहुल कुमार, बीईओ प्रवीण कुमार शुक्ला, ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि अतर सिंह पटेल समेत शिक्षक, रसोइया व अन्य लोग मौजूद रहे।

पंखे में उतरा करंट युवक की मौत

हथगाम / फतेहपुर, 23 अगस्त (तरुणमित्र)। तेरहवीं संस्कार में शामिल होने आए 3 युवक की पंखे में उतरे करंट की चपेट में आने से मौत हो गई। हादसे के बाद परिजनों में चीख-पुकार मच गई और गांव में मातम छा गया। जानकारी के अनुसार, हुसैनगंज थाना क्षेत्र के मोहनपुर गांव निवासी अनूप सिंह यादव (35) पुत्र शिव भूषण अपने रिश्तेदार बुआ के घर तेरहवीं संस्कार में शामिल होने सुल्तानपुर घोष थाना क्षेत्र के दरियापुर गांव मजरे ईजुरा बुजुर्ग आया था। कार्यक्रम के दौरान अनूप पास में रखे फरार्टा पंखे को हाथ से घुमाने का प्रयास कर रहा था। इसी दौरान पंखे में उतरे करंट की चपेट में आकर वह गंभीर रूप से झुलस गया। हादसा होते ही मौके पर मौजूद परिजनों और ग्रामीणों में हड़कंप मच गया। आनन-फानन में परिजन सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र हथगांव लेकर पहुंचे, जहां चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया।

मनकामेश्वर धाम में रुद्राभिषेक एवं विशाल भंडारा आज

फतेहपुर, 23 अगस्त (तरुणमित्र)। कस्बा हथगाम स्थित सिद्ध मनकामेश्वर धाम मंदिर में आज विशाल भंडारे का आयोजन किया जाएगा। इससे पूर्व मंदिर में रुद्राभिषेक एवं अन्य धार्मिक अनुष्ठान होंगे। भंडारे में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के पहुंचने की संभावना को देखते हुए मंदिर परिसर में तैयारियां शुरू कर दी गई हैं।

हर वर्ष आयोजित होने वाले इस भंडारे में हथगाम कस्बे के अलावा आसपास के गांवों से भी श्रद्धालु पहुंचकर प्रसाद ग्रहण करते हैं। आयोजन को लेकर स्थानीय लोगों में खासा उत्साह है। मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं की सुविधा और प्रसाद वितरण की व्यवस्थाओं को अंतिम रूप दिया जा रहा है।

नगर पंचायत हथगाम के नामित सभासद विनीत कुमार तिवारी ने आयोजन की जानकारी देते हुए श्रद्धालुओं से अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर धार्मिक कार्यक्रम में शामिल होने और प्रसाद ग्रहण करने की अपील की है।

मनकामेश्वर धाम क्षेत्र के लोगों की आस्था का प्रमुख केंद्र माना जाता है। सावन के धार्मिक माह में यहां होने वाले आयोजनों में श्रद्धालुओं की विशेष भागीदारी रहती है। विशाल भंडारे को लेकर मंदिर परिसर सहित आसपास के क्षेत्र में भी चहल-पहल बढ़ गई है।

रक्षाबंधन-बारावफात पर पुलिस की पैनी नजर

जहानाबाद/फतेहपुर, 23 अगस्त (तरुणमित्र)। रक्षाबंधन और बारावफात पर्व को लेकर थाना परिसर में शांति कमेटी की बैठक हुई। सीओ प्रयांक जैन ने दोनों समुदायों से पर्व आपसी सौहार्द और भाईचारे के साथ मनाने की अपील की। उन्होंने कहा कि माहौल बिगाड़ने, अफवाह फैलाने या सोशल मीडिया पर भ्रामक संदेश प्रसारित करने वालों पर पुलिस की पैनी नजर है और ऐसे लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। बैठक में थाना प्रभारी योगेश कुमार समेत दोनों समुदायों के संभ्रांत लोग, ग्राम प्रधान व व्यापार मंडल के पदाधिकारी मौजूद रहे

एरिया बंटवारे को लेकर किन्नरों के दो गुट आमने-सामने

हथगाम/फतेहपुर, 23 अगस्त (तरुणमित्र)। सुल्तानपुर घोष थाना क्षेत्र के प्रेमनगर कस्बे में रविवार को बधाई नेग लेने के क्षेत्र के बंटवारे को लेकर किन्नरों के दो गुट आमने-सामने आ गए। मंडवा मोड़ पर कहासुनी के बाद मारपीट और हंगामा शुरू हो गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने दोनों पक्षों को समझाकर मामला शांत कराया।

एएसएमसी ललितपुर में 58 वर्षीय वरिष्ठ फार्मासिस्ट का हुआ सफल आपातकालीन उपचार

ललितपुर , 23 अगस्त (तरुणमित्र)। ललितपुर के प्रतिष्ठित व्यक्ति एवं स्वशासी राज्य चिकित्सा महाविद्यालय (ASMC), ललितपुर में वरिष्ठ फार्मासिस्ट के पद पर कार्यरत 58 वर्षीय संजय साहू को गंभीर बेहोशी की अवस्था में ASMC ललितपुर लाया गया। प्रारंभिक जांच एवं चिकित्सकीय मूल्यांकन में मरीज को कार्डियक अरेस्ट के साथ गंभीर स्ट्रोक की स्थिति की पुष्टि हुई। मरीज की अत्यंत गंभीर स्थिति को देखते हुए चिकित्सकीय टीम द्वारा तत्काल कार्डियोपल्मोनरी रीससिटेशन (CPR) एवं आवश्यक आपातकालीन उपचार प्रारंभ किया गया। स्ट्रोक में रक्त के थक्के को घोलने के उद्देश्य से मरीज की स्थिति एवं निर्धारित चिकित्सकीय मानकों के अनुसार थ्रोम्बोलाइटिक उपचार विशेषज्ञ निगरानी में दिया गया। चिकित्सकीय टीम के अथक प्रयासों से मरीज में सफलतापूर्वक कार्डियक रीससिटेशन किया गया। स्थिति को देखते हुए आगे के विशेषज्ञ उपचार एवं निगरानी के लिए मरीज को कार्डियोलॉजिस्ट के पास रेफर किया गया। सफल आपातकालीन उपचार में डॉ. यासुब रिजवान एवं नर्सिंग ऑफिसर पवन सिंह की महत्वपूर्ण भूमिका रही। टीम की तत्परता, आपसी समन्वय एवं समय पर किए गए जीवनरक्षक प्रयासों से मरीज को तत्काल आवश्यक चिकित्सा उपलब्ध कराई जा सकी। प्राचार्य डॉ. मयंक शुक्ला के प्रयासों का परिणाम है कि ASMC ललितपुर में अब तक 37 मरीजों को इस जीवनरक्षक थ्रोम्बोलाइटिक उपचार की सुविधा सफलतापूर्वक प्रदान की जा चुकी है। समय रहते स्ट्रोक के मरीज की सही पहचान कर, उपयुक्त मरीज में निर्धारित समय-सीमा के भीतर यह उपचार उपलब्ध कराया जाए तो मरीज के बेहतर परिणाम एवं जीवन बचने की संभावना में महत्वपूर्ण सुधार हो सकता है।

जिलाधिकारी ने गोस्वामी तुलसीदास राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय का किया निरीक्षण

साफ-सफाई एवं व्यवस्थाएं बेहतर करने के दिए निर्देश

चित्रकूट, 23 अगस्त (तरुणमित्र)। जिलाधिकारी पुलकित गर्ग ने आज गोस्वामी तुलसीदास राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय बेड़ी पुलिया का स्थलीय निरीक्षण कर शैक्षणिक एवं मूलभूत व्यवस्थाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान महाविद्यालय के प्राचार्य श्री राजेश कुमार पाल ने जिलाधिकारी को अवगत कराया कि राष्ट्रीय राजमार्ग पर निर्मित नाला महाविद्यालय परिसर के पास समाप्त हो जाता है, जिसके कारण वर्षा के दौरान पानी परिसर में भर जाता है। इससे महाविद्यालय की बाउंड्रीवाल के क्षतिग्रस्त होने एवं गिरने की समस्या बनी रहती है। साथ ही ग्राम पंचायत की ओर से आने वाली छोटी नाली के कारण भी जल निकासी की समस्या उत्पन्न होती है।

जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि जिला पंचायत के माध्यम से स्थल का निरीक्षण कराकर जल निकासी की समस्या के स्थायी समाधान हेतु आवश्यक कार्य का आकलन कर एस्टीमेट तैयार कराया जाए। उन्होंने निर्देश दिए कि छोटी नाली को बड़ी नाली से जोड़कर समुचित जल निकासी की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए, ताकि महाविद्यालय की बाउंड्रीवाल को क्षति से बचाया जा

सके। जिलाधिकारी ने महाविद्यालय परिसर के पार्कों एवं अन्य स्थानों पर साफ-सफाई की व्यवस्था बेहतर कराने के निर्देश प्राचार्य को दिए। फर्श पर जमी गंदगी एवं काई के संबंध में उन्होंने ब्लीचिंग पाउडर का छिड़काव कर परिसर की समुचित साफ-सफाई एवं स्वच्छता सुनिश्चित कराने को कहा।इसके पश्चात जिलाधिकारी ने बीएससी प्रथम वर्ष की कक्षा में पहुंचकर छात्र-छात्राओं से संवाद किया तथा उन्हें मन लगाकर पढ़ाई करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि विद्यार्थी नियमित रूप से अध्ययन करें और अपने लक्ष्य के प्रति समर्पित रहें, सफलता अवश्य प्राप्त होगी। जिलाधिकारी ने छात्राओं से महाविद्यालय में आने वाली समस्याओं की जानकारी ली। छात्राओं द्वारा लाइब्रेरी से संबंधित समस्याएं बताई गईं, जिस पर जिलाधिकारी ने उनके शीघ्र निस्तारण का आश्वासन दिया।

मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना : 64 जोड़ों ने थामा एक-दूजे का हाथ

महोबा, 23 अगस्त (तरुणमित्र)। मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के अंतर्गत रविवार को जिला प्रशासन एवं समाज कल्याण विभाग के सहयोग से कम्युनिटी हॉल में सामूहिक विवाह समारोह का आयोजन किया गया। समारोह में 64 कन्याओं का विवाह विधि-विधान एवं उत्साहपूर्ण माहौल में संपन्न कराया गया। कार्यक्रम में पहुंचे जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों ने नवविवाहित वर-वधुओं को सुखमय दांपत्य जीवन के लिए आशीर्वाद एवं शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम में जिला पंचायत अध्यक्ष जेपी अनुरागी, मुख्य विकास अधिकारी बलराम कुमार सहित अन्य जनप्रतिनिधियों ने नवविवाहित जोड़ों को आशीर्वाद प्रदान किया। इस दौरान विवाह

स्थल पर खुशी और उत्सव का माहौल रहा।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जिला पंचायत अध्यक्ष जेपी अनुरागी ने कहा कि मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना प्रदेश सरकार की महत्वाकांक्षी एवं जनकल्याणकारी योजना है, जिसका उद्देश्य आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों की बेटियों के विवाह में सहयोग प्रदान करना है। उन्होंने कहा कि सरकार बेटियों के जन्म से लेकर उनकी शिक्षा और विवाह तक विभिन्न योजनाओं के माध्यम से सहायता उपलब्ध करा रही है। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के तहत पात्र परिवारों को एक लाख रुपये की सहायता का प्रावधान है। इसमें 64 हजार रुपये की धनराशि, 21 हजार रुपये की सामग्री तथा 15 हजार रुपये भोजन एवं अन्य व्यवस्थाओं पर व्यय किए जाते हैं। इससे गरीब एवं जरूरतमंद परिवारों को बेटियों के विवाह में आर्थिक राहत मिलती है। जिला पंचायत अध्यक्ष ने कहा कि मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना के माध्यम से भी बेटियों के जन्म और शिक्षा के विभिन्न चरणों में आर्थिक सहायता उपलब्ध कराई जा रही है। सरकार महिलाओं और गरीब परिवारों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के तहत रसोई गैस तथा निशुल्क राशन वितरण जैसी योजनाएं भी संचालित कर रही है। उन्होंने कहा कि सरकार की इन योजनाओं का उद्देश्य समाज के कमजोर एवं जरूरतमंद वर्ग को आर्थिक रूप से सशक्त बनाना तथा बेटियों को सम्मान और बेहतर भविष्य उपलब्ध कराना है। समारोह में उपनिदेशक कृषि, डीसी एनआरएलएम अशोक कुमार, जिला विकास अधिकारी पंकज कुमार, मुख्य चिकित्सा अधिकारी, जिला पूर्ति अधिकारी, जिला सूचना अधिकारी, जिला समाज कल्याण अधिकारी शशिकांत सिंह सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद रहे। अधिकारियों ने विवाह समारोह की व्यवस्थाओं का जायजा लेते हुए कार्यक्रम को सफल बनाने में सहयोग किया।

खनिज विभाग की बड़ी कार्रवाई,18 ट्रक पकड़े 22 लाख रुपये के जुर्माने की नोटिस

चित्रकूट, 23 अगस्त (तरुणमित्र)। शासन की मंशानुरूप जिलाधिकारी पुलकित गर्ग के निदेशानुसार अवैध खनन और खनिज के अवैध परिवहन पर अंकुश लगाने के लिए शनिवार को प्रशासन, पुलिस, खनिज और परिवहन विभाग की संयुक्त टीम ने जिले में सघन चेकिंग अभियान चलाया। अलग-अलग मार्गों पर हुई जांच में ओवरलोड और बिना वैध प्रपत्रों के संचालित किए जा रहे 18 ट्रक पकड़े गए। इन वाहनों पर करीब 22 लाख रुपये राजस्व वसूली की नोटिस जारी की गई है।

कार्रवाई से ट्रक संचालकों में खलबली मची रही। संयुक्त टीम ने जिले के विभिन्न मार्गों पर वाहनों की जांच की। इस दौरान कई ट्रकों में निर्धारित मानक से अधिक खनिज लदा मिला। वहीं, कुछ वाहन चालक खनिज परिवहन से संबंधित वैध प्रपत्र प्रस्तुत नहीं कर सके। नियमों का उल्लंघन पाए जाने पर टीम ने वाहनों को कब्जे में लेकर संबंधित थानों में खड़ा कराया। जांच के दौरान पकड़े गए 18 वाहनों में से 13 ट्रकों को पहाड़ी थाना परिसर में खड़ा कराया गया है। इसके अलावा एक-एक ट्रक राजापुर और भरतकूप थाना परिसर में खड़ा कराया गया। तीन वाहनों के खिलाफ ऑनलाइन चालान की कार्रवाई की गई।

अधिकारियों के अनुसार सभी मामलों में खनिज और परिवहन अधिनियम के तहत कार्रवाई की जा रही है।

सोना ले जा रही कार पकड़ी, दो गिरफ्तार

कन्नौज, 23 अगस्त (तरुणमित्र)। जिले के आगरा लखनऊ एक्सप्रेसवे पर तालग्राम निकवा गांव कट के निकट नेपाल से सोने की खेप ले जा रही कार में 10 किलो 370 ग्राम विदेशी सोना बरामद किया गया । यह कार गोरखपुर से चलकर संत कबीर नगर, बस्ती ,अयोध्या ,बाराबंकी ,लखनऊ, उन्नाव, कानपुर ,जैसे 6 बड़े जिलों को पार करते हुए कन्नौज जिले की सीमा में दाखिल होकर पुलिस के हाथों फस गई जिसमें 10 सोने की 1 किलोग्राम वजन के लगभग बड़े ईंटें बरामद हुई पुलिस के हाथ लगी आकर ।अपनी बदकिस्मती से पुलिस की सरकारी जीप से टच हो जाने के बाद सोने की तस्करी का राज सामने आ गया ।जिसमें सोने के साथ-साथ दो लोगों को गिरफ्तार किया गया जिसमें एक कार चालक तथा एक नेपाली व्यक्ति शामिल है।

राज्यमंत्री पंवार ने आठ लाख की लागत की ओपन जिम का किया शुभारंभ

राजगढ़। मध्य प्रदेश के राजगढ़ जिले के ब्यावरा शहर में रविवार को क्षेत्रवासियों को स्वस्थ और सक्रिय जीवनशैली के लिए नई सुविधा की सौगात मिली। कॉलोनी में करीब 8 लाख रुपए की लागत से तैयार ओपन जिम का प्रदेश के मछुआ कल्याण एवं मत्स्य विकास राज्यमंत्री नारायण सिंह पंवार ने शुभारंभ किया।शुभारंभ अवसर पर मंत्री पंवार ने कहा कि स्वस्थ समाज के निर्माण के लिए खेल और व्यायाम की सुविधाओं का विस्तार जरूरी है। आज की व्यस्त जीवनशैली में नियमित व्यायाम स्वास्थ्य के लिए बेहद महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि ओपन जिम से युवाओं के साथ महिलाओं और वरिष्ठ नागरिकों को भी लाभ मिलेगा। यह सुविधा लोगों को अपने स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करने और नियमित व्यायाम के लिए प्रेरित

करेगी। ओपन जिम में विभिन्न उपकरण लगाए कॉलोनी में तैयार किए गए ओपन जिम में लोगों की जरूरत को ध्यान में रखते हुए विभिन्न व्यायाम उपकरण और आवश्यक सामग्री स्थापित की गई है। क्षेत्रवासियों ने ओपन जिम की सुविधा शुरू होने पर खुशी जताते हुए कहा कि इससे बच्चों और युवाओं को भी खेल व व्यायाम के लिए बेहतर वातावरण मिलेगा। ह्यएक पेड़ मां के नाम के तहत पौधारोपण कार्यक्रम के दौरान एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत पौधारोपण भी किया गया। मंत्री पंवार ने पौधा लगाकर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया।

उन्होंने कहा कि पौधारोपण के साथ पौधों की नियमित देखभाल भी जरूरी है। उन्होंने लोगों से अधिक से अधिक पौधे लगाने और उनके संरक्षण का आह्वान किया।

पत्नी की हत्या करने वाले पति को आजीवन कारावास

राजगढ़। मध्य प्रदेश के राजगढ़ जिला न्यायालय में पदस्थ प्रथम अपर सत्र न्यायाधीश लखनलाल गोस्वामी ने फैसला सुनाते हुए मोबाइल चलाने की बात पर पत्नी द्वारा टोके जाने से नाराज पति द्वारा उसकी हत्या कर देने वाले पति को आजीवन कारावास और 5 हजार रुपये के अर्थदंड की सजा सुनाई है।प्रकरण में शासन की ओर से पैरवी कर रहे विशेष लोक अभियोजक एवं उपनिदेशक अभियोजन आलोक श्रीवास्तव ने रविवार को जानकारी देते हुए बताया कि वंदना की शादी करीब तीन साल पहले खुजनेर निवासी प्रखर उपाध्याय से हुई थी। दोनों के बीच आए दिन विवाद होता था। 4 मार्च 2024 को वंदना के मामा गौतम दुबे को उसकी मौत की सूचना मिली। परिजन खुजनेर पहुंचे तो वंदना घर के अंदर पलंग पर मृत मिली। उसके सिर से खून निकल रहा था। परिजनों ने दहेज को लेकर विवाद का आरोप लगाते हुए पति सहित ससुराल पक्ष के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई। रॉड से तीन वार, फिर एयर पिस्टल से फायर विवेचना के दौरान पुलिस ने प्रखर को गिरफ्तार कर उसका मेमोरेण्डम दर्ज किया। इसमें सामने आया कि 3 मार्च की रात करीब 12 बजे पति-पत्नी कमरे में थे। मोबाइल चलाने को लेकर पत्नी ने टोका तो प्रखर गुस्से में आ गया। उसने लोहे की रॉड से वंदना के सिर पर तीन वार किए। इसके बाद एयर पिस्टल से भी फायर किया। पुलिस ने आरोपित की निशानदेही पर लोहे की रॉड, एयर पिस्टल, कपड़े और चादर बरामद की।

भगवान पशुपतिनाथ आज करेंगे नगर का भ्रमण, राजसी सवारी की पूर्व संध्या पर निकली विशाल वाहन रैली

मंदसौर। सावन के अंतिम सोमवार को भगवान पशुपतिनाथ महादेव अपनी प्रजा हाल जानने के लिए राजसी रथ में सवार होकर शहर में निकलेंगे। मंदसौर में भगवान पशुपतिनाथ की राजसी सवारी से एक दिन पहले रविवार को शहर में भव्य वाहन रैली निकाली गई। रैली में करीब 5 हजार श्रद्धालु दोपहिया और चार पहिया वाहनों के साथ शामिल हुए।पशुपतिनाथ मंदिर परिसर से शुरू हुई रैली शहर के प्रमुख मार्गों से होकर गुजरी। इस दौरान 'हर-हर महादेव' और 'जय पशुपतिनाथ' के जयकारों से पूरा शहर गूंज उठा।

वाहन रैली का आयोजन भगवान पशुपतिनाथ प्रातःकालीन आरती मंडल की ओर से किया गया। इसका उद्देश्य राजसी सवारी का प्रचार-प्रसार करने के साथ शहरवासियों और श्रद्धालुओं को सवारी में शामिल होने का निमंत्रण देना था। पंडित दिलीप शर्मा ने बताया कि प्रातःकालीन आरती

मंडल पिछले करीब 30 वर्षों से भगवान पशुपतिनाथ की शाही सवारी निकाल रहा है।

इसी परंपरा के तहत इस बार भी शाही सवारी से एक दिन पहले वाहन रैली का आयोजन किया गया।रैली पशुपतिनाथ मंदिर परिसर से शुरू होकर सत्संग भवन, प्रतापगढ़ पुलिया, मंडी गेट, सदर बाजार, घंटाघर, गणपति चौक, शुक्ला चौक, कालाखेत, गांधी चौराहा, बीपीएल चौराहा और नई आबादी पहुंची। इसके बाद रैली कंबल केंद्र, संजय गांधी उद्यान, महाराणा प्रताप बस स्टैंड, रामटेकरी कॉर्नर, श्री कोल्ड, संजीत मार्ग, लक्ष्मीबाई चौराहा, गीता भवन रोड अंडरब्रिज, अभिनंदन मार्ग, रेलवे स्टेशन, नाहटा चौराहा, पुलिस लाइन और अंबेडकर चौराहा होते हुए नेहरू बस स्टैंड बालाजी और कालिदास मार्ग पहुंची।

यहां से रैली वापस घंटाघर और सदर बाजार होते हुए भगवान पशुपतिनाथ मंदिर परिसर पहुंची, जहां इसका समापन हुआ।

आज निकलेगी बाबा बैजनाथ की शाही सवारी, सभी तैयारियां पूरी

आगरमालवा। मध्य प्रदेश के आगरमालवा में श्रावण माह के अंतिम सोमवार, 24 अगस्त को श्री बाबा बैजनाथ महादेव की शाही सवारी राजसी ठाट-बाट के साथ निकाली जाएगी। इसके लिये सभी तैयारियां पूरी हो गई है। इस भव्य शाही सवारी में बाबा बैजनाथ चांदी की पालकी में सवार होकर नगर की प्रजा का हाल जानने नगर भ्रमण पर निकलेंगे। भव्य शाही सवारी में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के पहुंचने की संभावना को देखते हुए जिला प्रशासन एवं पुलिस ने जन सुरक्षा, यातायात, पार्किंग और भीड़ नियंत्रण की सभी आवश्यक प्रशासनिक तैयारियां पूरी कर ली है।

सवारी को शांतिपूर्ण और व्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने के लिए व्यापक सुरक्षा इंतजाम किए गए हैं। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक रविंद्र कुमार बोयत ने रविवार को जानकारी देते हुए बताया कि बाबा बैजनाथ की भव्य शाही सवारी में आने वाले श्रद्धालुओं की संख्या को ध्यान में रखते हुए शिवालय के मुख्य द्वार से वाहनों का प्रवेश प्रतिबंधित रहेगा। मंदिर के मुख्य द्वार से वाहनों का प्रवेश प्रतिबंधित रहेगा, यहां से केवल पैदल श्रद्धालुओं को प्रवेश दिया जाएगा। अशक्त, बुजुर्ग, बीमार और दिव्यांग श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए मुख्य द्वार से ऑटो के माध्यम से प्रवेश की व्यवस्था रहेगी। एसडीएम मिलिंद ढोके ने बताया कि शाही सवारी सोमवार को दोपहर 12.30 बजे श्री बैजनाथ महादेव मंदिर, ग्राम बेटखेड़ा से प्रारंभ होकर नगर के प्रमुख मार्गों कोटा-उज्जैन रोड, छावनी नाका, झण्डा चैक, रातडिया तालाब, नाना बाजार, गोपाल मंदिर, सराफा बाजार, सरकार बाड़ा, हाटपुरा, पुराना हॉस्पिटल चैराहा, माधवगंज होते हुए पुरानी कृषि उपज मण्डी, आगरमालवा में आरती उपरांत सम्पन्न होगी।

जेल में बनी अंतरराज्यीय चोर गैंग: दिन में रेकी के बाद रात में करते थे चोरी, तीन गिरफ्तार

बड़वानी। पुलिस कप्तान पद्मविलोचन शुक्ल के निर्देशन, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक धीरज बब्बर और एसडीओपी सेंधवा अजय वाघमारे के मार्गदर्शन में संपत्ति संबंधी अपराधों के खिलाफ अभियान चलाया जा रहा है। इसी अभियान के तहत सेंधवा ग्रामीण पुलिस ने ग्राम धनौरा में हुई चोरी की जांच करते हुए तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया। जुलाई में रात के समय फरियादी के घर का शटर तोड़कर अज्ञात चोर अंदर दाखिल हुए थे और चांदी के आभूषण चोरी कर ले गए थे। पुलिस ने मामला दर्ज कर तकनीकी साक्ष्य, मुखबिर तंत्र और साइबर सेल की मदद से आरोपियों का सुराग जुटाया। पुलिस ने भीमा उर्फ भीमसिंह पिता रतन भीलाला (41) निवासी वाक्या, थाना सेंधवा ग्रामीण, अशोक उर्फ मुकेश पिता कलसिंह भीलाला (26) निवासी वाक्या और बलीराम पिता दुरसिंह भीलाला (29) निवासी वाक्या को गिरफ्तार किया। आरोपियों के कब्जे से चांदी के कड़े,

चेन, गले के हार, बिछिया, लॉकेट और अंगूठियां बरामद की गईं। बरामद मसरूका की अनुमानित कीमत एक लाख रुपये बताई गई है। पुलिस के अनुसार आरोपी चोरी का माल बेचने की फिराक में थे, इससे पहले ही उन्हें पकड़ लिया गया।पुलिस के अनुसार मुख्य आरोपी भीमसिंह हत्या के मामले में करीब 10 वर्ष तक बड़वानी जेल में बंद था। जेल के दौरान उसकी धार जिले के बाग-टांडा क्षेत्र के कुछ लोगों से दोस्ती हुई। करीब ढाई माह पहले जेल से बाहर आने के बाद उसने अशोक और बलीराम के साथ गैंग बनाई। पुलिस के मुताबिक आरोपी दिन में सूने मकानों और दुकानों की रेकी करते थे। इसके बाद बाहरी साथियों को बुलाकर रात में चोरी की वारदात को अंजाम देते थे। आरोपियों ने वारला और नागलवाड़ी क्षेत्र में भी चोरी की घटनाएं स्वीकार की हैं। अन्य फरार साथियों की तलाश जारी है। कार्रवाई में थाना प्रभारी सेंधवा ग्रामीण निरीक्षक ओ.पी. सिंह चोंगड़े, उपनिरीक्षक रोहित पाटीदार, सहायक उपनिरीक्षक केशव यादव, आजम खान, संजय पाटीदार (साइबर), प्रधान आरक्षक योगेश पाटिल (साइबर), बबलू तलवारे, पंकज राजोरे, आरक्षक नीरज शर्मा, पंकज पुरोहित, सुनील वास्कले, नारायण पाटीदार, लाल सिंह और मड़िया डावर (साइबर) की मुख्य भूमिका रही।

22 फीट ऊंची दीवार फांदकर कैदी फरार, चादरों से बनाई रस्सी, जेल प्रशासन में मचा हड़कंप

श्योपुर। मध्यप्रदेश के श्योपुर जिला जेल से दोपहर एक कैदी 22 फीट ऊंची दीवार फांदकर फरार हो गया। कैदी ने चादरों को जोड़कर रस्सी बनाई और इसी के सहारे जेल की दीवार पार कर ली। घटना के बाद जेल प्रशासन में हड़कंप मच गया। पुलिस और जेल प्रशासन की टीमें फरार कैदी की तलाश में जुटी हैं। जानकारी के मुताबिक, घटना दोपहर करीब 1 से 2 बजे के बीच की है। जेल में कुछ कैदियों के लिए गीता पाठ की ऑनलाइन ट्रेनिंग चल रही थी। ट्रेनिंग खत्म होने के बाद सभी कैदियों को अपनी बैरक में वापस लौटना था, लेकिन 24 वर्षीय धर्मेंद्र कुशवाहा, पिता सुरेंद्र कुशवाहा, बैरक में नहीं लौटा। बताया जा रहा है कि धर्मेंद्र ने इसी दौरान मौका देखकर चादरों को आपस में जोड़कर रस्सी तैयार की और जेल परिसर की करीब 22 फीट ऊंची दीवार तक पहुंचकर उसे पार कर लिया। जब कैदी के बैरक में नहीं लौटने का पता चला तो जेल प्रशासन ने उसकी तलाश शुरू की। जांच में उसके जेल से फरार होने की पुष्टि हुई। धर्मेंद्र कुशवाहा पलायचा थाना क्षेत्र का रहने वाला है। उसे कराहल थाने में दर्ज 137/2 और 87 के मामले में 31 मई को जेल भेजा गया था। घटना की सूचना जेल प्रशासन ने तत्काल वरिष्ठ अधिकारियों और श्योपुर पुलिस अधीक्षक को दी।

विदिशा में एक ही फंदे पर लटके मिले दो दोस्तों के शव परिजनों ने जताई हत्या की आशंका

विदिशा। मध्य प्रदेश के विदिशा जिले के आदमपुर गांव में रविवार सुबह एक खेत में लगे पेड़ से दो युवकों के शव एक ही फंदे पर लटके मिलने से सनसनी फैल गई। दोनों मृतकों आपस में पक्के दोस्त और पड़ोसी थे। घटनास्थल पर पहुंचे ग्रामीणों और परिजनों ने शवों पर चोट के निशान होने का दावा करते हुए हत्या की आशंका जताई है। पुलिस ने शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजकर मामले की पड़ताल शुरू कर दी है।

जानकारी के अनुसार, विदिशा के सिविल लाइन थाना क्षेत्र अंतर्गत आदमपुर गांव में रविवार सुबह एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई। गांव से करीब 200 मीटर दूर स्थित एक खेत में पेड़ से दो युवकों के शव एक ही फंदे पर लटके पाए गए। सूचना मिलने पर सिविल लाइन थाना पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों शवों को फंदे से नीचे उतरवाकर पोस्टमॉर्टम के लिए मेडिकल कॉलेज भिजवाया।

घटना की जानकारी मिलते ही वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों के साथ फोरेंसिक टीम ने भी मौके पर पहुंचकर साक्ष्य जुटाए। ग्रामीणों के अनुसार, जिस जगह दोनों युवकों के शव लटके मिले, वहां उनके पैर जमीन को छू रहे थे और शरीर पर चोट के निशान भी नजर आ रहे थे। इसी आधार पर परिजनों और ग्रामीणों ने हत्या की आशंका व्यक्त की है। हालांकि, थाना प्रभारी राजपाल सिंह जादौन का कहना है कि मौतों की वास्तविक वजह पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट आने और जांच के बाद ही साफ हो सकेगी। मृतकों की पहचान आकाश पुत्र उधम सिंह मीणा (22) और बाबू पुत्र शहजाद अली (21) के रूप में हुई है।

पुत्रदा एकादशी पर श्याममय हुआ ब्यावरा, बड़ी संख्या में भक्तों ने किए बाबा के दर्शन

राजगढ़। मध्यप्रदेश के राजगढ़ जिले में ब्यावरा स्थित श्री खाटू श्याम मंदिर में पुत्रदा एकादशी के पावन अवसर पर रविवार को आस्था का सैलाब उमड़ पड़ा। सुबह मंगला आरती के साथ शुरू हुआ दर्शन का सिलसिला देर शाम तक जारी रहा। मंदिर समिति के अनुसार, दिनभर में हजारों की संख्या में श्रद्धालुओं ने बाबा खाटू श्याम के दर्शन किए। मंदिर परिसर से लेकर आसपास के मार्गों तक श्रद्धालुओं की लंबी कतारें नजर आईं।

इस दौरान 'जय श्री श्याम' और 'हारे का सहारा, बाबा श्याम हमारा' के जयकारों से पूरा वातावरण भक्तिमय बना रहा। पुत्रदा एकादशी को भगवान विष्णु को समर्पित महत्वपूर्ण व्रत माना जाता है। श्रद्धालु संतान सुख, संतान के कल्याण और परिवार की सुख-समृद्धि की कामना से यह व्रत रखते हैं। इसी भावना के साथ बड़ी संख्या में श्रद्धालु बाबा के

दरबार में पहुंचे और अपनी मनोकामनाएं अर्पित कीं। 51 किलो फूलों से सजा बाबा का दरबार एकादशी के अवसर पर बाबा खाटू श्याम का विशेष श्रृंगार किया गया। मंदिर में भव्य दरबार सजाया गया था। उज्जैन से मंगवाए गए करीब 51 किलो ताजे फूलों से बाबा का श्रृंगार और मंदिर की सजावट की गई। रंग-बिरंगी रोशनी और विद्युत सज्जा ने मंदिर की भव्यता को और बढ़ा दिया। निशान यात्राओं में उमड़ा उत्साह पुत्रदा एकादशी पर शहर के विभिन्न क्षेत्रों सहित आसपास के गांवों से निशान यात्राएं निकाली गईं।

ढोल- नगाड़ों और भजनों के बीच श्रद्धालु नाचते-गाते बाबा के दरबार पहुंचे। महिलाओं, युवाओं और बच्चों ने भी उत्साह के साथ यात्राओं में भाग लिया। हाथों में निशान लेकर श्रद्धालुओं ने बाबा श्याम के जयकारे लगाए और मंदिर पहुंचकर निशान अर्पित किए। पुलिस-प्रशासन ने संभाली व्यवस्था भक्तों की भारी भीड़ को देखते हुए मंदिर समिति के साथ पुलिस, प्रशासन, नगर सुरक्षा समिति और स्वयंसेवकों ने मोर्चा संभाला। कतार व्यवस्था, भीड़ नियंत्रण और यातायात को सुचारु बनाए रखने के लिए विशेष इंतजाम किए गए। मंदिर और आसपास के प्रमुख स्थानों पर पुलिसकर्मी व स्वयंसेवक तैनात रहे।

महाकाल दर्शन कर झांसी लौट रहा परिवार हादसे का शिकार, सात घायल

राजगढ़। मध्यप्रदेश के राजगढ़ जिले में करनवास थाना क्षेत्र में रविवार अलसुबह एनएच-52 स्थित ग्राम परसुलिया के समीप शराब दुकान के सामने तेज रफ्तार बलेनो कार अनियंत्रित होकर बिजली के पोल से टकरा गई। हादसे में कार सवार सात लोग घायल हो गए। सूचना मिलते ही 112 वाहन और थाना मोबाइल की मदद से सभी घायलों को शासकीय अस्पताल ब्यावरा पहुंचाया गया, जहां से तीन लोगों को हालत गंभीर होने पर भोपाल रेफर किया गया।पुलिस के अनुसार बलेनो कार क्रमांक यूपी 93 सीसी 4618 में सवार लोग महाकाल दर्शन के बाद अपने घर झांसी उत्तर प्रदेश लौट रहे थे। हाइवे स्थित ग्राम परसूलिया के पास अचानक कार अनियंत्रित हो गई और सड़क किनारे लगे बिजली के पोल से टकरा गई। टक्कर के बाद कार में सवार लोगों में चीख-पुकार मच गई। हादसे में कार चालक आवेद (25)पुत्र कैलाषसिंह राजपूत निवासी ग्राम जीरा, थाना शाजापुर, जिला झांसी के कंधे पर चोट आई। उनके दो वर्षीय बेटे काव्यांश के कान के पास मामूली चोट लगी। पत्नी अन्नपूर्णिमा (23)साल को चोट नहीं आई। वहीं अटरिया निवासी शैलेंद्र (25)पुत्र विनोदकुमार राजपूत के बाएं पैर में चोट, पत्नी सरोज (24) के गले के पास चोट, अंकित राजपूत (25) के सिर, कान के ऊपर और दाहिने पैर में चोट तथा काजल (23)पत्नी अंकित राजपूत के सिर में चोट बताई गई है।घटना की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को उपचार के लिए अस्पताल भिजवाया। पुलिस ने बताया कि सभी घायलों के परिजनों से संपर्क हो गया है और वे ब्यावरा के लिए रवाना हो चुके है, जहां से तीन लोगों को प्राथमिक उपचार के बाद भोपाल रेफर किया गया। पुलिस ने मामले में जांच शुरू कर दी है।

झमाझम बारिश के बावजूद बाणसागर डैम प्यासा, 18 प्रतिशत हिस्सा अभी भी खाली

शहडोल। मध्य प्रदेश के शहडोल जिले में लगातार बारिश के बावजूद बाणसागर डैम अभी पूरी तरह नहीं भर पाया है। 23 अगस्त की रिपोर्ट के अनुसार, डैम 82 प्रतिशत भर चुका है, लेकिन इसका 18 प्रतिशत हिस्सा अभी भी खाली है। पिछले दो दिनों में, 21 अगस्त दोपहर से 23 अगस्त सुबह तक, जलाशय का भराव केवल 6.34 प्रतिशत बढ़ा है। 21 अगस्त को दोपहर 12 बजे बाणसागर का जलस्तर 339.28 मीटर और लाइव स्टोरेज 4108.06 मिलियन क्यूबिक मीटर (टउट) दर्ज किया गया था। 23 अगस्त सुबह 8 बजे तक यह बढ़कर 340.05 मीटर और 4452.71 एमसीएम हो गया। इस प्रकार, लगभग 44 घंटों में जलस्तर में 3 (इंच) 77 सेंटीमीटर की वृद्धि दर्ज की गई, जिससे डैम में 344.65 एमसीएम पानी बढ़ा।

दो दिन में कम पानी की आवक

डैम में पानी की आवक में कमी आई है। 21 अगस्त को दोपहर 12 बजे आवक 3519.43 क्यूमेक्स थी, जो 23 अगस्त सुबह 8 बजे घटकर 2152.30 क्यूमेक्स रह गई।

दो दिनों में पानी की आवक में लगभग 1367 क्यूमेक्स की कमी दर्ज की गई है। हालांकि, वर्तमान आवक अभी भी डैम से बाहर निकल रहे पानी की मात्रा से काफी अधिक है। 23 अगस्त को कुल आउटफ्लो केवल 110.40 क्यूमेक्स दर्ज किया गया। 21 अगस्त को यह 91.45 क्यूमेक्स था।

हेड रेगुलेटर से पानी का डिस्चार्ज जीरो

वर्तमान में, पावर हाउस-III से 103.40 क्यूमेक्स, जबकि राइट बैंक कैनाल (RBC) और भितरी से 1-1 क्यूमेक्स पानी छोड़ा जा रहा है। स्पिलवे और सेंट्रल वाटर कमीशन (उहउ) हेड रेगुलेटर से पानी का डिस्चार्ज शून्य है। डैम के सभी रेडियल गेट बंद रखे गए हैं। बाणसागर का पूर्ण जलाशय स्तर (FRL) 341.64 मीटर निर्धारित है। वर्तमान जलस्तर 340.05 मीटर है, जो एफआरएल से 1.59 मीटर नीचे है। इसी कारण लगातार बारिश के बावजूद स्पिलवे से पानी छोड़ने की स्थिति नहीं बनी है और सभी रेडियल गेट बंद हैं।

बारिश के आंकड़े

21 अगस्त को डैम क्षेत्र में 8.89 मिमी बारिश दर्ज हुई थी और संचयी बारिश 649.67 मिमी थी। 23 अगस्त तक संचयी बारिश बढ़कर 695.13 मिमी हो गई है। यानी दो दिनों में संचयी बारिश में करीब 45.46 मिमी की वृद्धि हुई। इसके बावजूद जलाशय में भराव 100तक नहीं पहुंचा है।

पिछले साल से अभी भी 89 सेमी कम जलस्तर

23 अगस्त 2025 को बाणसागर का जलस्तर 340.94 मीटर था। इस साल इसी तारीख को जलस्तर 340.05 मीटर है। यानी पिछले साल की तुलना में इस बार जलस्तर 89 सेंटीमीटर कम है। हालांकि इस साल पिछले दो दिनों में तेजी से पानी बढ़ा है, लेकिन डैम को FRL तक पहुंचने के लिए अभी 1.59 मीटर और पानी की जरूरत है।

लगातार बारिश से ही भरेगा डैम

अभी सबसे बड़ा सवाल यह है कि बारिश और कैचमेंट से आने वाले पानी की आवक अगले कुछ दिनों तक कितनी बनी रहती है। फिलहाल 18 क्षमता खाली है और पानी की आवक 2152 क्यूमेक्स है। यदि लगातार बारिश के साथ आवक इसी तरह बनी रहती है तो जलस्तर और बढ़ सकता है, लेकिन आवक घटने पर डैम के पूरी तरह भरने में समय लगेगा।

भाषा विज्ञान में यूनिवर्सिटी टॉपर बनी यशिका का राज्यमंत्री टेटवाल ने किया सम्मान

राजगढ़। मध्य प्रदेड के राजगढ़ जिले के सारंगपुर निवासी यशिका मिश्रा ने डॉ. हरिसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर में भाषा विज्ञान विषय से एमए की परीक्षा में प्रथम स्थान हासिल कर क्षेत्र सहित पूरे जिले का नाम रोशन किया है। यशिका की इस उपलब्धि पर रविवार को सारंगपुर के सेवा सदन कार्यालय में प्रदेश के कौशल विकास एवं रोजगार राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) गौतम टेटवाल ने उनका अभिनंदन कर सम्मान किया। यशिका के पिता रजनीश मिश्रा सहित उपस्थितजनों ने भी उन्हें इस सफलता पर बधाई दी और उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं।

विश्वविद्यालय में प्रथम स्थान हासिल करने की खबर सामने आते ही परिजनों और परिचितों में खुशी का माहौल है। सम्मान समारोह में राज्यमंत्री टेटवाल ने कहा कि यशिका की सफलता उनकी मेहनत, लगन, प्रतिभा और दृढ़ संकल्प का परिणाम है। उन्होंने कहा कि छोटे शहर से निकलकर विश्वविद्यालय स्तर पर प्रथम स्थान प्राप्त करना

गौरव की बात है। यशिका ने अपनी उपलब्धि से सारंगपुर के साथ पूरे जिले को गौरवान्वित किया है। टेटवाल ने कहा कि यशिका की सफलता क्षेत्र की अन्य बेटियों और युवाओं के लिए प्रेरणा बनेगी। बेटियों को शिक्षा के क्षेत्र में आगे बढ़ने के अवसर मिलें तो वे हर क्षेत्र में अपनी प्रतिभा का लोहा मनवा सकती हैं।

उन्होंने यशिका को शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उन्होंने कहा कि बेटियों की ऐसी उपलब्धियां समाज में शिक्षा के प्रति सकारात्मक वातावरण तैयार करती हैं और नई पीढ़ी को अपने लक्ष्य के लिए मेहनत करने की प्रेरणा देती हैं।

कोलंबो टेस्ट: पडिक्कल के शतक से भारत मजबूत, पहले दिन 5 विकेट पर बनाए 300 रन

कोलंबो। भारत और श्रीलंका के बीच कोलंबो में खेले जा रहे दूसरे टेस्ट के पहले दिन का खेल समाप्त हो गया है। रविवार को टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी भारतीय टीम ने दिन का खेल खत्म होने तक 85 ओवर में पांच विकेट पर 300 रन बना लिए हैं।

भारत के लिए देवदत्त पडिक्कल ने शानदार शतकीय पारी खेलते हुए 117 रन बनाए। विकेटकीपर बल्लेबाज ध्रुव जुरेल सात और सारांश जैन चार रन बनाकर नाबाद लौटे।

भारतीय टीम ने पहली पारी की शुरूआत संभलकर की। शुरूआती एक घंटे में टीम ने बिना विकेट गंवाए 30 से अधिक रन जोड़े। हालांकि, 37 रन के स्कोर पर भारत को पहला झटका लगा। केएल राहुल 33 गेंदों पर दो चौकों और एक छक्के की मदद से 18 रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद 66 रन के स्कोर पर भारतीय टीम का दूसरा विकेट गिरा। यशस्वी जायसवाल 53 गेंदों पर नौ चौकों की मदद से 45 रन बनाकर पवेलियन लौटे।

देवदत्त पडिक्कल ने कप्तान शुभमन गिल के साथ पारी को संभाला। शानदार फार्म में चल रहे पडिक्कल ने पहले अपना अर्धशतक पूरा किया। फिर बाद में कप्तान गिल ने भी पचासा जड़ दिया, लेकिन 186 रन के स्कोर पर गिल 108 गेंदों पर छह चौकों की मदद से 50 रन बनाकर आउट हुए। गिल ने पडिक्कल के साथ तीसरे विकेट के लिए 120 रन की महत्वपूर्ण साझेदारी की। इसके बाद 207 रन के स्कोर पर ऋषभ पंत को श्रीलंकाई तेज गेंदबाज लाहिरू कुमारा की गेंद कलाई पर लग गई। चोट के बाद पंत काफी दर्द में नजर आए और तीन रन के निजी स्कोर पर रिटायर्ड हर्ट होकर मैदान से बाहर चले गए। उनके जाने के बाद रवींद्र जडेजा बल्लेबाजी के लिए आए। जडेजा ने पडिक्कल के साथ मिलकर भारतीय पारी को आगे बढ़ाया। इस दौरान पडिक्कल ने श्रीलंका के खिलाफ लगातार दूसरे टेस्ट में शतक जड़ दिया। यह उनके टेस्ट करियर का भी दूसरा शतक है। उन्होंने 168 गेंदों पर अपना शतक पूरा किया। गाले में खेले गए पहले टेस्ट की पहली पारी में भी पडिक्कल ने शानदार 167 रन बनाए थे।

हालांकि, पडिक्कल शतक के बाद अपनी पारी को और बड़ी नहीं कर पाए। वह 193 गेंदों का सामना करते हुए 12 चौकों की मदद से 117 रन की शानदार पारी खेलकर आउट हुए।

इसके बाद रवींद्र जडेजा भी ज्यादा देर नहीं टिक सके। वह 83 गेंदों पर 43 रन बनाकर आउट हुए। दिन का खेल समाप्त होने तक भारत ने पांच विकेट पर 300 रन बना लिए थे। श्रीलंका की ओर से असिथा फर्नांडो सबसे सफल गेंदबाज रहे। उन्होंने तीन विकेट हासिल किए, जबकि लाहिरू कुमारा और केशरा नुवान्था को एक-एक सफलता मिली।

बीडब्ल्यूएफ विश्व चैंपियनशिप : ट्रीसा-गायत्री ने जीता कांस्य, चीनी जोड़ी से सेमीफाइनल में हारीं

नई दिल्ली। भारत की ट्रीसा जॉली और गायत्री गोपीचंद की जोड़ी ने बीडब्ल्यूएफ विश्व बैडमिंटन चैंपियनशिप में कांस्य पदक जीतकर इतिहास रच दिया। शनिवार को महिला युगल सेमीफाइनल में भारतीय जोड़ी को शीर्ष वरीयता प्राप्त और मौजूदा विश्व चैंपियन चीन की लियू शेंग शू और तान निंग के हाथों 21-18, 13-21, 8-21 से हार का सामना करना पड़ा। इसके बावजूद ट्रीसा और गायत्री विश्व चैंपियनशिप में पदक जीतने वाली भारत की पहली महिला युगल जोड़ी बन गई हैं, क्योंकि इससे पहले 2011 में ज्वाला गुट्टा और अश्विनी पोनप्पा ने कांस्य पदक जीता था।

पहले गेम में भारतीय जोड़ी का दबदबा

इंदिरा गांधी इंडोर स्टेडियम में घरेलू दर्शकों के समर्थन के बीच ट्रीसा और गायत्री ने शानदार शुरूआत करते हुए 7-2 की बढ़त बना ली। हालांकि चीनी जोड़ी ने लगातार नौ अंक हासिल कर मध्यांतर तक 11-7 की बढ़त बना ली। ब्रेक के बाद भारत ने जोरदार वापसी की और लगातार पांच अंक लेकर स्कोर 12-12 से बराबर कर दिया।

चीन ने 18-16 की बढ़त बनाई, लेकिन भारतीय जोड़ी ने फिर लगातार पांच अंक हासिल किए। ट्रीसा के शानदार क्रॉस-कोर्ट स्मैश की मदद से भारत ने पहला गेम 21-18 से अपने नाम कर लिया।

चीन ने दूसरे गेम में की वापसी

दूसरे गेम में भी भारतीय जोड़ी ने कड़ा मुकाबला किया और मध्यांतर तक 11-10 से आगे रही। इसके बाद लियू और तान ने अपनी मजबूत रक्षात्मक क्षमता का प्रदर्शन किया। 49 शॉट की लंबी रैली ने भी चीनी जोड़ी का आत्मविश्वास बढ़ाया। चीन ने इसके बाद लगातार सात अंक हासिल किए और दूसरा गेम 21-13 से जीतकर मुकाबले को निर्णायक गेम में पहुंचा दिया।

निर्णायक गेम में भारत की चुनौती खत्म

तीसरे गेम में चीनी जोड़ी ने शुरूआत से ही दबदबा बनाए रखा। 56 शॉट की मैच की सबसे लंबी रैली के बाद लियू और तान ने मध्यांतर तक 11-5 की बढ़त बना ली। ब्रेक के बाद भारतीय खिलाड़ियों से कुछ गलतियां हुईं, जिसका चीन ने पूरा फायदा उठाया। चीनी जोड़ी ने तीसरा गेम 21-8 से जीतकर फाइनल में जगह बना ली। हालांकि सेमीफाइनल में हार के बावजूद ट्रीसा जॉली और गायत्री गोपीचंद ने कांस्य पदक अपने नाम कर भारतीय बैडमिंटन के लिए ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की।

प्रादेशिक बास्केटबॉल प्रतियोगिता के लिए प्रयागराज की चार छात्राएं चयनित

प्रयागराज। जिला विद्यालय निरीक्षक डॉ. संतोष कुमार राय के निर्देशन में सेन्ट एंथोनी कॉन्वेंट गर्ल्स इंटर कॉलेज में जनपद एवं मंडलीय अंतरविद्यालयीय बास्केटबॉल प्रतियोगिता के लिए बालिका वर्ग का चयन परीक्षण आयोजित किया गया।

चयन परीक्षण में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली चार छात्राओं का चयन प्रदेशीय माध्यमिक अंतरविद्यालयीय बास्केटबॉल प्रतियोगिता के लिए किया गया। चयनित छात्राओं में निष्ठा, छवि, कनिष्का और जैस्मीन शामिल हैं। इन छात्राओं ने चयन परीक्षण के दौरान अपने खेल कौशल और बेहतर प्रदर्शन से चयनकर्ताओं को प्रभावित किया।

विद्यालय प्रशासन ने छात्राओं के चयन पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए उन्हें आगामी प्रदेशीय प्रतियोगिता के लिए शुभकामनाएं दीं। विद्यालय की प्रधानाचार्या सिस्टर मेरी बशेला ने कहा कि छात्राओं का चयन विद्यालय के लिए गौरव की बात है। उन्होंने छात्राओं के उज्ज्वल भविष्य की कामना की। इस अवसर पर सोनिका गुप्ता, मीता विश्वास सहित विद्यालय के शिक्षक-शिक्षिकाएं और अन्य लोग उपस्थित रहे। विद्यालय परिवार ने चयनित छात्राओं को बधाई देते हुए प्रदेशीय प्रतियोगिता में बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद जताई।

अर्थव्यवस्था

विज्ञान और नवाचार सहयोग को मिलेगा नया आयाम : डॉ. जितेंद्र सिंह

नई दिल्ली। विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने शनिवार को घोषणा की कि ब्रिक्स देशों ने विज्ञान, प्रौद्योगिकी और नवाचार (टेक्नोलॉजी एंड इनोवेशन) के क्षेत्र में सहयोग को मजबूत करने के उद्देश्य से 'चेन्नई घोषणा' को सर्वसम्मति से अपनाया है। यह घोषणा ब्रिक्स देशों के बीच एक प्रभावी, लचीला और भविष्य की आवश्यकताओं के अनुरूप विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी ढांचा विकसित करने की साझा प्रतिबद्धता को दशार्ती है। भारत की ब्रिक्स अध्यक्षता के दौरान अपनाई गई 'चेन्नई सहमति' विज्ञान, प्रौद्योगिकी और नवाचार (एसटीआई) सहयोग के केंद्र में जन-केंद्रित और मानवता-पहले दृष्टिकोण को रखती है, जिसमें सतत विकास, मजबूत और उच्च गुणवत्ता वाली आर्थिक वृद्धि, सामाजिक समावेशन तथा लोगों के जीवनस्तर और कल्याण में सुधार के लिए नवाचार एवं प्रौद्योगिकी के उपयोग पर विशेष बल दिया गया है।

भारत की अध्यक्षता में आयोजित 14वीं ब्रिक्स विज्ञान मंत्रिस्तरीय बैठक के समापन सत्र को संबोधित करते हुए डॉ. सिंह ने कहा कि बैठक की चचाओं ने एक बार फिर यह स्पष्ट किया है कि विज्ञान, प्रौद्योगिकी और नवाचार अधिक लचीले, समावेशी और टिकाऊ भविष्य के निर्माण में केंद्रीय भूमिका निभाते हैं। उन्होंने कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, उच्च-प्रदर्शन कंप्यूटिंग, क्वांटम टेक्नोलॉजी, उन्नत सामग्री, जैव प्रौद्योगिकी, स्वास्थ्य, जलवायु परिवर्तन और सतत विकास जैसे विषयों पर हुई व्यापक चर्चा यह दशार्ती है कि ब्रिक्स देशों के सामने मौजूद अवसरों और चुनौतियों का सामूहिक प्रयासों से समाधान किया जा सकता है।

चेन्नई सहमति में ब्रिक्स विज्ञान, प्रौद्योगिकी और नवाचार सहयोग की बढ़ती परिपक्वता और गहराई को भी दर्ज किया गया है। इसके अंतर्गत 14 विषयगत कार्य समूहों में लगातार सहयोग, ब्रिक्स युवा वैज्ञानिक मंच के 11 संस्करण, युवा नवोन्मेषक पुरस्कार के 9 संस्करण और ब्रिक्स विज्ञान, प्रौद्योगिकी एवं नवाचार रूपरेखा कार्यक्रम के 9 दौर सफलतापूर्वक आयोजित किए जा चुके हैं। घोषणा में कहा गया है कि ये उपलब्धियां ब्रिक्स विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी साझेदारी की बढ़ती मजबूती, निवेश और सदस्य देशों की निरंतर भागीदारी को दशार्ती हैं। चेन्नई सहमति में विज्ञान और प्रौद्योगिकी सहयोग की प्राथमिकताओं की समीक्षा और उन्हें अधिक प्रभावी बनाने के लिए भारत द्वारा किए गए प्रयासों का भी स्वागत किया गया है, जिसमें भविष्य की चुनौतियों के अनुरूप अधिक सक्षम और आधुनिक सहयोग ढांचा विकसित करने की दिशा में चल रहे परामर्श कार्यों का उल्लेख किया गया है।

घोषणा में ब्रिक्स युवा स्टार्टअप मंच का भी स्वागत किया गया है। साथ ही शुरूआती और विकासशील चरण के स्टार्टअप्स के लिए वित्तपोषण की आवश्यकता को स्वीकार करते हुए ब्रिक्स स्टार्टअप नवाचार कोष के प्रस्ताव पर विचार का समर्थन किया गया है।

पब्लिक इश्यू से जुटाई गई राशि के उपयोग से जुड़े खुलासा नियमों की समीक्षा कर रहा है सेबी: चेयरमैन

नई दिल्ली। सेबी यानी भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (एसईबीआई) सार्वजनिक निर्गमों (पब्लिक इश्यू) के जरिए जुटाई गई धनराशि के उपयोग की निगरानी और उससे संबंधित खुलासों के मौजूदा ढांचे की समीक्षा कर रहा है, जिसका उद्देश्य निवेशकों को अधिक समयबद्ध और उपयोगी जानकारी उपलब्ध कराना तथा कंपनियों के लिए अनुपालन प्रक्रिया को सरल बनाना है।

यह बात सेबी के चेयरमैन तुहिन कांत पांडे ने शनिवार को इंस्टीट्यूट ऑफ डायरेक्टर्स के वार्षिक निदेशक सम्मेलन 2026 को संबोधित करते हुए कही।

सेबी चेयरमैन तुहिन कांत पांडे ने कहा कि प्रभावी कॉरपोरेट गवर्नेंस केवल खुलासों की संख्या पर निर्भर नहीं करती, बल्कि निवेशकों को उपलब्ध कराई जाने वाली जानकारी की गुणवत्ता, प्रासंगिकता और उपयोगिता पर भी आधारित होती है। उन्होंने कहा कि सेबी वर्तमान में उस व्यवस्था की समीक्षा कर रहा है जिसके तहत कंपनियों द्वारा पब्लिक इश्यू से जुटाए गए धन के उपयोग की निगरानी और रिपोर्टिंग की जाती है। नियामक यह सुनिश्चित करना चाहता है कि ऐसी जानकारियां अधिक तेजी से निवेशकों तक पहुंचें और कंपनियों पर अनावश्यक अनुपालन बोझ भी कम हो।

पांडे ने कहा, 'वास्तविक पारदर्शिता जानकारी की मात्रा नहीं, बल्कि उसकी गुणवत्ता, समयबद्धता और उपयोगिता में होती है।' उन्होंने जोर देकर कहा कि खुलासा नियमों का उद्देश्य निवेशकों को बेहतर निर्णय लेने में मदद करना होना चाहिए, न कि केवल रिपोर्टिंग संबंधी औपचारिकताओं को बढ़ाना।

सेबी प्रमुख ने बताया कि नियामक ने पिछले कुछ वर्षों में महत्वपूर्ण घटनाओं और सूचनाओं के खुलासे से जुड़े नियमों को लगातार मजबूत किया है। इसके तहत मैटेरियलिटी थ्रेशहोल्ड और निर्धारित समयसीमा जैसे प्रावधान लागू किए गए हैं, ताकि महत्वपूर्ण सूचनाएं निवेशकों तक बिना देरी के पहुंच सकें और खुलासों में एकरूपता बनी रहे। उन्होंने यह भी बताया कि सेबी संबद्ध पक्ष लेनदेन (रिलेटेड पार्टी ट्रांजैक्शंस) से जुड़े नियमों में भी सुधार पर विचार कर रहा है। प्रस्तावित बदलावों का उद्देश्य कंपनियों के लिए अनुपालन को अधिक स्पष्ट और व्यावहारिक बनाना है, जबकि निवेशकों के हितों की सुरक्षा भी सुनिश्चित की जाएगी।

पांडे ने कहा कि नियामकीय ढांचा ऐसा होना चाहिए जो संतुलित और अनुपातिक हो तथा एक ही मामले में बार-बार अनुपालन संबंधी बोझ न पैदा करे। इसी दिशा में सेबी एक ऐसे ढांचे पर भी विचार कर रहा है जिसके तहत एक से अधिक शेयर बाजारों में सूचीबद्ध कंपनियों को एक ही उल्लंघन के लिए कई बार दंडित न किया जाए।

उन्होंने कहा, 'हमारा उद्देश्य नियमन को अधिक प्रभावी बनाना है, जबकि उसके मूल उद्देश्य और निवेशक संरक्षण को पूरी तरह बरकरार रखना है।'

स्वस्थ और समृद्ध समाज के निर्माण के लिए फिटनेस बेहद जरूरी : मांडविया

विशाखापत्तनम। केंद्रीय युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया ने रविवार को कहा कि स्वस्थ और समृद्ध समाज के निर्माण के लिए फिटनेस बेहद जरूरी है। उन्होंने कहा कि जब व्यक्ति फिट होता है तो समाज स्वस्थ रहता है और स्वस्थ समाज ही समृद्ध राष्ट्र का निर्माण कर सकता है। केंद्रीय खेल मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया और युवा कार्यक्रम एवं खेल राज्य मंत्री रक्षा खडसे ने रविवार को आंध्र प्रदेश के विशाखापत्तनम में ब्रिक्स मैत्री साइकिलिंग कार्यक्रम का नेतृत्व किया। यह आयोजन 'फिट इंडिया संडे ऑन साइकिल' के 87वें संस्करण के तहत ब्रिक्स युवा एवं खेल मंत्रियों की बैठक के अवसर पर किया गया। इस बैठक की मेजबानी भारत कर रहा है।

साइकिलिंग कार्यक्रम में मिस्र, इथियोपिया, इंडोनेशिया, संयुक्त अरब अमीरात (यूएई), ईरान और दक्षिण अफ्रीका के मंत्री एवं विभाग प्रमुखों ने हिस्सा लिया। कार्यक्रम ने ब्रिक्स देशों के बीच दोस्ती, सहयोग और आपसी संबंधों की भावना को मजबूत करने का संदेश दिया।

इस सप्ताह निफ्टी में गिरावट के बीच एफआईआई ने निकाले 1,602 करोड़

नई दिल्ली। ऊंची कच्चे तेल की कीमतों और अमेरिका-ईरान तनाव के बीच भारतीय शेयर बाजार में लगातार दूसरे सप्ताह दबाव देखने को मिला। इस दौरान विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने भारतीय बाजार से 1,602 करोड़ रुपए की शुद्ध निकासी की, जबकि घरेलू संस्थागत निवेशकों (डीआईआई) ने खरीदारी जारी रखते हुए बाजार को सहारा दिया। बाजार विशेषज्ञों के अनुसार, एफआईआई तीन सप्ताह की लगातार खरीदारी के बाद फिर से बिकवाली के रुख में लौट आए। पूरे सप्ताह के दौरान उनका निवेश व्यवहार मिश्रित रहा। सप्ताह के पहले कारोबारी सत्र में उन्होंने बिकवाली की, इसके बाद अगले दो सत्रों में खरीदारी की और फिर अंतिम दो कारोबारी दिनों में दोबारा बिकवाली शुरू कर दी।

यदि 20 जुलाई से 21 अगस्त की अवधि को देखा जाए, तो एफआईआई पहले सप्ताह में विक्रेता रहे, उसके बाद लगातार तीन सप्ताह खरीदार बने और इस सप्ताह में फिर से बिकवाली की। इसके बावजूद पिछले एक महीने में उनकी कुल गतिविधि का परिणाम 1,282 करोड़ रुपए की शुद्ध खरीदारी के रूप में सामने आया। दूसरी ओर, घरेलू संस्थागत निवेशक लगातार मजबूती से खरीदारी करते रहे। उन्होंने पिछले एक महीने के दौरान हर सप्ताह शुद्ध निवेश किया और कुल मिलाकर 48,390 करोड़ रुपए का निवेश किया। केवल इस सप्ताह ही डीआईआई ने 17,320 करोड़ रुपए की शुद्ध खरीदारी की।

अगस्त महीने के अब तक के आंकड़ों पर नजर डालें तो दोनों श्रेणियों के निवेशक कुल मिलाकर खरीदार बने हुए हैं। इस अवधि में एफआईआई ने 2,510 करोड़ रुपए और डीआईआई ने 34,370 करोड़ रुपए का निवेश किया है। सप्ताह के दौरान प्रमुख सूचकांकों में सीमित दायरे में उतार-चढ़ाव देखने को मिला। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमत 92 डॉलर प्रति बैरल से ऊपर बनी रही और अमेरिका-ईरान के बीच जारी तनाव ने निवेशकों की धारणा को प्रभावित किया।

निफ्टी ने सप्ताह की शुरूआत कमजोरी के साथ की और मध्य सप्ताह में 24,026 का निचला स्तर छुआ। हालांकि अंतिम दो कारोबारी सत्रों में रिकवरी देखने को मिली, जिससे सूचकांक निचले स्तरों से उबर गया। इसके बावजूद सप्ताह के अंत में निफ्टी 24,252 के स्तर पर बंद हुआ, जो पिछले सप्ताह की तुलना में लगभग 0.5 प्रतिशत की गिरावट दर्शाता है। व्यापक बाजार का प्रदर्शन अपेक्षाकृत बेहतर रहा। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स लगभग सपाट स्तर पर बंद हुआ, जबकि निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स ने नया सर्वकालिक उच्च स्तर छूते हुए सप्ताह में 1 प्रतिशत से अधिक की बढ़त दर्ज की। इससे संकेत मिलता है कि निवेशकों की रुचि अभी भी मध्यम और छोटी कंपनियों के शेयरों में बनी हुई है। विश्लेषकों का मानना है कि आने वाले दिनों में निवेशकों की नजर मुख्य रूप से कच्चे तेल की कीमतों, अमेरिका-ईरान भू-राजनीतिक घटनाक्रमों और विदेशी निवेशकों की गतिविधियों पर रहेगी। यदि तेल कीमतों में और तेजी आती है, तो भारतीय बाजार पर दबाव बढ़ सकता है। वहीं घरेलू संस्थागत निवेशकों की मजबूत खरीदारी बाजार को समर्थन देती रह सकती है।